2015–16

50वीं वार्षिक रिपोर्ट

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

50वीं वार्षिक रिपोर्ट

समीक्षाधीन अवधि में, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय ने अपने अस्तित्व के 50वें वर्ष में एक उत्कृष्ट विद्वत संस्थान के रुप में प्रवेश किया। इसकी स्थापना 1966 में सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत् एक पंजीकृत सोसाइटी के रुप में हुई थी। विगत वर्षों से यह संस्था, संगम ज्ञापन में निर्धारित सोसाइटी के लक्ष्य एवं उद्देश्यों का अनुसरण करते हुए अपने नवीन प्रयासों द्वारा अपनी छवि में सुधार के लिए निरंतर प्रयत्नशील रही है। यह रिपोर्ट इसकी बहुआयामी गतिविधियों, विशेष रुप से ऐतिहासिक शोध एवं समकालीन अध्ययनों के क्षेत्र में, इसके योगदानों पर प्रकाश डालती है।

इसमें जवाहरलाल नेहरू से संबंधित एक व्यक्तिपरक संग्रहालय के साथ समाज विज्ञान से जुड़े विषयों से संबंधित देश का जाना–माना विशिष्ट पुस्तकालय, मौखिक इतिहास प्रभाग, पाण्डुलिपि प्रभाग, शोध एवं प्रकाशन प्रभाग, रिप्रोग्राफी प्रभाग, समसामयिक अध्ययन केन्द्र, नेहरू तारामण्डल तथा नेहरू बाल एवं युवा अध्ययन केन्द्र हैं।

सोसाइटी के उद्देश्यों के अनुसरण में, यह संस्था शोध कार्यक्रमों और विद्वानों को अधिकाधिक शोध सुविधाएं उपलब्ध करने पर विशेष ध्यान देती है।

संगठन

वर्ष के दौरान, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय की कार्यकारिणी समिति की आठ बैठकें क्रमशः (26 मई, 2015; 11 जून, 2015 विशेष बैठक;

27 जून 2015, विशेष बैठक; 14 सितंबर 2015; 04 नवंबर 2015, विशेष बैठक; 22 दिसंबर 2015, विशेष बैठक; 3 मार्च 2016 और 23 मार्च 2016) को हुई थीं एवं वित्त समिति की तीन बैठकें यथा 20 जुलाई 2015, 14 सितंबर 2015 तथा 3 मार्च 2016 को हुईं। नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय सोसाइटी की वार्षिक आम बैठक 28 अप्रैल 2015 को हुई थी। सोसाइटी की कार्यकारिणी परिषद् एवं वित्त समिति के सदस्यों के नाम परिशिष्ट में दिए गए हैं।

सोसाइटी की 1 अप्रैल 2015 से 31 मार्च 2016 तक की गतिविधियों का विभागवार विवरण निम्नानुसार है :

संग्रहालय

नेहरू स्मारक संग्रहालय, तीन मूर्ति भवन परिसर में स्थित है जो प्रथम श्रेणी की हेरिटेज भवनों में से एक है। यह भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन और कार्यों को स्वतंत्रता के लिए लम्बे समय तक किए गए संघर्ष और इसके परिणामस्वरुप हुई राजनैतिक उपलब्धियों की पृष्ठभूमि में दर्शाता है जिसका अंततः निष्कर्ष एक लोकतांत्रिक और गणराज्य भारत का उद्भव था। जवाहरलाल नेहरू की 125वीं जयंती पर मंत्रालय की ओर से, साठ के दशक में स्थापित संग्रहालय के बड़े आधुनिकीकरण परियोजना के लिए विशेष अनुदान पहली बार प्राप्त हुआ। संग्रहालय के इस आधुनिकीकरण परियोजना के तहत् संग्रहालय की स्थायी दीर्घाओं में प्रदर्शित सामग्री का उन्नयन (अपग्रेडेशन) और आगंतुक सेवाओं में संवर्द्धन की योजना है। आगंतुकों के लिए होलोग्रेफिक प्रोजेक्शंस, डिजिटल अभिलेखागार तथा महत्वपूर्ण भाषण आदि के श्रव्य एवं दृश्य प्रोजेक्शन सेवाएं उपलब्ध कराए जाने की योजना है।

इस कार्य को चरणबद्ध तरीके से निष्पादित किया जाएगा जिसमें जवाहरलाल नेहरू के स्वतंत्रता संग्राम के नेतृत्व से लेकर, उनके देश के प्रथम प्रधानमंत्री बनने तक के लंबे राजनैतिक जीवन पर कथानात्मक–वर्णनात्मक शैली के रुप को कार्यान्वित किया जाएगा। आधुनिक भारत के मुख्य वास्तुकार के रुप में, भारत का संविधान बनाने में, संसदीय लोकतंत्र लागू करने, और पंचवर्षीय योजना बनाने में

जवाहरलाल नेहरू के योगदान को वर्तमान में जैसा दर्शाया गया है, उनकी कमियों को दूर कर इस परियोजना पर कार्य किया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर के संगठनों और अनुसंधान संस्थानों की स्थापना, हाइड्रो इलैक्ट्रिक योजनाएँ, स्टील प्लांट्स, भारी उद्योग आदि जिसे नेहरू ने 'टेम्पल्स ऑफ माडर्न इंडिया' की संज्ञा दी थी, अर्थपूर्ण ढंग से प्रदर्शित करने की योजना है। वर्तमान की प्रदर्शित सामग्रियों में महत्वपूर्ण राजनैतिक सिद्धांतों के इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम में राष्ट्रीय नेताओं के योगदान को जैसा वर्तमान में दर्शाया गया है उसे इस परियोजना के तहत् यथावत् संरक्षित किया जाएगा।

आधुनिकीकरण परियोजना के तहत् इस हेरिटेज भवन, तीन मूर्ति भवन का और इसके अंदर स्थित कक्षों का परिरक्षण और पुनर्रुद्धार एक महत्वपूर्ण कार्य है। अतः इन कक्षों को उसी रुप में प्रति-स्थापित किया जाएगा जैसा वे पंडित नेहरू के जीवन काल में थे। इन्हें आलोकित करने के लिए ऊर्जाक्षय आउटडोर लाइटिंग का प्रयोग किया जाएगा। सुरक्षा और सर्तकता प्रणाली को अधिक कारगर बनाया जाना, जल संचयन और प्राकृतिक उर्जा का उत्पादन आदि इस आधुनिकीकरण परियोजना के मुख्य विषय है। संग्रहालय का यह आधुनिकीकरण परियोजना मेसर्स आभा नारायण लांबा एसोसिएटस को सौंपी गई है। दीर्घाओं की अवधारणात्मक और विषयनिष्ठ संकल्पना के लिए इन्हें डिजाइन परामर्शी के रुप में नियुक्त किया गया है। इस परियोजना का निष्पादन केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के सिविल और इलैक्ट्रिकल प्रभाग द्वारा किया जाएगा। समीक्षाधीन अवधि के दौरान आधुनिकीकरण के चार चरणों में से प्रथम चरण का कार्य प्रगति पर है और वह लगभग समाप्त होने वाला है। इस चरण में इंडिया हाउस संग्रह (क्लैक्शन) और संग्रहालय के स्थायी संग्रह (क्लैक्शन) के लिए और अधिक स्थान उपलब्ध करने और भण्डारण की सुविधा में विस्तार करने की योजना शामिल है।

समीक्षाधीन अवधि में संग्रहालय पधारने वाले आगंतुकों की संख्या लगभग सत्रह लाख थी जिनमें भारतीय और विदेशी दर्शक शामिल थे। इस संग्रहालय को प्रतिदिन औसतन पांच हजार लोग देखने पधारे। इसके लिए गाइडों की सुविधा भी मुहय्या कराई गई।

संग्रहालय को देखने अलग–अलग राज्यों से विशिष्ट अतिथि भी पधारे। इनमें से कुछ प्रतिष्ठित अतिथिगण थे : माननीय डॉ. मिलन बर्गलेज़, रिपब्लिक ऑफ स्लोवेनिया नेशनल असेम्बली के अध्यक्ष जिनके साथ भारत में स्लोवेनिया के राजदूत माननीय जोजेफ ड्रोफेनिक, संसदीय दल के साथ पधारे। सिंगापुर की फर्स्ट लेडी, मिस मेरी टैन, सिंगापुर में भारतीय उच्चायुक्त की पत्नी; रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया के हाउस ऑफ रिप्रेजनटेटिव्स के उप प्रवक्ता श्री फादली जॉन संसदीय दल के साथ भारत में; अमरीका के राजदूत माननीय रिचर्ड आर. वर्मा; साईप्रस से भारत पधारे उच्चायुक्त श्री डीमीट्रीआस ए. थिओफाइलैक्टोय; सांसद श्री वी. पनीर सेल्वम; सर्वोच्च न्यायालय की पूर्व न्यायमूर्ति रंजना देसाई, संस्कृति मंत्रालय के पूर्व सचिव श्री रवीन्द्र सिंह; भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय के सचिव, श्री एन. के. सिन्हा; राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद्, सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण परिषद् तथा ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय से पधारे प्रतिनिधि मंडल।

द्विभाषीय संग्रहालय दर्शन की सुविधा के साथ ही संग्रहालय ने अपने लोक संपर्क और शैक्षणिक गतिविधियों में भी वृद्धि की। इस प्रयास में दीर्घाओं में पूर्व निर्धारित वाक्स का आयोजन किया गया जिसके लिए विशेष रुप से आउटरीच किट्स तैयार किए गए। इस किट में एक्टिविटी शीट्स के साथ स्कूलों के लिए फीडबैक फार्मस भी उपलब्ध कराए गए। संग्रहालय आगंतुक अध्ययन कार्यक्रम के तहत् स्कूलों और आने वाले पर्यटकों का डाटा बेस तैयार करने का कार्य शुरू किया गया। स्कूलों के प्रासंगिक अकादमिक पाठयक्रम तैयार किए गए जिसे अभिलेखागारीय तस्वीरों के समृद्ध संग्रहों से संवारा गया। संग्रहालय वाक्स के कुछ विषयगत शीर्षक इस प्रकार हैं–' समाज सुधारकों के कार्य एवं योगदान'; 'स्वतंत्रता आन्दोलन की शांतिप्रिय प्रकृति (असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा तथा भारत छोड़ो)'; 'भारतीय संविधान का निर्माण'; 'महिलाएँ और भारत का स्वतंत्रता आंदोलन'; 'तीन मूर्ति भवन की शिल्प कला'; तथा 'मूल स्वरूप में जवाहरलाल नेहरू के कक्ष'; आदि।

जवाहरलाल नेहरू पर वृत्त चित्रों की स्क्रीनिंग और पुस्तक वाचन सुविधा के साथ नेपाल के ननग्याल स्कूल के लिए विशेष संग्रहालय दर्शन

की सुविधा मुहय्या कराई गई। यह सुविधा महिला एवं बाल विकास विभाग, भोपाल, टीच इंडिया नेशनल केडेट कॉर्प्स, स्कूल ऑफ प्लैनिंग ऐण्ड आर्किटेक्चर, रेणु सेतु फाउंडेशन, नेहरू युवा केंद्र, केरल तथा सेंट पॉल इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन, नागालैंड, संस्कृति स्कूल, हैरिटेज स्कूल आदि को भी मुहय्या कराई गई।

इसके अतिरिक्त नेहरू संग्रहालय ने अंतर्राष्ट्रीय स्मारक दिवस, हिन्दी पखवाड़ा, स्वच्छ भारत अभियान आदि जैसे विशेष दिवसों को भी मनाया। स्वच्छ भारत अभियान के तहत् दर्शकों एवं स्कूली बच्चों के दलों के बीच इसके महत्व को प्रकाशित करने वाले ओरिएण्टेशन नोट्स परिचालित किए गए और उनसे संग्रहालय के परिसर, इसके उद्यान, 14वीं सदी का शिकार गृह, कुशक महल और उसके आस–पास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने की अपील की गई। इसके लिए स्कूली बच्चों के लिए विशेष अभिज्ञान सत्रों का आयोजन भी किया गया जिसमें उन्हें स्वच्छता की अवधारणा, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक संपदा के संरक्षण के महत्व आदि के बारे में बताया गया।

उक्त अवधि में संग्रहालय के स्थायी संग्रहो का (तस्वीरों, उनके आकार और विवरण सहित) डिजिटलीकरण भी किया गया। संग्रहालय के सबसे महत्वपूर्ण सौ कार्यों का संग्रह इन हाउस संग्रहालय प्रकाशन के रुप में निकाला जाएगा। जवाहरलाल नेहरू की निजी दुर्लभ पुस्तकों की सूची अधिग्रहण रजिस्टर में तैयार की गई। ये पुस्तकें फिलहाल संग्रहालय के स्थायी कक्षों में प्रदर्शित है।

संग्रहालय के आधुनिकीकरण परियोजना के लिए संग्रहालय पधारने वाले पर्यटकों की प्रकृति व प्रकार तथा प्रदर्शन और प्रदान की जाने वाली सेवाओं से संबंधित उनके सुझाओं को शामिल करने के लिए संग्रहालय द्वारा दो सर्वेक्षण भी किए गए। स्मारक के रख–रखाव तथा उपहार वीथिका में प्रदर्शित वस्तुएं के रख–रखाव और परिरक्षण के साथ स्थायी प्रदर्शिनियों के पुराने और धुंधले हुए शीर्षकों को भी उक्त अवधि में बदला गया।

संग्रहालय सुविनिअॅर पटल से उक्त अवधि में 3,32,129 रुपए की

वस्तुएं बेची गई जिनमें विभिन्न पुस्तकें, संस्था का प्रकाशन, स्मृति चिन्ह, तस्वीरें और बाल रुचि की साहित्यिक सामग्री शामिल हैं।

पुस्तकालय

अपने समृद्ध संग्रहों और आधुनिक तथा समकालीन इतिहास के साथ, उससे जुड़े विषयों पर प्रचुर और दुर्लभ संग्रहों के कारण इस पुस्तकालय का भारत और विदेश के समाजिक विज्ञान पुस्तकालयों में आज भी अपना महत्व और विशेष स्थान है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान इसने उत्तरोत्तर प्रगति की है और इसमें पहले की तरह पुस्तकें, आवधिक पत्रिकाएँ, फोटोग्राफ्स तथा ई–संसाधनों में (अर्थात् सी.डी. रोम्स, डी.वी.डी, माइक्रोफार्मस, ऑनलाईन जर्नल्स) के रूप में और अधिक शोध सामग्री अर्जित की गई।

उक्त अवधि में इसके संग्रहों में 4,102 प्रकाशन जोड़े गए जिनमें से 1,902 प्रकाशन खरीदे गए, 873 पुस्तकें विभिन्न लोगों, भारत सरकार, राज्य सरकारें और अन्य संस्थानों से उपहार स्वरुप प्राप्त हुई। श्री ए. के. देराश्री संग्रह के तहत् 956 पुस्तकें प्राप्त हुई और शेष 371 प्रकाशन पुस्तकालय के पत्रिका अनुभाग से प्राप्त पत्रिकाओं के सजिल्द खंड थे।

पुस्तकालय में वर्ष के दौरान 4,102 प्रकाशन जुड़ने से पुस्तकों की संख्या 2,79,990 से बढ़कर 2,84,092 हो गई हैं।

श्री ए. के. देराश्री संग्रह के अवाप्तिकरण का कार्य प्रगति पर है और इस अवधि में 956 पुस्तकों का अवाप्तिकरण किया गया। इस संग्रह में कुल 1,961 पुस्तकें हैं।

हिन्दी की पुस्तकें अर्जित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है और उक्त अवधि में 995 हिन्दी प्रकाशन जोड़े गए हैं।

नेहरूआना

समीक्षाधीन अवधि के दौरान 'नेहरूआना' संग्रह में पन्द्रह नए शीर्षक जोड़े गए जिससे इसकी संख्या 1563 से बढ़कर 1578 हो गई हैं।

गांधीआना

समीक्षाधीन अवधि के दौरान 'गांधीआना' संग्रह में 103 नए शीर्षक जोड़े गए जिससे इनकी संख्या 2,517 से बढकर 2,620 हो गई हैं।

इंदिराना

इस अवधि में 'इंदिराना' संग्रह में एक नया शीर्षक जोड़ा गया जिससे इस संग्रह की संख्या 359 से बढ़कर 360 हो गई हैं।

उत्तर-पूर्व संग्रह

उत्तर पूर्व भारतीय संग्रह में और अधिक पुस्तकें अर्जित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। समीक्षाधीन अवधि में उत्तर पूर्व पर पंद्रह नई पुस्तकें जोड़ी गई।

पत्रिकाएं

वर्ष के दौरान पत्रिका संग्रह में शुल्क के आधार पर छह नई पत्रिकाएं *सत्व* (लेह लद्दाख), *अहा जिंदगी* (जयपुर, हिन्दी), *कथा देश* (नई दिल्ली, हिन्दी); *नया ज्ञानोदय* (नई दिल्ली, हिन्दी), *तद्भव* (लखनऊ, हिंदी) तथा *पोलिटिको* (दिल्ली, अंग्रेजी) जोड़ी गई। शुल्क पर प्राप्त हो रही 47 पत्रिकाओं की सदस्यता बंद करनी पड़ी। इस प्रकार पुस्तकालय में प्राप्त हो रही कुल पत्रिकाओं की संख्या अब 381 है। इनमें से 238 भारतीय प्रकाशन और 143 विदेशी प्रकाशन हैं। पुस्तकालय में प्राप्त हो रही पत्रिकाओं में 328 पत्रिकाएं अंग्रेजी, 49 हिंदी और शेष 4 प्रादेशिक भाषाओं में हैं।

पुस्तकालय में प्राप्त हो रहे दैनिक समाचार पत्रों की संख्या 27 है जिनमें से 26 शुल्क आधार पर व एक मानार्थ आधार पर प्राप्त हो रही हैं। इन समाचार पत्रों में 19 समाचार पत्र अंग्रेजी के सात हिंदी के तथा एक उर्दू का है।

फोटोग्राफ्स

समीक्षाधीन अवधि के दौरान फोटो संग्रहों में 2,501 फोटो जोड़े गए। इसमें 538 फोटो सामान्य वर्ग में जोड़े गए। इनमें 404, फोटोग्राफ्स श्री

वी. के. आर. वी. राव के हैं। 12 फोटो भारत पाक युद्ध 1965 से संबंधित हैं। 121 फोटो श्री के. डी. मालवीय की गतिविधियों से संबंधित हैं और एक फोटो बाबा सोहन सिंह बखना का है। ये फोटोग्राफ्स अलग–अलग व्यक्तियों से प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार 2,501 तस्वीरें जोड़े जाने से पुस्तकालय में फोटो संग्रहों की संख्या बढ़कर 2,07,614 हो गई हैं।

इस दौरान 31 नए एलबम जोड़े गए जिससे इनकी संख्या 2,788 से बढकर 2,819 हो गई।

इस अवधि के दौरान, 393 शोधार्थियों, सरकारी विभागों, संस्थानों और जनसंचार एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने फोटो पुस्तकालय की सेवाओं का लाभ उठाया।

ई–संसाधन

पुस्तकालय ने ई–संसाधन के तहत् ई–पत्रिकाएं, माइक्रोफिल्म, सीडी रोम्स/डीवीडीज भी जोड़े जिनका विवरण निम्नवत् हैं –

ई–पत्रिकाएं

वर्ष के दौरान पुस्तकालय द्वारा 305 ऑनलाईन पत्रिकाएं क्रय की गई। इनमें 196 मानविकी से संबंधित और 109 समाजिक विज्ञान से संबंधित है। ये पत्रिकाएं प्रोजेक्ट म्यूज से लिए गए।

माइक्रोफार्मस

पुस्तकालय की शोध सामग्री में उक्त अवधि के दौरान, 68 माइक्रोफार्मस जोड़े गए जो भारत पाक युद्ध, 1971 (8 रोल्स); बंगाल कोयला कंपनी के कागजात, 1900–63 (26 रोल्स); गुरूकुल हिंदी साप्ताहिक, खण्ड 3 से 6 (3 रोल्स); गुरूकुल कांगडी विश्वविद्यालय अभिलेख (2 रोल्स); महर्षि कार्वे के कागजात (मराठी, 2 रोल्स); इंडिया आफिस रिकॉर्ड, 1918–19 (3 रोल्स), बर्मा कांग्रेस कमेटी के कागजात, 1934–39 (1 रोल); खालसा एडवोकेट, 1907–14 (5 रोल्स); हिन्दू महासभा के कागजात 1933–51 (15 रोल्स), तथा के. एम. अशरफ के कागजात (3 रोल्स) से संबंधित हैं।

माइक्रोफिल्म रोल्स संग्रहो की संख्या इनके जोड़े जाने से 18,349 से बढ़कर 18,417 हो गई है और माइक्रोफिश संग्रह 51,322 हैं।

सीडी रोम्स/डीवीडी

उक्त अवधि में पुस्तकालय ने दो सी.डी. रोम्स जोड़े जिससे इस संग्रह की संख्या 312 से बढ़कर 314 हो गई। जोड़ी गई नई सी.डी. रोम्स हैं – सुमित सेन की 'ओशन टू ओशन : ए ममॉयर' तथा संजय भट्टाचार्य द्वारा संकलित 'ग्लोबल इरेडिकेशन ऑफ स्माल पाक्स' ।

पुस्तकालय ने 172 डी. वी. डी. भी जोड़े जिससे इसकी संख्या बढ़कर 868 हो गई हैं।

सामान्य

समीक्षाधीन अवधि के दौरान पुस्तकालय में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली; सूचना प्रबंधन अनुप्रयोग के लिए चिकित्सा ग्रंथालय सूचना प्रबंध संस्थान के विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण सत्र, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, मुनिरका, नई दिल्ली; जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली के पुस्तकालय पाठ्यक्रम के छात्र, स्कूल ऑफ आर्काइवल स्टडीज के एक वर्षीय पाठ्यक्रम के प्रशिक्षणार्थी, राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली; गुजरात विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के स्नाकोत्तर पाठ्यक्रम के 25 छात्र तथा डाइट्स/एससीईआरटी, नई दिल्ली के बीस संकाय सदस्य भी पधारें।

समाजिक विज्ञान के क्षेत्र में समृद्ध और विविध संसाधनों से युक्त तथा पुस्तकालय कर्मियों द्वारा प्रदान की जाने वाली त्वरित एवं कुशल सेवाओं के कारण, यह पुस्तकालय अकादमिक समुदाय के बीच आज भी आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, प्रतिदिन 70 अध्येताओं के हिसाब से यहां लगभग 20,700 विद्वान पधारे। कुल मिलाकर 1,177 अध्येताओं को पुस्तकालय का सदस्य बनाया गया और उनसे सदस्यता शुल्क के रुप में कुल 7,65,820/– रूपए तथा 80,065/– रूपए फोटोग्राफ्स से प्राप्त हुए। पुस्तकालय द्वारा कुल 8,45,880/– रूपए की राशि राजस्व के रूप में अर्जित की गई। वर्ष के दौरान अध्यताओं

द्वारा 2,72,130 पुस्तकों, 21,200 पत्रिकाओं के अंकों तथा 7,170 सजिल्द पत्रिकाओं का उपयोग किया गया। 5,466 माइक्रोफिल्म रोल्स तथा 19,156 माइक्रोफिश प्लेट्स का उपयोग भी किया गया, इनके अतिरिक्त अध्येताओं को उपयोग के लिए 882 माइक्रोफिल्म रोल्स तथा 873 माइक्रोफिश प्लेट्स की प्रतियां भी उपलब्ध कराई गई।

447 एलबमों से 3,158 फोटो स्कैन कर उपयोग हेतु उपलब्ध कराए गए जो 31 सीडी/डीवीडीज/पेन ड्राइव्स में शोधार्थियों एवं स्टॉफ को प्रदान की गईं। इस अवधि में पुस्तकालय ने 2,611 संदर्भ प्रश्नों का समाधान भी किया।

इसके अलावा पुस्तकालय में निःशुल्क इंटरनेट वाई फाई सुविधा भी पुस्तकालय सदस्यों के लिए शुरू की गई।

पाण्डुलिपि विभाग

पाण्डुलिपि विभाग आधुनिक भारत के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान देने वाले विशिष्ट व्यक्तियों, गैर–सरकारी संस्थाओं तथा राजनीतिक एवं अन्य संगठनों के अभिलेखों को एकत्रित कर, उन्हें परिरक्षित करता है। ये अभिलेख, जो शोध के लिए सूचना का प्राथमिक स्रोत हैं, शोधकर्ताओं को उपलब्ध कराए जाते हैं।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान हमारे अभिलेखों में निम्नलिखित कागजात जोड़े गए :

व्यक्तिगत कागज़ात

1. डॉ. मनमोहन सिंह के कागज़ात (ज. 1932)

   भारत के पूर्व प्रधानमंत्री

   डॉ. मनमोहन सिंह ने अपने कागज़ातों की एक अन्य किश्त प्रदान की है जिसमें 1957 से 2003 की अवधि में कई पुस्तकों और पत्रिकाओं में छपे उनके लेख और परिपत्र सम्मिलित हैं। इसमें सन् 1986 से 2014 के वर्षों में दिए गये उनके हिंदी तथा अंग्रेज़ी साक्षात्कारों की ऑडियो–वीडियो रिकॉर्डिंग्स भी शामिल हैं।

2. प्रो. एम. जी. के. मेनन के कागज़ात (1928–2016)

भौतिकविद् और वैज्ञानिक

प्रो. एम. जी. के. मेनन ने अपने कागज़ात, जिसमें 300 फाइलें सम्मिलित हैं, स्वयं प्रदान किये हैं। इन कागज़ातों में उनका भारत के गणमान्य व्यक्तियों जैसे शंकर दयाल शर्मा, ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, इंदिरा गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी, मनमोहन सिंह आदि के साथ भारत में विज्ञान और तकनीक के विकास के संबंध में किए गए पत्र व्यवहार से संबंधित फाइलें सम्मिलित हैं। वैज्ञानिक शोध पत्र, लेख, उनके व अन्य व्यक्तियों के भाषण तथा विज्ञान व तकनीक से संबंधित प्रेस कतरनें इस संग्रह का बड़ा हिस्सा है। सन् 1958–2015 की अवधि ये कागज़ात अंग्रेज़ी में हैं।

3. एस. वरदराजन के कागज़ात (ज. 1928)

पर्यावरणविद् एवं वैज्ञानिक

एस. वरदराजन के कागज़ातों की तीसरी एवं चौथी किश्त, जिसमें 10 फाइलें हैं, डॉ. एस. वरदराजन ने स्वयं प्रदान की हैं। इन कागज़ातों में इण्डियन अकादमी ऑफ साइंस, से संबंधित दस्तावेज़ों की प्रतियाँ, तथा मथुरा रिफाइनरी का पर्यावरण पर प्रभाव, रामगंगा प्रोजेक्ट का जिम कॉरबेट पार्क पर प्रभाव आदि की फोटो प्रतियां शामिल हैं। सन् 1934, 1973–86 और 2014 की अवधि के ये कागज़ात अंग्रेज़ी में हैं।

4. प्रो. माधव गाडगिल के कागज़ात (ज. 1942)

परिस्थितिविज्ञानी

प्रो. माधव गाड़गिल ने अपने कागज़ातों का एक बड़ा संग्रह प्रदान किया है, जिसमें लगभग 2000 फाइलें हैं। इस संग्रह की फाइलें बायोडाइवर्सिटी इन एजुकेशनल करीकुला, ईस्टर्न ऐण्ड वेस्टर्न घाट्स बायोडाइवर्सिटी मॉनीटरिंग नेटवर्क, गुंडिया हाईडल परियोजना, कर्नाटक एन्वॉयरन्मेंटल प्लानिंग, नेशनल बॉयोडाइवर्सिटी स्ट्रेटेजी एण्ड एक्शन

प्लान, आदि विषयों पर आधारित हैं। 1985–2010 के अवधि के ये कागज़ात अंग्रेज़ी, हिंदी, मराठी, कन्नड़ और मलयालम में हैं।

5. पीताम्बर पंत के कागज़ात (1919–1973)

सिविल सर्वेन्ट

पीताम्बर पंत के कागजातों की तीसरी किश्त उनके पुत्र श्री चन्द्रशेखर पंत द्वारा प्रदान की गई है। पीताम्बर पंत के व्याख्यान, डायरियाँ, नोटबुक्स तथा विभिन्न पत्रिकाओं, रिपोर्टों, संगोष्ठी-पत्रों में योजना एवं व्यवहारिक अर्थशास्त्र से संबंधित उनके लेख, भाषण आदि सम्मिलित हैं। सन् 1952–1973 की अवधि के ये कागज़ात अंग्रेज़ी में हैं।

6. एम. एल. सोंधी के कागज़ात (1933–2003)

विद्वान एवं राजनीतिज्ञ

श्री एम.एल. सोंधी के कागजात, जिसमें 20 फाइलें हैं उनकी पत्नी श्रीमती माधुरी सोंधी द्वारा प्रदान किए गए हैं। इस संग्रह में अटल बिहारी वाजपेयी, इंदिरा गांधी, एल. के. अडवाणी, दलाई लामा, राम जेठमलानी, फारुख अब्दुल्ला, और अन्य व्यक्तियों से किया गया पत्र व्यवहार शामिल है। इन कागज़ातों में स्वयं उनके व अन्य व्यक्तियों द्वारा लिखे लेख व प्रेस कतरनें भी शामिल हैं। सन, 1961–2003 की अवधि के ये कागज़ात हिन्दी, अंग्रेज़ी और उर्दू में हैं।

7. चैतन्य कलबाग के कागज़ात (ज. 1956)

स्तंभकार, लेखक और पत्रकार

श्री चैतन्य कलबाग ने अपने कागज़ातों का संग्रह प्रदान किया है, जिसमें 8 जिल्दबंद और चार आबद्ध फाइलें हैं। इस संग्रह में उनके द्वारा रॉयटर्स् में की रिपोर्टिंग, कवर स्टोरीज़ और *इंडिया टुड़े* की विशेष रिपोर्टिंग्स तथा *हिन्दुस्तान टाइम्स* में स्तम्भ लेख और संपादकीय टिप्पणियाँ भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, इस संग्रह में *बिज़निस टुडे* पत्रिका के संपादक के रूप में उनकी वित्तीय रिपोर्टिंग्स भी हैं। सन् 1976–2014 की अवधि के ये कागज़ात अंग्रेज़ी में हैं।

8. प्रो. आंनद कुमार के कागज़ात (ज. 1950)

शिक्षाविद् और आम आदमी पार्टी के संस्थापक सदस्य

प्रो. आंनद कुमार ने अपने कागज़ातों की 40 फाइलों का संग्रह प्रदान किया है। इस संग्रह में जवाहरलाल नेहरू, अच्युत पटवर्धन, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद, अरुणा आसफ अली, राम कृष्ण हेगड़े, वी.एम. तारकुण्ड़े, सोली सोराबजी, राहुल बजाज, आदि जैसे गणमान्य व्यक्तियों के साथ किया गया पत्र–व्यवहार सम्मिलित हैं। इस संग्रह की अन्य फाइलें कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी, जे.पी. फाउंडेशन, आम आदमी पार्टी, आदि से संबंधित हैं। सन 1946, 1978–2014 के ये कागज़ात हिन्दी, अंग्रेज़ी, उड़िया और मलयालम में हैं।

9. प्रो. दीपक कुमार के कागज़ात (ज. 1952)

शिक्षाविद्

प्रो. दीपक कुमार ने मैडिकल हिस्ट्री इन ब्रिटिश इंडिया विषय पर अपने शोध कार्य के दौरान एकत्रित की गई सामग्री में से 800 पृष्ठों की प्रतियाँ प्रदान की हैं। सन 1899–1966 की अवधि के ये कागज़ात अंग्रेज़ी में हैं।

अन्य कागजात

उपरोक्त कागजातों के अतिरिक्त, पाण्डुलिपि विभाग ने विवान सुंदरम और मुल्कराज आनंद के आदिल जस्सावाला को लिखे दो पत्र, सी.पी. एस. मेनन का शोध प्रबंध 'अर्ली हिस्ट्री ऑफ एस्ट्रोनॉमी एंड कॉस्मॉलाजी इन इंडिया', प्रेस कतरनें, बंगला में सुभाष चन्द्र बोस पर लेख की प्रेस कतरनें, तथा न्यायमूर्ति एम. फाथिमा बीवी का हजरत सुल्तान टीपू मेमोरियल व्याख्यान भी प्राप्त किए।

शोध एवं संदर्भ

हमारे समृद्ध पुरालेखीय स्रोतों का उपयोग पहले की तरह शोधार्थियों द्वारा किया गया। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, भारत तथा विदेशों के विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थाओं से संस्तुत किए गए 616 शोधार्थियों को

सेवाएं प्रदान की गई। उन्हें अध्ययन के लिए विभिन्न संग्रहो से 11,852 फाइलें उपलब्ध कराई गई तथा उनके और कार्यालय के प्रयोग के लिए 77,980 पृष्ठों की जिरॉक्स प्रतियाँ तैयार की गई।

परिरक्षण एकक

परिरक्षण एकक द्वारा संस्था के अन्य अनुभागों को महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान की गई जिनमें पाण्डुलिपि प्रभाग के पुराने और मूल्यवान दस्तावेजों का संरक्षण पुस्तकालय के ग्रंथो की मरम्मत, माइक्रोफिल्म के लिए रिप्रोग्राफी एकक को उपलब्ध कराए जाने वाले पुराने व नए अखबारों की कटाई–छटांई, और पृष्ठों को सीधा करना शामिल था।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, एकक द्वारा 6,265 शीटों को लैमिनेट किया गया। 3,226 दस्तावेजों की पूरी पेस्टिंग तथा 3,043 शीटों की टिश्यू पेस्टिंग की गयी। 2500 पुस्तकों एवं फाइलों को धूर्मीकृत किया गया। 2,458 पाण्डुलिपियों/फाइलों व दस्तावेजों की रक्षियां बनाई गई और पुराने एलबमों में से 1,462 फोटोग्राफ निकाले गए और पोलियस्टर रक्षियों सहित 22 एलबम तैयार किए गए।

इसके अतिरिक्त एकक द्वारा पार्सलों को पैक करने, सिलने, एजेंडा पेपरों को पंजीकरण व सिलने के पश्चात जिल्दबंदी का कार्य भी किया गया। मूल्यवान रिकार्डों को धूर्मीकरण, एकक की नियमित सेवाओं में से एक है।

रिप्रोग्राफी अनुभाग

रिप्रोग्राफी अनुभाग शोध सामग्री के अनुवर्द्धन और शोधकर्ताओं को शोध सामग्री सुलभता से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अंग्रेजी, हिंदी व अन्य प्रादेशिक भाषाओं के पुराने व नए समाचारपत्रों और अभिलेखागारीय सामग्री की माइक्रोफिल्मिंग का कार्य करता है। यह अनुभाग, पुस्तकालय में शोध के लिए पधारने वाले विद्वानों को विभिन्न प्रकार की रिप्रोग्राफिक सेवाएं भी प्रदान करता है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान समाचारपत्रों की माइक्रोफिल्मिंग के कार्य में उत्तरोतर प्रगति हुई। कुल मिलाकर एकक द्वारा हिन्दुस्तान टाइम्स

(दैनिक, 1 जनवरी–2011 से 31 दिसम्बर–2012), इकनॉमिक टाइम्स, 26 मार्च–26 सितम्बर 2006 तथा दि टेलीग्राफ 26 मई, 2003 से 6 जुलाई, 2006 जैसे समाचारपत्रों के 35एमएम नेगेटिव्स के लगभग 1,02,350 फ्रेम्स तैयार किए गए। उक्त अवधि में तैयार किए गए माइक्रोफिल्म रोलों का मिलान, संपादन व सूचीकरण के पश्चात अवाप्तिकरण किया गया। संस्था के विभिन्न प्रभागों को सप्लाई के लिए 52,917 फोटो प्रतियां भी उक्त अवधि में उपलब्ध कराई गईं।

प्रभाग द्वारा अध्येताओ, संस्थाओं और कार्यालय के विभिन्न अनुभागो के लिए सीडी/डीवीडी में 3,790 चित्रों को स्कैन कर उपलब्ध कराया गया।

माइक्रोफिल्मों के पुरानें नेगेटिव्स को दोबारा धोने का कार्य किया जा रहा है। इस अवधि में प्रभाग ने नेगेटिव्स के 45 रोल्स तैयार किए तथा 3000 पुराने मास्टर रोलों की रीवाइंडिंग का कार्य भी किया। ट्रिब्यून, कैपिटल, अमृत बाज़ार पत्रिका, अभ्युदय, प्रताप, आर्गनाइज़र, पाकिस्तान टाइम्स, अखिल भारतीय शिया सम्मेलन की वार्षिक कार्य सूची, महर्षि कार्वे के कागजात और डायरियाँ, बंगाल कोयला कंपनी के कागजात, गुरुकुल कांगड़ी का गुरुकुल और संस्था के रिकार्ड के लिए इंडिया आफिस रिकार्डस के 308 डायरेक्ट डुप्लिकेट माइक्रोफिल्म भी प्रभाग द्वारा तैयार किए गए।

एकक ने स्कॉलरो को उपयोग हेतु 67 डुप्लिकेटिंग माइक्रोफिल्म रोल्स यथा अखिल भारतीय शिया सम्मेलन की वार्षिक कार्य सूची, 1971 का भारत–पाकिस्तान युद्ध, बंगाल कोल कंपनी, महर्षि कार्वे के कागजात, गुरूकुल कांगड़ी, बर्मा कांग्रेस कमेटी, इंडिया ऑफिस रिकार्ड एवं अभ्युदय उपलब्ध कराए।

इसके अतिरिक्त प्रभाग द्वारा प्रदर्शिनियों के 80 पोस्टर और संगोष्ठियों के 20 पोस्टर भी तैयार किए गए तथा 249 कार्यक्रमों की कवरेज भी की गई।

माइक्रोफिल्मों के मूल नेगेटिव के रख-रखाव का विशेष ध्यान रखा गया और कुछ रोलों को धोकर साफ किया गया। एकक के उपकरण

और स्टॉक रजिस्टर के रख-रखाव पर भी ध्यान दिया गया। प्रभाग ने स्कॉलरों के अनुरोध को पूरा करते हुए कार्यालय को रिप्रोग्राफी संबंधित सूचनाएँ भी उपलब्ध कराईं।

मौखिक इतिहास प्रभाग

मौखिक इतिहास प्रभाग, आधुनिक भारत के सामाजिक और राजनैतिक विकास से संबंधित दस्तावेज़ तैयार करता है। यह दस्तावेज़ विशेष रूप से स्वतंत्रता संग्राम के संदर्भ में उन प्रतिष्ठित व्यक्तियों से साक्षात्कार करके तैयार किए जाते हैं जिन्होंने सार्वजनिक जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान डॉ. मोंटेक सिंह अहलूवालिया का साक्षात्कार दो सत्रों में रिकॉर्ड किया गया।

पूर्व वर्ष में शुरू किए गए साक्षात्कारों के सत्रों को जारी रखते हुए इस वर्ष अन्य दो सत्र जोड़े गए। ये साक्षात्कार डॉ. एस. सी. जमीर और श्री पी. चिदंबरम के थे। अब तक रिकार्ड किए गए कुल व्यक्तियों और सत्रों की संख्या क्रमशः 1,364 तथा 5,577 है।

उक्त अवधि में 1,490 पृष्ठों के 27 साक्षात्कारों के प्रतिलेखों को अंतिम रुप दिया गया। इन प्रतिलेखों के जुड़ने से मौखिक इतिहास अभिलेखागार में साक्षात्कारों की संख्या बढ़कर 931 हो गई है। वर्ष के दौरान जिन साक्षात्कारों को अंतिम रुप दिया गया उनका विवरण निम्नानुसार है :

1. **अब्दुल मुईद (1934–2015)**

   अध्यक्ष, हमदर्द नेशनल फाउंडेशन, दिल्ली

   इन्होंने मुख्यतः अपने पिता हकीम अब्दुल मुईद, जामिया हमदर्द तथा हमदर्द यूनिवर्सिटी पर अपने संस्मरण रिकार्ड कराएं हैं।

2. **प्रो. एन. जी. रंगा (1900–1995)**

   पूर्व सांसद तथा किसान नेता, गुंटूर, आंध्र प्रदेश

   इनके संस्मरणों में अन्य विषयों के अतिरिक्त, *आंध्र पत्रिका,* डॉ. एनी

बेसेंट तथा होमरूल लीग (1916); आंध्र सम्मेलन (1913, 1914 तथा 1917); दक्षिण भारत में गैर-ब्राह्मण आन्दोलन तथा जस्टिस पार्टी; महात्मा गांधी और बाल गंगाधर तिलक; आंध्र में किसान; जलियाँवाला बाग (1919); मैन्टेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधार (1919); तथा दिल्ली में महात्मा गांधी के प्रवेश पर प्रतिबंध (1919) आदि, घटनाओं का उल्लेख किया गया है।

3. महाशय चुन्नी लाल गुलाटी (1887–1980)

एम. डी. एच. मसाला कंपनी के संस्थापक तथा स्वतंत्रता सेनानी, सियालकोट (वर्तमान में पाकिस्तान)

इनके द्वारा रिकार्ड कराए गए संस्मरणों में सियालकोट में आर्य समाज, सविनय अवज्ञा आंदोलन तथा भारत छोड़ो आन्दोलन से जुड़ी घटनाओं का उल्लेख है।

4. कामरेड रछपाल सिंह (1910–)

मजदूर नेता व स्वतंत्रता सेनानी, मुजफ्फराबाद (अब पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में)

इनके साक्षात्कार में अन्य बातों के अतिरिक्त चेनाब क्लब बम कांड, लायलपुर (1929); नमक सत्याग्रह; नौजवान भारत सभा; आतिशी चक्र केस (1930); सविनय अवज्ञा आंदोलन; द्वितीय लाहौर षड्यंत्र केस (1929); भगत सिंह की शहादत; कराची कांग्रेस (1931); अखिल भारतीय कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी, लाहौर (1938); देवली डिटेंशन कैंप; पिपुल'स वॉर थिअरि; पंजाब मुस्लिम लीग; कम्युनिस्ट पार्टी तथा भारत विभाजन; हरियाणा का गठन; कम्युनिस्ट पार्टी में विभाजन; हिसार में ट्रेड यूनियन; तथा आपातकाल की चर्चा की गई हैं।

5. लक्ष्मी नारायण गांधी (लच्छू राम) (1911–1997)

स्वतंत्रता सेनानी, मुलतान (अब पाकिस्तान में)

इनके साक्षात्कारों में मुख्यतः लाहौर कांग्रेस (1929); श्री मुलतान सेवा समिति; डॉ. पुरुषोत्तम लाल; तथा मुलतान बम कांड (1930) के संस्मरण शामिल हैं।

6. कुमारी जसवंत गुलाटी और अरविंद गुलाटी

राष्ट्रीय कवयित्री व कवि, दिल्ली

इन्होंने अपने साक्षात्कारों में जवाहरलाल नेहरू तथा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णनन से मुलाकात की चर्चा की है।

7. प्रेम किशन खन्ना (1897–1993)

पूर्व सांसद तथा क्रांतिकारी, उत्तर प्रदेश

इन्होंने अपने साक्षात्कार में मुख्यतः दिल्ली होम रुल लीग; अमृतसर कांग्रेस (1919); असहयोग आंदोलन; खिलाफत आंदोलन; नागपुर कांग्रेस (1920); मैनपुरी षड्यंत्र केस (1918); तथा काकोरी डकैती कांड (1925) से सम्बंधित घटनाओं को रिकार्ड कराया हैं।

8. ख्वाजा मुश्ताक इलाही

सैफुद्दीन किचलू के भतीजे

इन्होंने अपने संस्मरणों में मुख्यतः डॉ. सैफुद्दीन किचलू; फतेहवाल हत्या कांड; पंजाब विधानसभा चुनाव (1937); शहीदगंज मस्जिद विवाद; हिंदू-मुस्लिम एकता; तथा एम. ए. जिन्ना और मुसलमान, पर चर्चा की हैं।

9. मोहनलाल मन मोहन आर्य (1917–)

पत्रकार व स्वतंत्रता सेनानी, सिन्ध, शिकारपुर (अब पाकिस्तान में)

इनके साक्षात्कार में अन्य बातों के अतिरिक्त, नमक सत्याग्रह; महात्मा गांधी का शिकारपुर दौरा (1929); कराची कांग्रेस (1931); आर्य समाज; क्वेटा में भूकम्प (1935); सिन्ध में हिन्दू महासभा और वीर सावरकर; शरणार्थियों का पुनर्वास; तथा मोरारजी देसाई पर चर्चा की गई हैं।

10. प्रो. राम कुमार (1917–)

स्वतंत्रता सेनानी, फिरोजपुर (अब पाकिस्तान में)

इन्होंने अपने साक्षात्कार में मुख्यतः आर्य समाज; मोगा में हिंदू–सिख संबंध; टीकाराम सुखन; मुंशी अहमद्दीन; मुबारक सागर तथा सरदार किशन सिंह; पंजाब में समाजवादी पार्टी; तथा समाजवादियों व कम्युनिस्टो पर चर्चा की हैं।

11. आत्माराम गोविंद खेर (1894–1982)

पूर्व विधायक तथा स्वतंत्रता सेनानी, झांसी, उ. प्र.

इन्होंने अपने साक्षात्कार में अन्य बातों के अतिरिक्त, महात्मा गांधी का प्रभाव; झांसी में असहयोग आंदोलन; साईमन कमीशन का बहिष्कार; मदन मोहन मालवीय और मोती लाल नेहरू के विचार; नमक सत्याग्रह; नो-टैक्स प्रचार (1932); कांग्रेस तथा द्वितीय विश्वयुद्ध; अंतरिम सरकार (1946); एम. ए. जिन्ना और पाकिस्तान; तथा साम्प्रदायिक दंगो (1947); पर अपने संस्मरण रिकार्ड कराएँ हैं।

12. नामगिरि अम्माल (1906–1996)

चक्रवर्ती राजागोपालाचारी की सुपुत्री, सलेम, तमिलनाडू

इन्होंने अपने पिता सी. राजागोपालाचारी से संबंधित संस्मरण रिकार्ड कराएं हैं, जिनमें मुख्य विषय हैं : महात्मा गांधी का प्रभाव; असहयोग आंदोलन; वेलोर सेंट्रल जेल में जेल-जीवन; तिरुच्चंगोड़ आश्रम; महात्मा गांधी द्वारा अनशन (1932); मद्रास प्रेसीडेंसी के प्रीमियर (1937); पश्चिम बंगाल के राज्यपाल (1947–48), भारत के गर्वनर जनरल (1948–50), तथा मद्रास के मुख्यमंत्री (1952–54), के रुप में कार्य।

13. डॉ मुल्क राज आनंद (1905–2004)

अंग्रेजी में भारतीय लेखन में शीर्ष लेखक, पेशावर (अब पाकिस्तान में)

इन्होंने अपने संस्मरणों में मुख्यतः खालसा कॉलेज, अमृतसर, में एनी बीसेंट का दौरा (1924); गुरुनानक के उपदेश; मोहम्मद मार्माडयूक

पिक्थॉल, एस. ए. ब्रेलवी तथा बी. जी. हॉर्निमैन; मोहम्मद इकबाल की पुस्तक *दि सीक्रेट्स ऑफ दि सेल्फ;* ब्लूम्सबरी ग्रुप तथा इंडिया लीग, लंदन; एड्वर्ड गारनेट व इ. एम. फॉस्टर; महात्मा गांधी तथा जवाहरलाल नेहरू से मुलाकात; नेशनल बुक ट्रस्ट; तथा इंदिरा गांधी व बांग्लादेश युद्ध (1971), आदि विषयों पर रिकॉर्ड कराया है।

14. कर्नल राजा मुहम्मद अर्शद (1915–)

कर्नल, आई. एन. ए., लाहौर (अब पाकिस्तान में)

इन्होंने अपने संस्मरणों में अन्य विषयों के अतिरिक्त जनरल मोहन सिंह तथा प्रथम आई. एन. ए. (1942); रास बिहारी बोस तथा नेताजी सुभाषचन्द्र बोस; रानी झांसी रेजीमेंट; फ्री इंडियन लीजॅन (1942); सुभाष ब्रिगेड और गांधी ब्रिगेड; तथा इम्फाल अभियान के बारे में चर्चा की है।

15. विनायक नीलकंठ भोसले (1930–)

स्वतंत्रता सेनानी, टीपवाड़ी, गोआ

इन्होंने अपने प्रतिलेख मे मुख्यतः गोआ में डॉ. राममनोहर लोहिया और गोआ सत्याग्रह (1946), मुंबई में गोआ मुक्ति आंदोलन; मुंबई में भारतीय कॉन्स्यूलेट तथा वी. एच. कोयॅल्हो; गोआ मुक्ति आंदोलन और भारत सरकार; आजाद गोमंतक दल, गोअन नेशनल कांग्रेस; और पुर्तगाली तथा भारतीय सेना के बारे में चर्चा की है।

16. गीता बिस्वास (1922–)

शरतचन्द्र बोस की पुत्री तथा सुभाषचन्द्र बोस की भतीजी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

इन्होंने अपने साक्षात्कार में मुख्यतः अपने पिता शरतचन्द्र बोस और चाचा सुभाषचन्द्र बोस पर रिकार्ड कराया है। उसके अतिरिक्त इन्होंने कलकत्ता कांग्रेस (1928); चिटागांव आरमॅरि रेड केस (1930); बंगाल में संयुक्त सरकार (1937); सोशलिस्ट रिपब्लिकन पार्टी (1949); सविनय अवज्ञा आंदोलन (1932); त्रिपुरी कांग्रेस (1939), सुभाषचन्द्र

बोस और महात्मा गांधी; ऑल इंडिया फार्वर्ड ब्लाक (1939); लेफ्ट कंसॉलिडेशन कमेटी (1939); ऑल इंडिया एंटि–कॉम्प्रमाइज कान्फ्रेंस, रामगढ़ (1940); सुभाषचन्द्र बोस द्वारा पलायन (1941); तथा सुभाषचन्द्र बोस की मृत्यु पर चर्चा की है।

17. रंजीत कुमार बोस (1915–)

सुभाषचन्द्र बोस के भतीजे, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

इन्होंने अपने साक्षात्कार में सुभाषचन्द्र बोस का इलाहाबाद एवं लाहौर दौरा; जवाहरलाल नेहरू और सर तेज बहादुर सप्रू; सुभाषचन्द्र बोस का प्रेसीडेंसी जेल में जेल-जीवन (1940–41); तथा सुभाषचन्द्र बोस से जेल में मुलाकात आदि से सम्बंधित संस्मरण रिकार्ड कराएं हैं।

18. हरिभाऊ लिमये (1926–2017)

वकील और सामाजिक कार्यकर्त्ता, पुणे, महाराष्ट्र

इनके संस्मरण में पुणे में भारत छोड़ो आंदोलन; नीरूभाऊ लिमये; यरवदा कैम्प जेल; दक्कन जिमखाना; श्रीभाऊ लिमये तथा ''डिस्ट्रक्शन स्क्वॉड''; खादकी कैंटोनमेंट; बापू साल्वे तथा मिलिटरी स्कूल, नासिक; अच्युत पटवर्धन; और कैपिटल बम्ब केस (1943) शामिल हैं।

19. डॉ. शारदा नायक (1932–)

ए. वी. पाई की सुपुत्री, चेन्नई, तमिलनाडू

इन्होंने अपने संस्मरणों में अन्य विषयों के अतिरिक्त, अपने नाना, डॉ. एम. केशव पाई तथा पिता, ए. वी. पाई, जवाहरलाल नेहरू के पहले मुख्य निजी सचिव (1948); इंडिया गेट, दिल्ली, पर स्वतंत्रता दिवस समारोह (1947); 'खैराती' अस्पताल और दिल्ली में शरणार्थी; लेडी एलीनोर रूज़वेल्ट का दिल्ली दौरा (1952); सरोजनी नायडू तथा पंडित गोविन्द बल्लभ पंत; एजुकेशन रिसोर्स सेंटर ट्रस्ट (1972); तथा भारतीय शिक्षा प्रणाली के बारे में रिकार्ड कराया हैं।

20. माधव जनार्दन कनेतकर (1898–)

स्वतंत्रता सेनानी, नागपुर, महाराष्ट्र

इन्होंने अपने साक्षात्कार में नागपुर में असहयोग आंदोलन; महात्मा गांधी और दक्षिण अफ्रीका; असहयोग आश्रम; जलियांवाला बाग काण्ड (1919); डॉ. बी. एस. मुंजे; मुलशीपेठा सत्याग्रह (1921–23); नागपुर प्रान्तीय कांग्रेस (1920); अहमदाबाद कांग्रेस, (1921); सविनय अवज्ञा आंदोलन; दिल्ली कांग्रेस (1932); *तरुण भारत;* बैरिस्टर एम. वी. अभ्यंकर एवं डॉ. एन. बी. खरे; सैन्ट्रल प्रोविंसिस और बेरार में मराठी-हिन्दी विवाद (1938); *नागपुर टाइम्स;* तथा भारत छोड़ो आंदोलन पर अपने संस्मरण रिकॉर्ड कराए हैं।

21. रामरॉव कृष्णरॉव पाटिल (1907–2007)

सिविल सर्वेंट, नागपुर

इन्होंने अपने संस्मरणों में, अन्य बातों के अतिरिक्त, निम्न विषयों पर रिकॉर्ड कराया हैः बी. जी. तिलक; चीरोल केस (1919); नागपुर कांग्रेस (1920); विदर्भ में असहयोग आंदोलन; डॉ. बी. एस. मुंजे तथा बैरिस्टर एम. वी. अभ्यंकर; तिलक महाविद्यालय, पुणे; इग्लैंड में आई. सी. एस. का प्रशिक्षण; राष्ट्रीय आंदोलन तथा आई. सी. एस.; यूनियन क्लब तथा छत्तीसगढ़ क्लब, रायपुर; डॉ. खरे प्रकरण (1937); तथा मुख्यमंत्री रवि शंकर शुक्ल।

22. बालचन्द्र त्रिम्बक राणदिवे (1904–1990)

कम्युनिस्ट नेता, मुंबई (महाराष्ट्र)

इन्होंने अपने साक्षात्कार में असहयोग आंदोलन; बबंई टैक्स्टाइल मिल की हड़ताल तथा गिरनी कामगार संघ (1929); सी. पी. आई. का गठन; कम्युनिस्ट इंटरनेशनल; डोमिनियन स्टेट्स और पूर्ण स्वराज्य; ट्रेड यूनियन की एकता; बोल्शेविक पार्टी; गांधी-इर्विन समझौता (1931); सी. पी. आई. तथा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस; अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस का विघटन; जनरल टैक्स्टाइल हड़ताल (1934);

सी. पी. आई. तथा कांग्रेस समाजवादी पार्टी; तथा सी. पी. आई. एवं त्रिपुरी कांग्रेस (1939) पर अपने संस्मरण रिकार्ड कराएं हैं।

23. कपिल देव ठाकुर (1922–)

पूर्व विधायक, बिहार असेंबली तथा स्वतंत्रता सेनानी, दरभंगा, बिहार

इन्होंने अपने प्रतिलेख में मुख्य रुप से जाले पुलिस स्टेशन क्षेत्र की गतिविधियां; बिहार विधानसभा के चुनाव (1937); चरखा संघ; बिहार खादी ग्रामोद्योग का सैंट्रल स्टोर, मधुबनी; किसान सभा, चरखा संघ तथा स्वामी सहजानंद; व्यक्तिगत सत्याग्रह (1940); भारत छोड़ो आंदोलन; तथा जाले पुलिस स्टेशन पर अधिपत्य (18–28 अगस्त 1942), से संबंधित संस्मरण रिकार्ड कराएं हैं।

24. सूरज भान मित्तल (1919–)

स्वतंत्रता सेनानी, रोहतक, हरियाणा

इन्होंने अपने प्रतिलेख में अन्य विषयों के अतिरिक्त जिन विषयों पर चर्चा की है, वे हैं: आर्यसमाज; पटौदी प्रजामंडल (1938); नवाब इफ्तिखार अली खान; पटौदी स्टेट जेल में जेल-जीवन; सरदार वल्लभभाई पटेल तथा गुड़गांव में पटौदी राज्य का विलय; गुड़गांव म्यूनिसिपल कमेटी; तथा हरियाणा राज्य का गठन (1966)।

25. हबीबुर रहमान खान गाज़ी काबुली (1885–1988)

स्वतंत्रता सेनानी, देरगी, अफगानिस्तान

इन्होंने अपने संस्मरणों में अफगानिस्तान के देरगी और खोस्त के इतिहास; राजा महेन्द्र प्रताप की अस्थायी सरकार; खान अब्दुल गफ्फार खॉन; मेडू राज्य में आर्यसमाज; *वीर प्रताप* के महाशय कृष्ण; कदियान-अहरार और मौलाना मज़हर अली; तथा सविनय अवज्ञा आंदोलन (1932) पर रिकार्ड कराया हैं।

26. डॉ ब्रह्मदेव शर्मा (1931–)

कुलपति, नार्थ इस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग तथा सिविल सर्वेंट, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश

इन्होंने अन्य विषयों के अतिरिक्त गांधी के सिद्धांतो; गणित और अनुसंधान में रूचि; तथा आई. ए. एस. के इंटरव्यू और प्रशिक्षण जैसे विषयों पर अपने संस्मरण रिकॉर्ड कराएँ हैं।

27. सोम दत्त वेदालंकार (1913–2003)

स्वतंत्रता सेनानी तथा रचनात्मक कार्यकर्ता, क्वेटा (अब पाकिस्तान में)

इन्होंने अन्य विषयों के अतिरिक्त, गुरुकुल इन्द्रप्रस्थ, दिल्ली; आर्य समाज; स्वामी श्रद्धानंद और स्वामी राम देव; गुरुकुल कांगड़ी; महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल का इन्द्रप्रस्थ गुरुकुल, दिल्ली, का दौरा (1929); नमक सत्याग्रह; सविनय अवज्ञा आंदोलन (1932); गांधी आश्रम, मेरठ; अखिल भारतीय चरखा संघ (1939); भारत छोड़ो आंदोलन; विनोवा भावे एवं जयप्रकाश नारायण; खादी आश्रम, पानीपत; तथा खादी ग्रामोद्योग कमीशन (1956), जैसे विषयों पर चर्चा की है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान एकक द्वारा श्री सत्य मूर्ति धीमान और श्री गुरुदयाल सिंह के साक्षात्कारों की प्रतिलिपि अनुमोदन हेतु साक्षात्कारित व्यक्तियों को भेज दिए गए है।

आधुनिकीकरण परियोजना के तहत् मौखिक इतिहास प्रभाग के अभिलेखीय सामग्री के डिजिटलीकरण का कार्य प्रगति पर है।

शोध एवं प्रकाशन प्रभाग

राजाजी परियोजना

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय द्वारा इसके अपने अभिलेखागार में उपलब्ध प्रतिष्ठित व्यक्तियों के मूल दस्तावेजों को सिलेक्टिड वर्क्स के रुप में प्रकाशित किया जाता है। वर्तमान में सी. राजागोपालाचारी के सिलेक्टिड वर्क्स पर कार्य किया जा रहा है। वर्ष 2013 और 2014 में

इसके दो खण्ड निकाले जा चुके हैं।

- *सिलेक्टिड वर्क्स ऑफ सी. राजागोपालाचारी* (1923–1925) के तृतीय खण्ड का प्रकाशन अक्टूबर 2015 में किया गया।
- *सिलेक्टिड वर्क्स ऑफ सी. राजागोपालाचारी* (1926–1930) के चतुर्थ खण्ड की 614 पृष्ठों की पाण्डुलिपि को अंतिम रूप देने के बाद प्रेस में दिया गया है।
- *सिलेक्टिड वर्क्स ऑफ सी. राजागोपालाचारी* (1931–1933) के पांचवे खण्ड पर कार्य जारी है।

अगले खण्डों पर कार्यप्रगति

1. अगले खण्ड के प्रकाशन के लिए *हिन्दु* से एकत्रित की गई सामग्री की वर्षवार छटाई (1935–1939) की गई और चुने गए दस्तावेजों का टंकण किया गया। इन दस्तावेजो का मिलान किया गया और इनके लिए टिप्पणी भी तैयार किए गए।
2. व्यक्तिगत संग्रहो तथा मद्रास विधानसभा की बहसों की वर्ष 1934–1939 तक की सामग्री टंकित की जा चुकी है।

समसामयिक अध्ययन केन्द्र

अपने अस्तित्व के 26वें वर्ष में नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय की समसामयिक अध्ययन केन्द्र एक प्रोन्नत अनुसंधान गतिविधि केन्द्र के रुप में विकसित हो चुका है। संस्था के फेलोशिप कार्यक्रम के तहत् उक्त अवधि में 35 फेलोज़ ने कार्यभार ग्रहण किया एवं अपने शोध कार्यक्रमों में उल्लेखनीय प्रगति की। इनके नाम और परियोजनाओं के शीर्षक नीचे दिए गए हैं :

	फेलो	शोध परियोजना का शीर्षक
1	प्रो. ए. आर. वासवी	“फ़ोर एमब्लिमैटिक फ़िगर्स इन दि मेकिंग ऑफ ए ‘न्यू इंडिया’”
2	श्री अनिल कुमार नौरिया	“लीगल इश्यूज़ इन दि फ्रीडम मूवमेंट : ए प्रपोज़ल फॉर स्टडी”

3	प्रो. पार्थ एस. घोष	"मेकिंग सेंस ऑफ दि पापुलेशन मूवमेंट्स इन साउथ एशिया"
4	प्रो. आर. नंदकुमार	"एस्थेटिक्स ऐण्ड कल्चरल फार्मेशन"
5	प्रो. इलिना सेन	"जेंडर अर्टिकुलेशन इन सोशल ऐण्ड डेमोक्रेटिक मूवमेंट्स इन इंडिया : हिस्ट्री, इश्यूज़ ऐण्ड लर्निंग"
6	प्रो. विजया रामास्वामी	"नीलांबिकाइ अम्मयार : प्रोफाइल ऑफ ए मार्जिनल प्लेयर– जेंडर आइडेंटिटी ऐण्ड लैंग्विज पॉलिटिक्स इन कॅलोनियल तमिलनाडू"
7	प्रो. उदय कुमार	"हिस्ट्री, आइडेंटिटी, स्पेशियालिटी : न्यू इडियम्स ऑफ वर्नाक्यूलर सोशल थॉट इन अर्ली ट्वेंटियथ सेंचुरी केरला"
8	प्रो. सजल नाग	"दि इंटरवेंशन ऑफ गॉडेस : मिशनरीज़, कलोनियल स्टेट ऐण्ड ह्यूमैनिटेरियन पॉलिटिक्स इन ब्रिटिश नार्थ–ईस्ट इंडिया"
9	प्रो. कुमकुम रॉय	"विमेन, मेन ऐण्ड अदर्स इन दि क्लास ऐण्ड इन दि पास्ट : दि चैलेंजिस ऑफ मैनस्ट्रीमिंग जेंडर इन हिस्ट्री"
10	प्रो. राधिका सिंहा	"पुटिंग इंडिया इन दि ग्रेट वार (1914–1918)"
11	डॉ. देवेश विजय	"डीलिंग विद दि स्टेट : ए स्टडी ऑफ इंटरफेसेस बिटवीन लेबर ऐण्ड अथॉरिटीज़ इन ए स्लम ऐण्ड ए विलेज नियर दिल्ली"
12	डॉ. आरती कालरा	"लोकेटिंग वैल्यू : ग्लोबलाइज़ेशन, जी. आई. ऐण्ड दि कांचीपुरम साड़ी"

13	डॉ. राखी कलिता मोरल	"विमेन, इंसरजेंसि ऐण्ड दि मिथ ऑफ पॉवर : दि केस ऑफ उल्फा"
14	डॉ. हिमांशु प्रसाद रॉय	"सलवा जुदुम : एन ऑल्टरनेटिव ट्राइबल पेज़न्ट मूवमेंट"
15	डॉ. इंदिरा चक्रवर्ती	"मेडिकल टेक्नॉलजि ऐण्ड 'हेल्थकेयर इंडस्ट्री' इन इंडिया : लैंडस्केप, इंटरसेक्शंस ऐण्ड कॉन्सिक्वेंसिज़ फॉर पब्लिक हेल्थ"
16	डॉ. अंशु मल्होत्रा	"रिलीजियस कल्चर्स ऑफ पंजाब इन नाइनटींथ सेंचुरी : पिरो ऐण्ड दि गुलाबदासी सेक्ट"
17	डॉ. रश्मि पंत	"फैमिली, लॉ ऐण्ड जेंडर इन कलोनियल कुमांऊ"
18	डॉ. मनीषा सेठी	"फीमेल सब्जेक्टिविटि ऐण्ड एजेंसी : दि केस ऑफ जैन विमेन रिनांउंसर्स"
19	डॉ. मालविका कस्तुरी	"क्राफ्टिंग हिंदू पब्लिक्स : दि सनातन धर्म सभा मूवमेंट, सेक्रेड स्पेस, रिचुअल ऐण्ड कास्ट रिफॉर्म इन दि टवेंटियथ सेंचुरी इंडिया"
20	डॉ. वसुधा पाण्डे	"राइटिंग इन्वायरमेंटल हिस्ट्रीज़ ऑफ उत्तराखण्ड सी. 2000 बी.सी.ई – 2000 ए.सी.ई."
21	डॉ. दीप्ति प्रिया मेहरोत्रा	"स्पैकट्रम ऑफ रेज़िसटेंट : फेमिनिज़्म ऐण्ड सोशल मूवमेंटस इन पोस्ट-इमेरजेंसी दिल्ली"
22	डॉ. एल. आर. एस. लक्ष्मी	"ए कम्पैरिटिव स्टडी ऑफ मुस्लिम कम्यूनिटीज़ इन थ्री रीजंस"

23	डॉ. जीनू ज़कारिया ओमेन	"इंटरनेशल माइग्रेशन ऐण्ड न्यू डायमेंशंस ऑफ रिलीजन : अंडरस्टैंडिंग सोशल ट्रांसफॉरमेशन इन दि सिविल सोसाइटी ऑफ केरला''
24	डॉ. परिमला वी. राव	"पुअर स्टूडेंटस ऐण्ड पुअरर टीचर्स : स्टेट एक्सपेरिमेंट्स इन एजुकेशन इन इंडिया ऐण्ड इंग्लैण्ड, 1835–1935''
25	डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा	"भारतीय रेल श्रमिक संगठनों की संरचना एवं प्रक्रिया पर उदारीकरण का प्रभाव''
26	डॉ. अनुराधा कल्हान सिदि्दकी	"ह्यूमन, सोशल ऐण्ड फिज़िकल कैपिटल फॉरमेशन इन अर्बन इन्फॉरमल सेक्टर इम्पलॉयमेंट : इन दि कन्टेक्सट् ऑफ बैंक एस. एच. जी. लिकेंज ऐण्ड दि पॉसिबिलीटीज़ फॉर इंक्लूसिव ग्रोथ''
27	डॉ. कमल नयन चौबे	"लॉ एज़ ए साइट ऑफ कंटेस्टेशन बिटवीन स्टेट ऐण्ड दि मार्जिन्स : ए कम्पैरिटिव स्टडी ऑफ दि एक्सपीरिअंसेंस ऑफ टू 'प्रोग्रेसिव लॉज़' (पी.ई.एस.ए. ऐण्ड एफ.आर.ए.)''
28	डॉ. वेणुगोपाल मद्दीपती	"सेल्फसेम स्पेसिज़ : गांधी, आर्किटेक्चर ऐण्ड ऐल्यूशंस इन ट्वेंटियथ सेंचुरी इण्डिया''
29	डॉ. नरेन्द्र शुक्ल	"औपनिवेशिक उत्तर–भारत (पंजाब, दिल्ली, बिहार, मध्यप्रांत) में प्रतिबंधित साहित्य (1907–1935)''
30	सुश्री वृंदा ग्रोवर	"दि इवोल्विंग जूरिसप्रूडेंस ऑफ मास क्राइम इन इंडिया : ए लीगल हिस्ट्री''

31	डॉ. तनुजा कोठियाल	"बिटवीन हिस्ट्री ऐण्ड हरसे : मीडिवीअ्ल नरेटिव्स, ट्रेडिशंस ऐण्ड अर्ली मॉडर्न कंस्ट्रकशन ऑफ राजपूत पास्ट"
32	डॉ. विजय रामदास मंडला	"लॉस्ट वर्ल्डस : हंटिंग दि वाइल्ड लाइफ कंज़रवेशन इन क्लोनियल इंडिया"
33	डॉ. धनंजय सिंह	"प्रवसन-चक्र में देश–प्रदेश : लोक संस्कृति के बदलते आयाम"
34	डॉ. शैली पाण्डेय	"एथ्नोग्राफी ऑफ काबुलीज इन डेल्ही : लोकेटिंग कल्चरल ऐण्ड जेंडरड प्रैक्टिस ऑफ अफगान रिफ्यूजीस"
35	डॉ. शाद नावेद	"पब्लिक मेकिंग : विमेन्स पोएटिक इन उर्दू ऐण्ड इटस मीलिअस"

उपर्युक्त शोधार्थियों के अतिरिक्त हमारी संस्था ने दो ऐसे फेलोज़ को भी सहबद्धता दी है जिन्हें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद् जैसी संस्थाओं से फेलोशिप प्राप्त हुई है।

पर्यावरण, विज्ञान तथा समाज आदि जैसे सामयिक मुद्दों पर विद्वत समुदाय का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से समसामयिक अध्ययन केन्द्र द्वारा वर्ष 2014–15 में "इंडिया ऐण्ड दि वाइडर वर्ल्ड", "सिटीज इन हिस्ट्री", "इंडिया इन ट्रांज़िशन", "साइंस, सोसाइटी ऐण्ड नेचर" तथा "समाज एवं इतिहास" जैसे बहुत से विशेष सार्वजनिक व्याख्यान प्रस्तुत किए। इसके अतिरिक्त केन्द्र द्वारा "कल्चर्स, ट्रेडिशंस ऐण्ड कंटम्पोरेरि लाइफ", "रीजनल हिस्ट्री ऐण्ड कल्चर" तथा "समाज, विज्ञान और विकास" नामक व्याख्यानों की नई श्रृंखला शुरू की गई।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, समसामयिक अध्ययन केन्द्र द्वारा निम्न संगोष्ठियों, सार्वजनिक व्याख्यानों, पैनल परिचर्चा, कार्यशालाओं, सम्मेलनों, विशेष सार्वजनिक व्याख्यानों तथा स्मरणीय बैठकों आदि का आयोजन किया गया।

संगोष्ठियां

संस्था द्वारा निम्न साप्ताहिक संगोष्ठियों का आयोजन किया गया।

- 'क्लोनियल टेक्नोलॉजीज ऑफ विज़न : फोर ऐक्ट्स ऑफ सीईंग'—डॉ. निहारिका दिनकर, बाइस स्टेट यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए., 7 अप्रैल, 2015।
- 'हिंदी फिल्मस ऐण्ड दि नेशनल मूवमेंट 1912—1947'—डॉ. मनोज शर्मा, किरोड़ी मल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 16 अप्रैल, 2015।
- 'पॉलिटिक्ल साधूज ऐण्ड हिंदू संगठन : इंगेजिंग विद् दि गोरखपुर मठ'—डॉ. मालविका कस्तूरी, फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, 21 अप्रैल, 2015।
- *'जंतर मंतर वेधशालाएं : कुछ आंकड़ो का एहसास'*—डॉ. एन. रत्नाश्री, निदेशक, नेहरू तारामण्डल, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, 22 अप्रैल, 2015।
- 'टूवर्डस एन इथनोग्राफी ऑफ दि क्लासरूम'—प्रो. कुमकुम राय, फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, 28 अप्रैल, 2015।
- 'नार्थ इस्टर्न काउंसिल—ए स्टेटुटोरि इंस्टिट्यूशन : इट्स रोल ऐण्ड रेलेवेंस टुडे'—श्री गौतम सेन, इंडियन डिफेंस अकाउंट्स सर्विसिज़, नई दिल्ली, 1 मई, 2015।
- 'कास्ट कॉंशियसनेस ऐण्ड पॉलिटिक्स ऑफ मोबीलाइज़ेशन इन बिहार ड्यूरिंग दि 1920 ऐण्ड 1930'—डॉ. राजेश कुमार, मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सायंकालीन), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 5 मई, 2015।
- टॉकिंग अबाउट मैडनेस : दि लॉस्ट चैप्टर फ्रॉम डेल्हीज़ पास्ट'—डॉ. शिल्पी राजपाल, स्वतंत्र शोधार्थी, नई दिल्ली, 6 मई, 2015।
- 'ऐस्पेक्टस ऑफ डेमोक्रेटिक फेमिनिस्ट सोशल मूवमेंटस इन डेल्ही : 1970 से 1980'—डॉ. दीप्ति प्रिया मेहरोत्रा, फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, 12 मई, 2015।
- 'ए डेल्युज ऑफ आइडेंटिटी डाक्यूमेंट्स : अप्लाइंग फॉर राशन इन

वॉरटाइम दिल्ली'—डॉ. तरंगिनी श्रीरमन, गार्गी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 19 मई, 2015।

- 'जवाहरलाल नेहरू'ज इंटरिम गवर्नमेंट, 1946—47 : एन एल्टरनेटिव हिस्टॉरिकल असेसमेंट'—डॉ. राकेश अंकित, साउथैम्पटन विश्वविद्यालय, यू.के., 21 मई, 2015।
- 'यूनिवर्सलिज़्म ऐण्ड पार्टिशन : ए क्वीअर थिअॅरी'—प्रो. माधवी मेनन, अशोका विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 26 मई, 2015।
- दि रिटोरिक ऑफ वॉयलेंस, पॉपुलर नेशनलिज़्म ऐण्ड जुऑरिड्कॅल फोर्स इन क्लोनियल इंडिया, 1906—1914'—डॉ. सुकेशी कामरा, कारलेटन विश्वविद्यालय, ओटावा, कनाडा, 29 मई, 2015।
- 'डीबेटिंग ट्राईब ऐण्ड नेशन : हट्टन, ठक्कर, अम्बेडकर ऐण्ड एलविन, 1920—1964'—श्री सागर तिवारी, स्वतंत्र शोधार्थी, नई दिल्ली, 9 जून, 2015।
- 'स्ट्राइक ब्रेकिंग ऑर दि रिफ्यूजल ऑफ सबाल्टर्निटी ? एन एस्से ऑन इथनिसिटी, क्लास और जेंडर इन छोटा नागपुर'—डॉ. दिलीप सिमिऑन, पूर्व फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, 16 जून, 2015।
- 'टूवर्डस ए फेमिनिस्ट अंडरस्टैंडिंग ऑफ वीमेन, स्टेट, ऐण्ड पैट्रिआर्की इन दि न्यू मिलेनियम'—प्रो. इलीना सेन, फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, 29 जून, 2015।
- 'पॉवर्टी ऐण्ड प्राइवेशन : ट्रेन्ड्स ओवर ए क्वार्टर सेंचुरी इन ए विलेज ऐण्ड ए स्लम नियर दिल्ली'—डॉ. देवेश विजय, फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, 1 जुलाई, 2015।
- 'दि रूटस ऑफ सिटीजन वेल—बीइंग इन इंडिया'—डॉ. राहुल मुखर्जी, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर, सिंगापुर, 2 जुलाई, 2015।
- 'वेन ए कलोनियल रोड टुक ए गॉडली राउंडअबाउट : रीविज़िटिंग दि मछली बाजार एपिसोड, कानपुर, 1907—1913'—डॉ. सौम्या गुप्ता, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 14 जुलाई, 2015।

- 'इम्पिरीअल क्रॉस-कनेक्शंस : कैपिटल इंट्रेस्ट ऐण्ड ब्यूरोक्रेटिक डिस्कोर्स ओवर दि इस्टैबलिस्मेंट ऑफ टेलीफोन बिज़नेस इन कलोनियल इंडिया'–डॉ. मेघा सक्सेना, स्वतंत्र शोधार्थी, दिल्ली, 16 जुलाई, 2015।
- 'रीडिंग पास्टोरेलिज़्म इन दि अर्ली मेडीवियल डेकन : हिंट्स ऐण्ड इश्यूज़–' प्रो. अजय दंदेकर, शिव नादर विश्वविद्यालय, नोएडा, 28 जुलाई, 2015।
- कॉपरसेनरस, जीनॉलजीस ऐण्ड मुगल एनसेसट्रल ट्रेडीशंस : फ्रेमिक सॉवरेन अथॉरिटी इन सिक्सटींथ सेंचुरी मुगल इंडिया'–श्री आशुतोष, मैकगिल विश्वविद्यालय, मॉंट्रीयल, कनाडा, 30 जुलाई, 2015।
- 'रीमेम्बरिंग 'ट्राइबल' इंडिया : लैंडस्केप, इथनॉलजि ऐण्ड गवर्नेन्स इन छोटा नागपुर ऐण्ड संथाल परगनाज इन नाइनटींथ सेंचुरि'–डॉ. संजुक्ता दासगुप्ता, सैपीएन्ज़ा विश्वविद्यालय, रोम, इटली, 30 जुलाई, 2015।
- 'दि इंडस ऑफ वॉर : दि रिटर्निंग सोलजर ऐण्ड लेबरर 1914–1921'–प्रो. राधिका सिंघा, फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, 4 अगस्त, 2015।
- 'नोइंग वॉटर : रीलेशनल कैटगरीज़ ऑफ वॉटर एपिसटीमोलॉजी अक्रॉस फ्लडिंग रीवर्स इम्बैंकमेंट्स इन नार्थ बिहार'–सुश्री लुईज़ा कॉर्टेसी, येल विश्वविद्यालय, यू.एस.ए., 5 अगस्त, 2015।
- 'दि डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नॉलजी ऐण्ड दि मेकिंग ऑफ एग्रीक्लचरल बायोटेक्नॉलजी इन इंडिया, 1960–1990'–श्री अनिकेत आगा, येल विश्वविद्यालय, यू.एस.ए., 6 अगस्त, 2015।
- 'पावर्टी ऐण्ड दि क्वेस्ट फॉर लाइफ : स्प्रिचुअल ऐण्ड मैटीरीअल स्ट्राइविंग इन रूरल इंडिया'–डॉ. भृगुपति सिंह, ब्राउन यूनिवर्सिटी, प्रोविडेंस, यू.एस.ए., 11 अगस्त, 2015।
- 'फ्रॉम किरादु टू कुमायुं : आर्किटेक्चरल मोबिलिटी ऐण्ड दि मेकिंग ऑफ इंडिया'–डॉ. नचिकेत चंचानी, मिशिगन विश्वविद्यालय, ऑन अर्बार, यू.एस.ए., 12 अगस्त, 2015।

- 'रिर्पोटिंग टेरेरिज़्म : हॉउ दि इंडियन टेलीविजन न्यूज इंडस्ट्री प्रोफाइल्स दि एनिमी'–डॉ. सबीना किदवई, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, 18 अगस्त, 2015।
- 'दि आर्मस ट्रेड इन दि नार्थ ईस्ट फ्रंटियर ऑफ ब्रिटिश इंडिया'–डॉ. लिपोकमर डीजुविचु, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 25 अगस्त, 2015।
- 'दि फैसिलिटीज़ ऑफ सिटिजनशिप : लेबर, मोबिलिटी, ऐण्ड बिलांगिंग बिटवीन नेपाल ऐण्ड इंडिया'–डॉ. सारा शनेइडरमेन, ब्रिटिश कोलंबिया यूनिवर्सिटी, वैनकूवर, कनाडा, 26 अगस्त, 2015।
- 'रीडिंग बिल्डिंग्स ऐण्ड कल्चरल लैंडस्केप्स ऑफ कोलकाता एज ए सोर्स ऑफ इट्स अर्बन हिस्ट्री'–डॉ. सुकन्या मित्रा, लोरेटो कॉलेज, कोलकाता, 1 सितम्बर, 2015।
- 'लैंग्विज़ नेशन ऐण्ड दि इमेजनरी ऑफ मिथिला आईडेंटिटी'–डॉ. मिथिलेश कुमार झा, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 8 सितम्बर, 2015।
- 'डोमेस्टिक स्पेसेज इन एंटिक्विटी'–प्रो. जया मेनन, शिव नादर विश्वविद्यालय, नोएडा, 15 सितम्बर, 2015।
- 'डिप्लोमेसी एज़ परफॉरमेंस : स्टाइलिस्टिक वेरिएशंस एट दि बांदुंग कॉन्फ्रेंस ऑफ 1955'–प्रो. नाउको शीमाजु बरबेक कॉलेज, लंदन, यू. के., 17 सितम्बर, 2015।
- 'बियॉन्ड आइडियलिज्म ऐण्ड रीअलिज़्म : नेहरू गांधी ऐण्ड दि मेकिंग ऑफ इंडियन फॉरेन पॉलिसी'–डॉ. द्वीप के. दत्ता रे, ओ. पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत, 18 सितम्बर, 2015।
- 'रिरीडिंग अरबिन्दोज़ *काराकहानी* : नरेटिंग सेक्रेड सेल्वस ऐण्ड दि पॉलिटिक्स ऑफ दि प्रिज़न सेल'–श्री एलक्स वोल्फर्स, केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, यू.के., 24 सितम्बर, 2015।
- 'दि हिस्ट्री ऑफ *राय* : पर्सियन, इंडियन ऐण्ड इंग्लिश एलिमेंट्स इन दि मेकिंग ऑफ दि इंडिजेनस टाइटिल, ई. पू. 100–2500 ई.पू.'–डॉ. विकास राठी, अरिज़ोना विश्वविद्यालय, यू.एस.ए., 28 सितम्बर, 2015।

- *'विश्व में हिंदी का प्रसार एवं महत्व'*—डॉ. सुरेश ऋतुपर्ण, के. के. बिड़ला फाउंडेशन, नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2015।
- 'रीअसेंबलिंग फिल्म हिस्ट्री : दि नॉन फिक्शन आरकाईव इन कलोनियल ऐण्ड अर्ली इंडिपेंडेंट इंडिया'—प्रो. रवि वासुदेवन, सेंटर फॉर दि स्टडी ऑफ डिवेलपिंग सोसाइटीज़, दिल्ली, 29 सितम्बर, 2015।
- 'दि मीराज ऑफ जस्टिस : रीडिंग दि जजमेंटस ऑफ दि फास्ट ट्रेक कोट्र्स इन कंधमाल, उड़ीसा, आन दि कम्यूनल कांफ्लिक्ट ऑफ 2008'—सुश्री वृंदा ग्रोवर, फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, 30 सितम्बर, 2015।
- 'ए 'मुगल' राजपूत ऑर ए 'राजपूत' मुगल : रिफ्लेक्शंस ऑन राजपूत—मुगल रिलेशनशिप इन फ्रंटियर्स ऑफ दि थार'—डॉ. तनुजा कोठियाल, फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, 6 अक्टूबर, 2015।
- 'राधाभाई सुब्बारयन बनाम दि ऑल इंडिया वीमेनस कॉनफ्रेंस : बैटलस ओवर वीमेनस फ्रेंचाइस इन दि 1930ज'—डॉ. सुमिता मुखर्जी, किंग्स कॉलेज, लंदन, यू. के., 9 अक्टूबर, 2015।
- 'फ्रॉम हाइअॅराकी टू हिन्दु पोलाइटनेस : वाइ सिविलिटी मैटर्स इन दि स्टडी ऑफ दलित पॉलिटिक्स'—डॉ. सूर्यकांत वाघमोर, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसिज़, मुम्बई, 13 अक्टूबर, 2015।
- *'बर्फीलें पर्वतों के राजदूत : हिम तेंदुए'*—डॉ. कौस्तुभ शर्मा, स्नो लेपर्ड ट्रस्ट, नई दिल्ली, 16 अक्टूबर, 2015।
- 'कास्ट(ई) इन लैदर : सम सेनसुअस नोट्स फ्रॉम उत्तर प्रदेश'—सुश्री शिवानी कपूर, डॉक्टरल छात्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 27 अक्टूबर, 2015।
- 'नेगोशिएटिंग सुवर्निटी इन कोर्टली स्पेसिज़ : नूरजहाँ ऐण्ड हर फैमिली इन जखीरात—उल—ख्वानीन ऐण्ड मैसर—उल—उमर'—सुश्री शिवांगिनी टंडन, दिल्ली विश्वविद्यालय, 3 नवम्बर, 2015।

- 'हॉउ दि पैराडाइज वाज़ मेड : कश्मीर एज़ ए लैंडस्केप ऑफ मुगल इमैजिनेशन'–डॉ. अनुभूति मौर्य, भारती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 17 अक्टूबर, 2015।
- 'सोनिक एम्पिलीफिकेशन ऐण्ड लाइव म्यूजिक : मल्टीप्लिसिटीज़ ऑफ ए साउंड आरकाईव'–डॉ. शिखा झिंगन, लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर वीमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 18 अक्टूबर, 2015।
- 'दि कासरगॉड मुस्लिम्स इन कलोनियल पीरियड'–डॉ. एल.आर.एस. लक्ष्मी, फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, 1 दिसम्बर, 2015।

सार्वजनिक व्याख्यान

- 'कामरेडस एट दि क्रॉसरोड्स : जवाहरलाल ऐण्ड सुभाष'–प्रो. रूद्रांशु मुखर्जी, अशोका विश्वविद्यालय, सोनीपत, 15 अप्रैल 2015।
- 'दि फर्स्ट वर्ल्ड वॉर ऐण्ड इट्स इम्पैक्ट ऑन यूरोप ऐण्ड वर्ल्ड–प्रो. मारगेर्ट मैकमिलन ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, यू. के., डेलीगेशन ऑफ यूरोपियन यूनियन टू इंडिया के सहयोग से, 20 अप्रैल 2015।
- 'तमिल वीमेन इन गांधी' सत्याग्रह इन साउथ अफ्रीका : सैलवेजिंग थिल्लईयडी वल्लीयामयी फ्रॉम दि मार्जिनस ऑफ हिस्ट्री'–प्रो. विजया रामास्वामी, पूर्व फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, 1 अक्टूबर 2015।
- 'जूरिसप्यूडेंस ऐण्ड पॉलसि पाराडाइम्स सच एज इको-सेंसटिव ज़ोन्स : ए फ्यू टेक्स फ्रॉम दि काज़ीरंगा नेशनल पार्क'–डॉ एम. के. यादव, काज़ीरंगा नेशनल पार्क, असम, 19 अक्टूबर 2015।
- 'दि इम्पॉवरमेंट ऑफ वीमेन : रोल ऑफ रानी गाइदिनल्यू'–डॉ. वी. पी. सिंह, पूर्व राज्यपाल, सिक्किम, 5 नवम्बर 2015।
- 'री-विजिटिंग पंजाब लाला लाजपत राय ऐण्ड नेशनलिज्म'–प्रो. कपिल कुमार, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 30 दिसम्बर 2015।

- 'फर्स्ट वॉर ऑफ इंडिपेंडेंस ऐण्ड इंडियन नेशन'–प्रो. मख्खन लाल, दिल्ली इंस्टिट्यूट ऑफ हेरिटेज रिसर्च ऐण्ड मैनेजमेंट, नई दिल्ली, 16 फरवरी 2015।
- 'कंस्ट्रक्शन ऑफ 'मेवाड़ लीगेसी' : महाराणा प्रताप' कॉनफ्लिक्ट अगेन्स्ट दि मुगलस'–प्रो. जी. एस. एल. देवड़ा, पूर्व कलपति, वर्धमान महावीर मुक्त विश्वविद्यालय, कोटा, 4 मार्च 2016।

विशेष सार्वजनिक व्याख्यान

"इंडिया ऐण्ड दि वाईडर वर्ल्ड"

- 'इंडिया-पाकिस्तान बाइलेट्रल रीलेशंस : की फॉर रीजनल कोऑपरेशन इन साउथ एशिया'–डॉ. राजीव कुमार, नीति अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली, 28 मई 2015।
- 'फॉर इंडिया, नॉट इंडियनस'–श्री सुनंदा के दत्ता रे, लेखक व पत्रकार, कोलकाता, 15 जुलाई 2015।
- 'बिटवीन मोरल ऐण्ड लीगल : वीमेन डोमेस्टिक वर्कर्स, मोबिलिटी ऐण्ड दि नेशन स्टेट'–डॉ. बिन्दुलक्ष्मी पी., टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल सांइसिज, मुंबई, 22 जुलाई 2015।
- 'ग्लोबलाइजिंग इस्लाम : दि रोल ऑफ इंडियन अहमदीस ऐण्ड दि इम्पॉरटेंस ऑफ वेस्ट अफ्रीका'–डॉ. शोभना शंकर, स्टोनी ब्रुक यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क यू. एस. ए., 19 अगस्त 2015।
- 'दि ग्लोबल क्राइसिस ऑफ गवर्नेंस : इंडिया'ज आपशंस इन ए पॉलीसेंट्रीक वर्ल्ड'–श्री समीर सरन, ऑब्ज़र्वर रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली, 7 अक्टूबर 2015।
- 'अमरावती ऐण्ड दि न्यू आन्ध्रा : ग्लोब्लाइजिंग दि प्रोविंशियल'–प्रो. कैरल उपाध्याय, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, बेंगलुरू, 4 नवम्बर 2015।
- 'कॉमरोड्स इन स्ट्रगल : इंडिया ऐण्ड इंडोनेशिया 1945-1949'– प्रो. वी. सूर्यनारायण, पूर्व प्रोफेसर, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, 17 दिसम्बर 2015।

"साइंस सोसाइटी ऐण्ड नेचर"

- 'दि फैब्रिक ऑफ बॉयोलॉजिकल साइंस इन दि 21 सेंचुरी : एन इंडियन सेल बॉयोलॉजिस्ट'स पर्सपेक्टिव'–प्रो. सत्यजीत मेयर, नेशनल सेंटर फॉर बॉयोलॉजिकल साईंसिज, बेंगलुरू, 8 अप्रैल 2015।
- 'प्लेइंग विद वॉटर : फॉर लाइफ ऐण्ड बिजनेस'–डॉ. विनोद तारे, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेकनॉलाजि, कानपुर, 17 अप्रैल 2015।
- 'इंडिया'ज ग्रीन रेवाल्यूशन ऐण्ड कोल्ड वॉर नैरेटिव्स'–डॉ. प्रकाश कुमार, पेन्नसिलवेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी, यू. एस. ए., 20 मई 2015।
- 'डूइंग साइंस इन इंडिया'–प्रो. सी. एन. आर. रॉव, जवाहरलाल नेहरू सेंटर फार एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च, बेंगलुरू, 3 जुलाई 2015
- 'वॉर ऐण्ड पीस कॉंफ्लिक्ट ऐण्ड कोआपरेशन इन एन इंसेक्ट सोसाइटी'–प्रो. राघवेन्द्र गड़कर, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू, 31 जुलाई 2015।
- 'टूवर्डस ए फंक्शनल अंडर स्टैंडिंग ऑफ दि सावाना इकोसिस्टम ऑफ एशिया'–डॉ. जयश्रीरत्नम, नेशनल सेंटर फॉर बॉयलॉजिकल साइंस, बेंगलुरू, 7 अगस्त 2015।
- 'डिफरेंट टयून्स ऑफ डिफरेंट आईलैडंस : बर्ड सॉग ऐडं जेनिरिक डिफरेंसिज ऑन स्काई आइलैडंस ऑफ वेस्टर्न थाट्स'–डॉ. रोबिन विजयन, नेशनल सेंटर फॉर बायोजॉजिकल साइंसिस, बेंगलुरू, 21 अगस्त 2015।
- 'इज दि फ्यूचर 'फ्यूडल'? इमैजिनिंग दि सोशल स्ट्रकचर ऑफ सस्टेनबिलिटी'–प्रो. पुरनेन्दु एस. कावूरी, अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, बेंगलुरू, 4 सितम्बर 2015।
- 'कंज्यूमर बिहेवियर ऐण्ड कार्बन एमिशंस : लेसनस इन पॉलिसी'–प्रो. मधुमती दत्ता, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग साइंस ऐण्ड टेक्नॉलाजी, शिबपुर, पश्चिम बंगाल, 6 नवम्बर 2015।

- 'इकोलॉजी ऐण्ड एग्रीकल्चर इन नाइनटींथ सेंचुरी तमिलनाडु'–प्रो. प्रसन्नन पार्थासार्थी, बॉस्टन कॉलेज, यू. एस. ए., 19 नवम्बर 2015।

"इंडिया इन ट्रांजिशन"

- '*मुक्त–धारा* : दि इकोलॉजिकल विजन ऑफ रबीन्द्रनाथ टैगोर'– डॉ. असीम श्रीवास्तव, लेखक तथा इकोलॉजिकल अर्थशास्त्री, नई दिल्ली, 6 अप्रैल 2015।
- 'कैपिटल ऐण्ड कैपिटलिज्म इंडिया'ज जर्नी'–प्रो. सुमित के. मजुमदार, टेकसाज विश्वविद्यालय रिजर्डसन, यू. एस. ए., 27 मई 2015।
- 'दि सफोकेटिंग अमब्रेस? दि स्टेट इन इंडिपेंडेंट इंडिया'–प्रो. देवेश कपूर, पेननसिलवानिया विश्वविद्यालय, फिलेडिल्फिया, यू. एस. ए., 8 जुलाई 2015।
- 'वैन दि रेवॉल्यूशन इज टेलीवाइज्ड : मीडिया कंजपशन ऐज पॉलिटिक्स'–डॉ. एस. वी. श्रीनिवास, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलुरू, 2 सितम्बर 2015।
- 'स्किलस डेवलपमेंट, मदर टंग इंफ्लुएंस, 'प्रॉबलमैटिक कास्टस' ऐण्ड दि मेकिंग ऑफ न्यू लेबर इन नार्थ इंडिया'–प्रो. संजय श्रीवास्तव, इंस्टिट्यूट ऑफ इकनॉमिक ग्रोथ, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 30 सितम्बर 2015।

"कल्चर्स, ट्रेडिशंस ऐण्ड कन्टेम्पोरेरि लाइफ"

- 'डिफाइनिंग प्लेस ऐण्ड हिस्ट्री : फैबलस जियोग्राफीज ऐण्ड सेक्रेड पास्टस इन काश्मीर'स हिस्टॉरिकल ट्रेडिशन'–डॉ. चित्रलेखा जुत्शी, कॉलेज ऑफ विलियम ऐण्ड मेरी, विलियमसबर्ग, यू.एस.ए., 24 अप्रैल 2015।
- '*विद्या ऑर शिक्षा* सिचुएटिगं रबीन्द्रनाथ टैगोर'स आईडिया ऑफ एजुकेशन'–डॉ. उमादास गुप्ता, इतिहासकार तथा टैगोर के जीवनीकार, कोलकाता, 7 मई 2015।

- 'पोस्ट लिबरेशन गोवा : डिस्रपशन, लॉस ऐण्ड दि सर्च फॉर रीन्यूअल'–सुश्री मारिया, स्वतंत्र शोधार्थी एवं लेखक, गोआ, 15 मई 2015।
- 'दि पॉलिटिकल इन क्वेशचनः रीथिंकिंग इंडिया'ज टवेन्टियथ सेंचुरी'–प्रो. मृणालिनी सिन्हा, मिशिगन युनिवर्सिटी, ऐन आर्बर, यू.एस.ए., 10 जुलाई 2015।
- 'लिटरेरी कल्चर्स इन नार्थ-ईस्ट इंडिया : श्रिंकिंग फ्रंटियर्स'–प्रो तिलोतमा मिश्रा, असम, 3 सितम्बर 2015।

'सिटीज़ इन हिस्ट्री"

- 'रेकरिंग सिटी : परपेचुअल चेंजिस ऐण्ड परमानेंट फीचर्स इन चेन्नई'ज अर्बन हिस्ट्री'–डॉ. ए. श्रीवातसन, सेंटर फॉर इंवायरमेंटल प्लैनिंग ऐण्ड टेक्नॉलाजी यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, 10 अप्रैल 2015।
- 'हेरिटेज, हिस्ट्री ऐण्ड ग्लोबल मॉडर्निटीज इन अर्बन इंडिया'–प्रो. ज्योति होसाग्रहर, कोलंबिया यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क, यू.एस.ए. तथा सृष्टि इंस्टिट्यूट ऑफ आर्ट, डिजाइन ऐण्ड टेक्नॉलाजी, बेंगलुरू, 5 अगस्त 2015।
- 'जिनिऑलाजिज' ऑफ पब्लिक स्पेस इन इंडिया'–प्रो. स्वाति चट्टोपाध्याय, केलिर्फोनिया विश्वविद्यालय, संता बारबरा, यू.एस.ए., 14 अगस्त 2015।
- 'दि चैलंजिस ऑफ कॉम्युनिकेशन ऐण्ड पार्टीसिपेशन इन स्लम रिसेटलमेंट ऐण्ड रीहैबलीटेशन प्रोजेक्ट्स : पर्सपेक्टिव्स फ्रॉम डेल्ही ऐण्ड अदर इंडियन मेट्रोपॉलिसीज'–प्रो. वरोनीक डयूपॉंट, इंस्टिट्यूट ऑफ रिसर्च ऐण्ड डिवेलपमेंट, पेरिस, फ्रांस, 28 अगस्त 2015।
- 'सम रिफ्लेकशंस ऑन डेल्हीज ट्रांसफॉरमेशन इन दि एज ऑफ इकनॉमिक लिब्रलाइजेशन : दि इमरजेंस ऑफ दि आप ऐण्ड डेल्हीज रिसेंट अर्बन ट्रांसफॉरमेशन'–डॉ. दिया मेहरा, साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, 11 सितम्बर 2015।
- 'इंटरकनेक्टिड स्पेसेज ऑफ इंडियन चाइनीज अर्बनिज्म्स : स्पेसेज

ऐण्ड प्लेसिज इन ए ट्रांस-लोकल वर्ल्ड'–डॉ. सोलोमन जे. बैंजमिन, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलाजि, मद्रास, चेन्नई, 16 अक्टूबर 2015।

- 'फिक्सिंग दि अन्ब्रोकन : दि पंकचुएटिड कैऑस ऑफ एजिंग सिटीज'– प्रो. मुस्तानसिर दल्वी, सर जे.जे. कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, मुंबई, 20 नवम्बर 2015।

'दि हिस्ट्रीज ऑफ नार्थ ईस्ट इंडिया–न्यू पर्सपेक्टिव्स"

- 'राईटिंग, पेटिशनिंग ऐण्ड दि फॉरमेशन ऑफ कलोनियल सबजेक्ट्स इन मणिपुर स्टेट, 1891–1949'–डॉ. दीपक नाओरेम, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 18 मई 2015।
- 'स्टेट ऐण्ड इंडिजेनस इंटरमीडिएरीज : एसपेक्टस ऑफ एड्मिनिस्ट्रेटिव अरेंजमेंट्स इन ब्रिटिश इंडिया'ज नागा हिल्स, 1880–1945'–श्री सोदलैकपऊ पनमेई, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, 6 जुलाई 2015।
- 'दि "सेक्रेड" स्टोन्स ऑफ काबी सेक्रेड ग्रोव इन सिक्किम'–डॉ. विभा अरोड़ा, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलाजि, दिल्ली, 20 जुलाई 2015।
- 'डायलॉग्स बिट्वीन दि पास्ट ऐण्ड प्रेजेंटः दि रीकंस्ट्रकशन ऑफ कलोनयल ऐण्ड लोकल दार्जलिंग'–डॉ. अपराजिता डे, दिल्ली स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 26 अक्तूबर 2015।
- 'रि–कनफिगरिंग डोमेस्टिक स्पेस : मिसंस इन नार्थईस्ट इंडिया'–डॉ. सूर्यशिखा पाठक, असम विश्वविद्यालय, सिल्चर, 9 नवम्बर, 2015।

"इन्टेरोगेटिंग सोशल जस्टिस"

- 'इन्टिमेट पॉलिटिक्स : कास्ट, सैक्शुएलिटी ऐण्ड डिसक्रिमिनेशन इन पॉपुलर कल्चर इन वेस्टर्न इंडिया'–डॉ. शैलजा डी. पाईक, यूनिवर्सिटी ऑफ सिनसिनाटी, सिनसिनाटी, यू.एस.ए., 9 जुलाई 2015।
- 'अनईजी कन्सेन्सस : अंटरस्टैंडिग डिबेट्स ऑन जस्टिसिएबल राईट्स फॉर माइनॉरटीज विद स्पेशल रेफरेंस टू सिखस'–प्रो. परमजीत सिंह, गुरूनानक देव विश्वविद्यालय, पंजाब, 13 अगस्त 2015।

- 'बिट्वीन डिजायर ऐण्ड डिसएबिलिटी : कारीचन कुंजू'स हंग्री ह्यूमैनिटि'—डा. किरण केशवमूर्थि, समाज विज्ञान अध्ययन केन्द्र, कोलकाता, 10 सितम्बर 2015।
- 'सोशल जस्टिस ऐण्ड दि सिटी : डिवेलपमेंट ऐण्ड अर्बन सोशल मूवमेंटस इन 21स्ट सेंचुरी इंडिया'—डॉ. सपना दोशी, अरीज़ोना यूनिवर्सिटी, टकसन, यू.एस.ए., 4 दिसम्बर 2015।

''इंडिया'' प्लेस इन 21स्ट सेंचुरी वर्ल्ड : पर्सपेक्टिव्स ऑन स्ट्रेटिजिक इश्यूज''

- 'दि नेग्लेक्ट ऑफ मॉडर्न इंडियन मिलिट्री हिस्ट्री ऐण्ड इट्स इम्पैक्ट ऑन आवर स्ट्रेटिजिक कल्चर'—एयर वाईस मार्शल अर्जुन सुब्रमण्यम, नेशनल डिफेन्स कॉलेज, नई दिल्ली, 16 जुलाई 2015।
- 'दि डिसीजन टू इंटरवीन ऐण्ड इंडिया'ज ग्रांड स्ट्रेटिजी इन दि 1971 वॉर'—श्री चन्द्रशेखर दासगुप्ता, दि एनर्जी रिसोर्स इंस्टिट्यूट, नई दिल्ली, 11 दिसम्बर 2015।

''साइंटिफिक टेम्पर इन इंडिया''

- 'दि बर्थ ऐण्ड इवॉल्यूशन ऑफ दि इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस : लेसन्स फॉर बिल्डिंग साइंटिफिक इंस्टिट्यूशंस'—प्रो. पी. बलराम, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू, 23 जुलाई 2015।
- 'प्रमोटिंग साइंटिफिक टेम्पर : दि गुड, बैड ऐण्ड फूलिश'—प्रो. आर. राजरमन, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 29 जुलाई 2015।
- 'वेयर वर्डस फेल, सांग स्पीक्स : कनेक्टिंग विद चिल्ड्रन विद ऑटिज्म'—डॉ. नंदिनी चटर्जी सिंह, नेशनल ब्रेन रिसर्च सेंटर, मानेसर, हरियाणा, 31 अगस्त 2015।
- 'गीगावॉटस टू शून्य : इन सर्च ऑफ ससटेनबल एनर्जी फॉर इंडिया'—प्रो. रंगन बनर्जी, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलाजि, मुंबई, 16 नवम्बर 2015।

"रीजनल हिस्ट्री ऐण्ड कल्चर"

- 'सबालटर्न वर्जनस ऑफ डॉमिनेंट एपिक्स इन तमिल फोकलोर'–प्रो. सुजाता विजयराघवन, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पांडिचेरी, 20 अगस्त 2015।
- 'फ्रेंडशिप बीऑन्ड प्लेजर : दि इंडिक कनटेक्स्ट थ्रू दि प्रिज़्म ऑफ अर्ली बुद्धिस्ट थॉट'–प्रो. आलोक पाराशर-सेन, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, 28 अक्टूबर 2015।

"साइंस ऐण्ड हेरिटेज"

- 'रिसेंट एडवांसमेंट्स इन अंडरस्टैंडिंग दि हड़प्पण सिविलाइज़ेशन : साइंटिफिक टेक्नीक्स इन इंटरप्रटेशन'–प्रो. बी. एन. प्रभाकर, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलाजि, गांधीनगर, अहमदाबाद, 9 दिसम्बर 2015।
- 'वॉट कैन सैटेलाइटस रिवील अबाउट दि पास्ट?'–डॉ. एम. बी. रजानी, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ एडंवास्ड स्टडीज, बेंगलुरू, 21 सितम्बर 2015।
- 'स्ट्राइविंग फॉर ए बैलेंस : साईंस ऐण्ड प्रिजर्वेशन ऑफ नेचर इन ए डायनमिक वर्ल्ड'–डॉ. दिव्य वासुदेव, वाइल्ड लाईफ कंजर्वेशन सोसाइटी इंडिया प्रोग्राम, बेंगलुरू, 6 अक्टूबर 2015।
- 'माई ब्रश विद नेचर : ए लेंस आई व्यू ऑफ वाइल्डलाईफ ऐण्ड प्रोटेक्टिड एरियाज'– श्री आशीष चंदोला, स्वतंत्र शोधार्थी, बेंगलुरू, 26 अक्टूबर 2015।
- 'दि ''वीमेन फैक्टर'' इन दि स्टेपवेल्स ऑफ गुजरात : रिलेशनशिप बिटवीन वीमेन, वॉटर, रिलीजन ऐण्ड आर्ट'–डॉ. पूर्णिमा भट्ट, हुड कॉलेज, मेरीलैंड, यू.एस.ए., 29 अक्टूबर 2015
- 'हेरिटेज एज बिल्डिंग'–प्रो. एम. एन. आशीष गंजु, वास्तुकार तथा नगर योजनाकार, नई दिल्ली, 5 फरवरी 2016।

"समाज, विज्ञान और विकास"

- *'परमाणु ऊर्जा : भारत के ऊर्जा के लिए एक अनिवार्य विकल्प'*—श्री एस. के. मल्होत्रा, भारतीय परमाणु विभाग, मुंबई, 13 अप्रैल 2015।
- *'नैतिक तेंदुआ : देवता और प्रकृति की बातचीत'*—डॉ. सुनेत्रो घोषाल, स्तव, लेह-लद्दाख, 13 मई 2015।
- *'एक विशाल जन समूह और स्वास्थ्य संचार : मौके और चुनौतियां'*—डॉ. सुभद्रा मेनन, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन, नई दिल्ली, 27 जुलाई 2015।
- *'संवेदनाओं के संस्कार : क्या सृजनशीलता भारतीय स्वभाव है?'*—प्रो. अनिल के. गुप्ता, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, 17 अगस्त 2015।
- *'भारतीय संस्कृति, परंपरा और पर्यावरण संरक्षण'*—डॉ. एच. एस. सिंह, गुजरात बायोडाइवर्सिटी बोर्ड, गांधीनगर, गुजरात, 8 अक्टूबर 2015।

"समाज, इतिहास और साहित्य "

- *'उत्तर प्रदेश में पिछड़ी जातियों की राजनीति : लोकतंत्र की उत्तरकथा'*—डॉ. सतेन्द्र कुमार, जी. बी. पंत समाज विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद, 27 अप्रैल 2015।
- *'सरकार, कारोबार, चमत्कार : सहारा तलाश रहे पंजाबी दलित'*—डॉ. भूपेन्द्र यादव, अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, 25 मई 2015।
- *'मौखिक परंपरा में प्रवासन : परिवर्तन और निरंतरता'*—डॉ. धनंजय सिंह, जूनियर फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, 13 जुलाई 2015।
- *'विकास का इतिहास और समाजिक तान–बाना'*—प्रो. प्रदीप भार्गव, जी. बी. पंत समाज विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद, 3 अगस्त 2015।
- *'मध्यकालीन नायकों का बुद्धि वैभव और हास्य बोध'*—डॉ. अनामिका, सत्यवती कॉलेज (सायंकालीन), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 12 अगस्त 2015।

- *'बिहार का दरिया साहब, 17–18 सेंचुरी'*–डॉ. सुधा एन. रंजनी, स्वतंत्र अध्येता, नई दिल्ली, 24 अगस्त 2015।
- *'मिथक और यथार्थ का द्वन्द : खाप पंचायतों के विशेष संदर्भ में एक ऐतिहासिक विश्लेषण'*–डॉ. सूरजभान भारद्वाज, मोतीलाल नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 7 सितम्बर 2015।
- *'स्वामी सहजानंद सरस्वती के साथ यात्रा और जीवन संघर्ष, 1975–2015'*–श्री कैलाश चन्द्र झा, स्वतंत्र अध्येता, नई दिल्ली, 14 सितम्बर 2015।
- *'बाघ, भारत और भविष्य'*–डॉ. राजेश गोपाल, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण, नई दिल्ली, 9 अक्तूबर 2015।
- *'औपनिवेशिक नेटाल में गिरमिटिया भारतीय तथा स्त्री मुद्दें : एक समालोचना'*– सुश्री माधवी झा, स्वतंत्र अध्येता, नई दिल्ली, 2 नवम्बर 2015
- *'भारत और एशिया : अनुसंधान की नई दिशाएँ'*–प्रो. पुष्पेष पंत, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 24 नवम्बर 2015।
- *'सरकारी कार्य में सहज एवं सरल हिन्दी का उपयोग'*–श्री वी. पी. गौड़, संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली, डॉ सुधीर सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. प्रमोद दूबे, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली एवं डॉ. नरेन्द्र शुक्ल, पूर्व जूनियर फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, 14 मार्च 2016।

प्रदर्शनी

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय द्वारा जवाहरलाल नेहरू की 125वीं जयंती समारोह के अवसर पर संस्था द्वारा निम्न प्रदर्शिनियाँ पुस्तकालय भवन में लगाई गई :

- 'एशियन रिलेशन कानफरेंस', 25 अप्रैल 2015 तथा प्रदर्शनी हॉल, संग्रहालय भवन में भी प्रदर्शित की गईं।
- 'एशियन-अफ्रीकी कांफ्रेंस', बांडुंग, 1955, 11 जून 2015।

- 'दि मेकिंग ऑफ *दि डिस्कवरी ऑफ इंडिया'*, 20 जुलाई 2015।
- 'चंडीगढ़ : दि सिटी ऑफ होप', 20 अगस्त 2015।
- 'न्यू इंडिया ऐण्ड दि फर्स्ट आईआईटी', 10 सितम्बर, 2015।
- 'दि लीगेसी ऑफ पंडित जवाहरलाल नेहरू', 14 नवम्बर, 2015
- 'रानी गाइदिनल्यू ऐण्ड हर लीगेसी' पर आयोजित प्रदर्शनी को नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय के फॉयर में भी लगाया गया। यह प्रदर्शनी उनकी जयंती समारोह के अवसर पर लगाई गई थी, 5 नवम्बर, 2015।
- स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय में संगोष्ठी कक्ष की लॉबी में 'एक्जीबिशन ऑफ बुक्स ऑन स्वामी विवेकानंद' विषय पर पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई, 12 जनवरी, 2016।
- लाला लाजपत राय की 150वीं जयंती के अवसर पर 'लाला लाजपत रायः ए सेल्फलेस पेट्रिऑट' नामक प्रदर्शनी नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय में लगाई गई, 13 जनवरी, 2016।

सम्मेलन

- 'न्यू पर्सपेक्टिव्स ऑन पंजाब स्टडीज : रीथिंकिंग हिस्टोरियोग्राफी' विषय पर ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, कनाडा की डॉ. एनी मरफी तथा इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी, शिमला के डॉ. योगेश स्नेही के सहयोग से दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया, 29 एवं 30 अप्रैल, 2015।
- 'ट्रेसिंग माउंटेन लैंडस्केप्स : कनेक्टिंग हिमालयन कल्चर्स' विषय पर दो दिवसीय सम्मेलन, 23 एवं 24 सितम्बर, 2015।
- नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय के फेलो डॉ. तनुजा कोठियाल तथा संबंद्ध फेलो डॉ. मयंक कुमार के सहयोग से 'हिस्ट्रीज ऑफ राजस्थान : फ्रेश अप्रोचिस' विषय पर दो दिवसीय सम्मेलन, 14 एवं 15 अक्टूबर, 2015।

- 'लाला लाजपत राय ऐण्ड इंडियन नेशनल मूवमेंट' विषय पर संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से एक दिवसीय सम्मेलन, 30 दिसम्बर 2015।
- 'रिथिंकिंग अरबिंदो ऐण्ड इंडियन कल्चर : 21स्ट सेंचुरी पर्सपेक्टिव' विषय पर सोसाइटी फॉर सोशल इम्पावरमेंट के सहयोग से दो दिवसीय सम्मेलन, 20 एवं 21 जनवरी 2016।
- 'रानी गाइदिनल्यू जयंती स्मरणोत्सव के अवसर पर 'रानी गाइदिनल्यू ऐण्ड नार्थ ईस्ट इंडिया' विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन, 4 फरवरी 2016।
- '200वीं जयंती स्मरणोत्सव के अवसर पर 'तात्या टोपे ऐण्ड दि फर्स्ट वॉर ऑफ इंडिपेंडेंस' विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन, 16 फरवरी 2016।
- महाराणा प्रताप के 475वें जयंती पर राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के इतिहास एवं भारतीय संस्कृति विभाग के सहयोग से 'महराणा प्रताप ऐण्ड हिज टाइम्स' विषय पर राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, 14 मार्च 2016।
- डॉ बी. आर. अम्बेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर सोसाइटी फॉर सोशल इम्पावरमेंट, नई दिल्ली के सहयोग से 'रेलेवंस ऑफ डॉ. बी. आर. अम्बेडकर इन दि इरॉ ऑफ ग्लोबलाइजेशन' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, 28–29 मार्च 2016।

कार्याशाला

- 'इकॉलाजि ऐण्ड सोसाइटी' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला, 22 मई, 2015।
- 'दि मैटिरिएलिटी ऑफ कल्चर्स : मेथड्स ऐण्ड प्रैक्टिसिज़' पर दो दिवसीय कार्यशाला, 26 से 27 अगस्त, 2015।

पैनल परिचर्चा

- 'आरकाईविंग कंटेम्पोरेरि इंडिया : न्यू चैलंजिस' विषय पर राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से पैनल परिचर्चा, 9 सितम्बर, 2015।
- 'स्वामी विवेकानन्द ऐण्ड दि इमरजेंस ऑफ मॉडर्न वर्ल्ड' विषय पर पैनल परिचर्चा। वक्तागण : श्री टी. एन. चतुर्वेदी, पूर्व राज्यपाल कर्नाटक, प्रो. मकरंद परांजपेयी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, प्रो. इन्द्र नाथ चौधरी, पूर्व प्रोफेसर, भारतीय अध्ययन व तुलनात्मक साहित्य तथा डॉ. हरि मोहन शर्मा, सत्यवती कॉलेज (सायंकालीन), दिल्ली विश्वविद्यालय।

पैनल परिचर्चा – 'समाज एवं इतिहास'

- 'पर्यावरण और हमारा भविष्य' विषय पर पैनल परिचर्चा। वक्तागण : श्री राजीव भरतरी, देहरादून और डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र, *भारतीय वन्यजीव ट्रस्ट,* रायपुर, 5 जून, 2015।
- 'प्राकृतिक, पर्वत और विज्ञान' विषय पर पैनल परिचर्चा। वक्तागण : डॉ. राहुल कौल, भारतीय वन्यजीव ट्रस्ट, नोएडा और श्री ऋषि कुमार शर्मा, वन्यजीव निधि, नई दिल्ली, 16 नवम्बर, 2015।

नेहरू बाल एवं युवा अध्ययन केन्द्र

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय द्वारा नेहरू बाल एवं युवा अध्ययन केन्द्र की स्थापना पर्यावरण, नारी सशक्तीकरण, राष्ट्रीय विकास, चरित्र निर्माण जैसे विषयों पर बच्चों, युवाओं एवं अध्यापकों के लिए नियमित कार्यक्रमों के आयोजन को ध्यान में रखकर किया गया है। इसमें संग्रहालय, पुस्तकालय व तारामण्डल के संसाधनों की मदद ली जाती है। नेहरू बाल एवं युवा अध्ययन केन्द्र में एक बाल पुस्तकालय भी है जिसमें बच्चों के लिए 5,000 से अधिक पुस्तकें तथा कला व खेल आदि से संबंधित सामग्री हैं।

इस केन्द्र द्वारा 'संग्रहालय दर्शन', 'हेरिटेज एवं नेचर वाक्स', लोक-

संपर्क कार्यक्रम, अध्ययन-अध्यापन सत्रों के आयोजन के अतिरिक्त बच्चों, युवाओं और अध्यापकों के लिए बहुत से अन्य कार्यक्रम तैयार किए गए।

वर्ष के दौरान केन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार हैं :

किताबों का पिटारा

केन्द्र द्वारा बाल साहित्य पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसके तहत् लेखकों, चित्रकारों, संपादको तथा कथावाचकों को विभिन्न आयु समूह के बच्चों के साथ बातचीत करने हेतु आमंत्रित किया गया। केन्द्र ने बच्चों के लिए कुछ कार्यक्रम प्रथम बुक्स के सहयोग से भी आयोजित किए। ये कार्यक्रम निम्नानुसार थे :

- चित्रकार, सुश्री प्रिया कुरियन ने तुलिका प्रकाशन के लिए चित्रांकित पुस्तक से बच्चों के लिए कथावाचन किया जिसके पश्चात् चित्रांकन एवं रंगाई गतिविधियां रखी गई जिसमें बच्चों ने इस पुस्तक के चरित्रों के चित्र बनाए, 13 अप्रैल, 2015।
- तमिल की नामी बाल लेखिका तथा प्राध्यापक, डॉ. भारती जगन्नाथन, दिल्ली विश्वविद्यालय ने कथावाचन सत्र में बच्चों के साथ तमिल एवं हिंदी में बातचीत की, 21 अगस्त, 2015।
- लेखक, एजुकेटर तथा कार्यकर्ता, सुश्री मथांगी सुब्रमण्यन का बच्चों के साथ कथावाचन व बातचीत सत्र आयोजित किया गया, 7 सितम्बर, 2015।
- सुश्री सुविधा मिस्त्री, चित्रकार ने बच्चों के साथ प्रकृति पर अपनी पुस्तक 'बोलों एक सांस में' साझा की। उन्होंने प्रसिद्ध कलाकार ए. रामाचन्द्रन की कुछ चुनिंदा कार्यों को भी विद्यार्थियों के साथ साझा किया तथा उनके चित्रांकन की लयबद्धता पर विचार रखें, 20 नवम्बर, 2015।

हेरिटेज एवं नेचर वाक

केन्द्र द्वारा तीन मूर्ति की वास्तुकला पर आधारित और नई दिल्ली

के इतिहास पर केन्द्रित हेरिटेज एवं नेचर वाक्स का आयोजन किया गया। यह भ्रमण तीन मूर्ति के स्थापत्य संपदा पर आधारित थे जो तुगलककालीन स्मारकों के निर्माण से लेकर ब्रिटिश साम्राज्य में निर्मित नई दिल्ली के शाही निर्माण कला पर आधारित थे। बच्चों ने तीन मूर्ति परिसर के भ्रमण के दौरान, यहां की प्राकृतिक संपदा के दर्शन किए जिसमें दिल्ली के कुछ प्राचीनतम वृक्ष, विभिन्न प्रकार के पक्षी जैसे भारतीय मयूर, गुच्छेदार चिड़िया, ग्रे हार्नबिल, कबूतर आदि शामिल थे।

शिक्षकों से बातचीत

केन्द्र ने शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर अध्यापकों और प्रशिक्षणार्थी अध्यापकों के लिए नया कार्यक्रम शुरू किया। सरकारी एवं गैर सरकारी स्कूलों के सेवारत अध्यापकों के लिए निम्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

- गैर सरकारी संगठन, अंकुर की सुश्री शर्मिला भगत के सहयोग से–'चिल्ड्रन'स वाईसिस इन दि क्लासरूम' विषय पर 24 जुलाई, 2015 को कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें नई दिल्ली नगरपालिका परिषद्, केरला स्कूल, केन्द्रीय विद्यालय और निजी स्कूलों के लगभग 30 अध्यापकों ने भाग लिया। ये प्राथमिक स्तर के अध्यापक थे।
- 'डिवेलपिंग एक्टिविटीज़ इन बायोलॉजी फॉर एनकरेजिंग एनालिटिकल ऐण्ड क्रीएटिव थिंकिंग अमंगस्ट लर्नस : ए पीडेगोजिकल एंडेवर' पर सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो. युक्ति शर्मा को एक विचार विमर्श सत्र के लिए आमंत्रित किया गया, 28 सितम्बर, 2015।

हमारी दुनिया

केन्द्र ने बच्चों के समक्ष प्राकृतिक एवं भौतिक जगत का नए ढंग से उद्घाटित करने के उद्देश्य से व्याख्यानों, प्रस्तुतियों, फिल्म-शो, वार्ताओं आदि के निम्न कार्यक्रम आयोजित किए :

व्याख्यान

- एनर्जी ऐण्ड रिसोर्स इंस्टिट्यूट (टेरी) के सहयोग से संस्था ने बच्चों के लिए सुश्री बेनिता सेन, पत्रकार एवं बाल लेखिका के साथ एक

सत्र का आयोजन किया जिसमें उन्होंने अपने पुस्तक *इंडस वेली* (टेरी द्वारा प्रकाशित) पर चर्चा करते हुए बच्चों को प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता से परिचित कराया तथा 'स्मार्ट ग्रीन सभ्यता' द्वारा सौर ऊर्जा के उपयोग पर चर्चा की। इस सत्र में 'वेस्ट मैनेजमेंट' पर भी विद्यार्थियों के साथ चर्चा हुई, 6 मई, 2015।

- बच्चों में विज्ञान प्रचारित करने वाली प्रसिद्ध चैम्पियन, डॉ. मधु पंत का जल की भौतिक, रसायनिक एवं जैविक प्रकृति पर एक व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया। इसमें जल की विशिष्टता पर प्रकाश डालते हुए, उसकी सृजनशीलता, जीवनदायी प्रकृति, संहारक रूप पर चर्चा की गई और इन्द्रधनुष के बनने में इसकी भूमिका को रेखांकित किया गया। उन्होंने कुछ कहानियां तथा कविताओं का भी वाचन किया, 4 अगस्त, 2015।

फिल्म प्रदर्शन

केन्द्र ने भारतीय बाल फिल्म सोसाइटी (सी.एफ.एस.आई.) के सहयोग से निम्न फिल्म का प्रदर्शन किया। यह फिल्में चरित्र निर्माण, सादा जीवन और प्रकृति पर आधारित थी :

- 'गट्टू'–हिंदी फिल्म, राजन खोसा द्वारा निर्मित, 20 अप्रैल, 2015।
- 'मल्ली', तमिल फिल्म का हिंदी संस्करण, संतोष शिवन द्वारा निर्मित, 7 मई, 2015।
- 'मुझसे दोस्ती करोगे' हिंदी फिल्म, गोपी देसाई द्वारा निर्मित, 31 जुलाई, 2015।
- 'हेडा होडा' हिंदी फिल्म, विनोद गनात्र द्वारा निर्मित, 7 अगस्त, 2015।
- 'करामती कोट' हिंदी फिल्म का प्रदर्शन, 9 सितम्बर, 2015।

विशेष कार्यक्रम

प्रकृति संरक्षण दिवस, बाल दिवस, स्वतंत्रता दिवस, वन्यजीव सप्ताह आदि के अवसरों पर केन्द्र द्वारा विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिनमें कथावाचन, कार्यशालाएं, प्रस्तुतियां और फिल्म प्रदर्शन आदि शामिल

थे। इन कार्यक्रमों का ब्योरा निम्नवत् है :

प्रकृति संरक्षण

केन्द्र ने 'प्रकृति संरक्षण दिवस' का आयोजन किया। इस सत्र की अगुवाई टाक्सिक लिंक के विशेषज्ञ प्रशांत राजनकर और समीर प्रसाद द्वारा की गई, 28 जुलाई, 2015।

बाल दिवस

केन्द्र ने नई दिल्ली नगर पालिका परिषद् स्कूल के छात्रों के लिए 'सपनों का भारत' विषय पर अंतर्विद्यालय पेटिंग एवं लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया और इस प्रतियोगिता की प्रविष्टियों पर प्रदर्शनी लगाई। इसके विजेताओं को अन्य अवसर पर 19 जनवरी, 2015 को सम्मानित भी किया गया।

स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर केन्द्र ने 'इममॉरटेल रेमीनस' विषय पर हेरिटेज वाक का आयोजन किया। यह इतिहासकार, श्री रॉबिनसन द्वारा संचालित किया गया । इसमें तीन मूर्ति भवन के संक्षिप्त परिचय के साथ 15 अगस्त, 1947 को लिए गए दुर्लभ तस्वीरों की प्रदर्शनी लगाई गई तथा तीन मूर्ति परिसर के उद्यानों और संपदा की जानकारी दी गई। इस वाक में सरकारी और निजी स्कूल के बच्चों ने भाग लिया, 10 अगस्त, 2015।

हिंदी दिवस

केन्द्र ने प्रथम बुक्स के सहयोग से हिंदी दिवस का आयोजन किया। इसमें प्रथम बुक्स से आए पूनम गिरधानी और राजेश खार ने विभिन्न भाषाओं की जानकारी को गीतों, नाटक के उद्धरणों, ऑडियो-विज़ुअल माध्यमों, कार्टून आदि के माध्यम से साझा किए। इसमें हरिवंशराय बच्चन, सूरदास, मैथिली शरण गुप्त, कबीर जैसे नामी साहित्यकारों के विषय में भी जानकारी दी गई, 14 सितम्बर, 2015।

वन्यजीव

वन्यजीव संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए तथा स्थानीय लोगों को परिस्थितिकी एवं संस्कृति के प्रति सचेत करने के उद्देश्य से केन्द्र ने वन्य जीव सप्ताह का आयोजन किया। यह केन्द्र फिल्मों, प्रस्तुतियों और विशेषज्ञों के साथ संरक्षण वार्ताओं आदि के माध्यम से युवाओं और नागरिकों में वन्यजीवों की प्रलुप्त होती प्रजातियों के प्रति एक जागरूकता लाने के उद्देश्य से इन कार्यक्रमों का आयोजन करता रहा है, 1 से 9 अक्टूबर, 2015।

इन सभी कार्यक्रमों का खुले दिल से स्वागत किया गया और इन पर जीवंत चर्चाएं हुईं। डॉ. फैयाज़ खुद्सर ने 'रीलोकेशन ऑफ एशियाटिक लायंस' पर 1 अक्टूबर, 2015 को वार्ता भी दी। डॉ. दिव्या वासुदेव ने 'फॉरेस्ट्स फॉर दि फ्यूचर : कम्बाइनिंग इफर्टस टू कंजर्व नेचर' विषय पर व्याख्यान दिया। सुश्री रीटा बैनर्जी ने 'वाइल्डलाईफ ऐण्ड अस...कैन वी कोएक्ज़िस्ट?' पर 6 अक्टूबर, 2015 को अपने विचार रखे। 'डू वी नो ऑवर बैकयार्ड' पर श्री कृष्णेन्दु बोस ने वार्ता प्रस्तुत की, 9 अक्टूबर, 2015।

ग्रीष्मकालीन कार्यशालाएँ

- केन्द्र द्वारा पांच दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिल्प कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें बीज, समाचार पत्र आदि जैसे प्राकृतिक और पुनर्नवीनीकरण सामग्री द्वारा कलाकृतियां बनाई गई। बच्चों द्वारा प्लास्टिक के चमच्च से फूल, समाचार पत्र से टीआरा, पेपर क्लिपिंग तकनीक से माला, पेपर से गुलदान, गत्ते और सूखी डालियों से फोटो फ्रेम बनाए गए, 11 से 15 मई 2015।

- 10 से 12 वर्ष के बच्चों के लिए आनंद कुमार, कठपुतली कलाकार द्वारा कार्यशाला संचालित की गई। जिसमें बच्चों ने कहानियां लिखी और तत्पश्चात् समूह में स्टोरीबोर्ड बनाया। उन्होंने यह भी सीखा कि कठपुतली के द्वारा कैसी कहानियां बनाई जाती है तथा अंतिम दिन कठपुतली के साथ कथावाचन किया, 1 से 5 जून 2015।

- सुश्री समीना मिश्रा, बच्चों की वृतचित्र निर्माता ने कथावाचन कार्यशाला का संचालन किया। इसमें 4 से 6 वर्ष के बच्चों ने भाग लिया। समीना मिश्रा ने इस अवसर पर अपनी और अन्य पुस्तकों से निम्न कहानियाँ सुनाईं।

  1. *'लिटिल चिकन इन ए हरी'*, 8 जून 2015।
  2. *'दि पूरी दैट रैन अवे'*, 12 जून 2015।
  3. *'माई फ्रैडंस इन दि सिटी'* (बुक ऑन एनिमल्स), 15 जून 2015।

'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत् जन संपर्क कार्यक्रम

इस केन्द्र द्वारा स्वच्छ भारत अभियान का आयोजन किया गया जिसके तहत् तारामण्डल और संग्रहालय पधारने वाले आगंतुकों को इस अभियान से संबंधित जानकारी दी गई। घरेलू क्षेत्र में कचरा प्रबंधन पर वार्ताओं के साथ इसके तहत् रोजाना दस मिनट की लघु वार्ताएँ प्रस्तुत की गई।

स्वच्छता के प्रति युवाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से इस केन्द्र ने 'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत् कार्यक्रमों की नवीन श्रृंखला भी शुरू की :

- 'मैनुअल सेकवेंजिंग' विषय पर पत्रकार एवं लेखक, भाषा सिंह की वार्ता, 7 अप्रैल 2015।
- 'चितंन' नामक गैर सरकारी संगठन की विशेषज्ञ, चित्रा मुखर्जी ने अपशिष्ट प्रबंधन पर बच्चों के साथ अपनी एक प्रस्तुति साझा की। इसमें इन्होंने कूड़ा बीनने वालों की पर्यावरण के लिए किए गए योगदान पर प्रकाश डाला। चिंतन टीम के एक सदस्य, जो कि कभी कूड़ा उठाने का कार्य करते थे, पुनर्नवीनीकरण सुविधाओं के तहत् प्रबंधकीय कार्यक्रम तक पहुंचने के अपने अनुभव को बच्चों के साथ साझा किया 1 मई, 2015।
- 'ए डायलाग ऑन ह्युमन राईट्स ऐण्ड डिगनिटी' विषय पर पत्रकार, सुश्री अग्रिमा भसीन ने एक सत्र में हाथ से साफ-सफाई पर वार्ता प्रस्तुत की, 13 जुलाई 2015।

- श्री राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के 'इंनैक्ट्स' ग्रुप के सदस्यों ने मैनुअल सेकेवेंजरस को मुक्त करने पर प्रस्तुति दी जिसमें उन्हें जीवनयापन का विकल्प प्रदान करने की बात कही गई। उन्होंने 'अजमत' नामक परियोजना भी साझा की जिसमें वे इसी मुद्दे पर कार्य कर रहे हैं और गाजियाबाद के निकट स्थित नेकपुर गांव के हाथ से साफ-सफाई की घटनाएं भी इस अवसर पर साझा की, 3 अगस्त 2015।
- इस केन्द्र के सदस्यों ने घरेलू स्तर पर कचरा प्रबंधन और रसोई के कचरे से कम्पोस्ट खाद्य बनाने की विधि साझा की। उन्होंने कम करने, पुर्नसंसाधन एवं पुनः उपयोग के महत्व को रेखांकित किया, 6 नवम्बर 2015।

नेहरू तारामण्डल

नेहरू तारामण्डल अपने अस्तित्व में आने के समय से ही अंतरिक्ष और खगोल विज्ञान से संबंधित ज्ञान के प्रचार एवं प्रसार में अहम भूमिका निभाता आया हैं।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, 2,03,449 दर्शको ने तारामण्डल शो देखने के लिए स्काई थिएटर टिकट खरीदे। इनमें से 86,375 स्कूली बच्चे थे जिन्हें विशेष वर्ग के तहत् रियायती दरो पर शो दिखाया गया।

नियमित स्काई शो के अतिरिक्त तारामण्डल द्वारा निम्न कार्यशालाओं, व्याख्यानों, स्काई शो, लोक सम्पर्क और परिसर से बाहर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया :

खगोलशास्त्रीय कार्यशालाएं/सार्वजनिक व्याख्यान/साक्षात्कार/अन्य कार्यक्रम

- तारामण्डल द्वारा जर्मन इम्बैसी स्कूल के छात्रों के लिए 'आस्क एन एस्ट्रोनॉमर' कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसके तहत् छात्रों के प्रश्नों के जवाब दिए गए, 13 मई 2015।
- तारामण्डल द्वारा आईयूसीएए पुणे के डॉ. वरुण भालेरॉव का 'पॉसिबल स्टुडेन्ट प्रोजेक्टस इन एस्ट्रोनॉमी' पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

इस व्याख्यान को डीएसएलआर कैमरा द्वारा शौकिया खगोलशास्त्रियों द्वारा रिकॉर्ड भी किया गया। 9 मई 2015, इसे वेबकास्ट किया गया, 17 मई 2015।

- निदेशक, नेहरू तारामण्डल ने राष्ट्रीय बाल भवन, कोटला रोड के छात्रों के लिए खगोलशास्त्र पर एक इंटरएक्टिव कार्यशाला संचालित की, कोटला रोड, 3 जून 2015।
- निदेशक, नेहरू तारामण्डल द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय में भौतिक विज्ञान और खगोल भौतिक विभाग के बी. एस. सी. के छात्रो के लिए बुनियादी खगोलशास्त्र पर दो व्याख्यान दिए, 13 जुलाई 2015।
- निदेशक, नेहरू तारामण्डल द्वारा 'न्यू होराइजॅन क्लोज अप्रोच' विषय पर छात्रों के साथ विचार विमर्श सत्र आयोजित किया गया, 14 जुलाई 2015
- स्कूली और कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए 'एस्ट्रोनॉमिकल डाटा इन दि प्लैनेटेरियम स्काई थिएटर' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया, 23 जुलाई 2015।
- तारामण्डल ने एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के सहयोग से भारत भर के फेसबुक और शौकिया एस्ट्रोनॉमर्स के लिए एक आउटरीच हैंगआउट कार्यक्रम संचालित किया।
- भारत के एस्ट्रोसेट मिशन, इसरो की मल्टी वेवलैंथ एस्ट्रोनॉमी सेटालाइट के लांच के अवसर पर तारामण्डल ने गैर सरकारी संगठन, स्पेस के सहयोग से 28 सितम्बर 2015 को एक कार्यशाला का आयोजन भी किया। इसी दिन पब्लिक स्काई वॉच का भी आयोजन किया गया।
- एम.पी. मिशन अक्सीलेंसी कार्यक्रम के तहत् तारामण्डल ने एम.पी.सी. एस.टी. के योग्य छात्र, अध्यापक और कर्मचारियों के लिए आधे दिन की इंटरएक्टिव कार्यशाला आयोजित की, 6 अक्टूबर 2015।
- नेहरू तारामण्डल ने दिल्ली विश्वविद्यालय के रामदास कॉलेज के छात्रों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला

विश्वविद्यालय नव आयोजित ''रोशनी प्रदूषण'' पर थी। नेहरू तारामण्डल ने इसमें परामर्शदाता की भूमिका निभाई, 11 अक्टूबर 2015।

- एस्ट्रोनॉमी ओलिंपियाड के राष्ट्रीय स्तर के विजेताओं के लिए तारामण्डल के निदेशक ने बातचीत का सत्र रखा, 13 अक्टूबर 2015।
- नेहरू तारामण्डल ने स्कूली छात्रों के लिए सोलर स्टडीज पर प्रो. हेलन मेसन केम्ब्रिज विश्वविद्यालय की वार्ता आयोजित की तथा 4 दिसम्बर 2015 को सोलर आब्जरवेशन कार्यशाला का आयोजन किया। तारामण्डल ने दोबारा सोलर स्टडीज आब्जरवेशन कार्यशाला भी संचालित की। इसमें 165 बच्चों और अध्यापकों ने भाग लिया, 11 दिसम्बर 2015।
- तारामण्डल द्वारा वार्षिक अंतरिक्ष कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, 8 फरवरी 2016।
- तारामण्डल ने मेसर्स 'अपरचर टेलिस्कोप्स' के सहयोग से एस्ट्रोफोटोग्राफी कार्यशाला आयोजित की, 29 फरवरी, 2016।
- नेहरू तारामण्डल ने जंतर मंतर वेधशाला में पब्लिक आब्जरवेशन व ज्ञानर्द्धक कार्यक्रमों का आयोजन किया, 20 मार्च, 2016।

विशेष कार्यक्रम

बाल पखवाड़ा

- भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 125वीं जयंती के अवसर पर तारामण्डल में बाल पखवाड़े का आयोजन किया गया। यह पखवाड़ा 15 से 30 नवम्बर 2015 तक आयोजित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय रोशनी वर्ष 2015

- यूनेस्को द्वारा घोषित अंतर्राष्ट्रीय रोशनी वर्ष 2015 के अवसर पर तारामण्डल ने एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जो धरती और आकाश की एस्ट्रोफोटोग्राफी से संबंधित था। इसमें भारत की संपदा को उजागर किया गया। इसके तहत् पृष्ठभूमि में भारतीय स्मारक को रखते हुए नाईट स्काई स्केप्स की तस्वीरें लेने के लिए विशेष सत्र

रखे गए। इस अवसर पर संस्कृति मंत्रालय के सचिव ने 'हेरिटेज नाईट स्केप्स–एन इकजिबीशॅन ऑन एस्ट्रोफोटोग्राफी' विषय पर प्रदर्शनी का उद्‌घाटन भी किया, 23 दिसम्बर, 2015।

नेहरू बाल एवं युवा अध्ययन केन्द्र के सहयोग से आयोजित कार्यशालाएं

- 'यह तारा वो तारा' नामक रोशनी प्रदूषण पर स्कूली छात्रों के लिए हिंदी में कार्यशाला, 29 अप्रैल 2015; यह कार्यशाला नवयुग स्कूल, लोधी रोड, केन्द्रीय विद्यालय, नोएडा;, सर्वोदय विद्यालय, नन्द नगरी, केन्द्रीय विद्यालय, विकासपुरी, 15 जुलाई 2015; के छात्रों के लिए नवयुग स्कूल, पंडारा पार्क, एनपी को-एड स्कूल, औरंगज़ेब रोड के छात्रों के लिए 20 अगस्त 2015; केन्द्रीय विद्यालय, विकासपुरी के छात्र तथा लॉयन्स विद्या मंदिर, काश्मीर हाउस के छात्र, 16 सितम्बर 2015; तथा 26 नवम्बर 2015 एवं 16 दिसम्बर 2015 को स्कूली छात्रों के लिए कार्यशालाएं आयोजित की गईं।
- 'डीप स्काई रंगोली प्रतियोगिता' और बच्चों के लिए कार्यशाला, 18 दिसम्बर 2015।
- माध्यमिक स्तर के स्कूली छात्रों के लिए सूर्य–पृथ्वी संबंध पर कार्यशाला। यह सूर्य की गति, नेहरू तारामण्डल थिएटर में तारों की पृष्ठभूमि में दिखाया गया, 12 फरवरी 2016।

पब्लिक स्काई वॉच (सार्वजनिक आकाशदर्शन)

तारामण्डल द्वारा पब्लिक स्काई वॉच के नियमित कार्यक्रम पूरे वर्ष किए गए। इनमें से कुछ उल्लेखनीय थे :

शनि और शुक्र ग्रह की युति के दर्शन, 9 जनवरी 2016; चमकीला तारा अलडेबरन का चन्द्रमा सहित दर्शन, 14 मार्च 2016।

परिसर के बाहर आयोजित स्काई वॉच

विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के अनुरोध पर तारामण्डल ने निम्न जगह स्काई वॉच आयोजित किए :

- जैन भारती मृगावती स्कूल, जी. टी. करनाल रोड, 8 मई 2015।
- जगशांति उदयन केयर होम, ग्रेटर नोएडा, 17 जून 2015।
- आरडी वर्ल्ड स्कूल, गुडगांव, 20 नवम्बर, 2015।
- शिव नादर स्कूल, गुडगांव, 11 मार्च 2016
- सेंट मेरी स्कूल, सफदरजंग एन्केलव, नई दिल्ली, तथा घिटोरनी के स्कूली बच्चों के लिए, 22 मार्च 2016।

आनंद इंजीनियरिंग कॉलेज, आगरा के अनुरोध पर तारामण्डल ने ताज एस्ट्रोनॉमिकल महोत्सव में भी भाग लिया। इस महोत्सव में नेहरू तारामण्डल द्वारा तैयार किए गए एस्ट्रोफोटोग्राफी प्रदर्शनी भी लगाई गई तथा तारामण्डल के स्टॉफ ने दूरबीनों के माध्यम से आकाश दर्शन का सत्र भी रखा, 15 से 18 फरवरी 2016।

परिसर के बाहर आयोजित व्याख्यान

- खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के अनुरोध पर निदेशक तारामण्डल द्वारा 'न्यू टेलिस्कोप ऐण्ड एस्ट्रोनॉमी' विषय पर व्याख्यान दिया गया। यह व्याख्यान 'ट्रेनिंग फॉर इंटरनेशनल फिजिक्स ओलिंपेयाड' के सहभागियों के लिए था, 19 जून 2015।
- एमआईईएफ, गैर सरकारी संगठन तथा एनसीएसटीसी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के सहयोग से नेहरू तारामण्डल की निदेशक ने अंतर्विद्यालय वाद–विवाद (अंग्रेजी में) उसकी अध्यक्षता की। इसका विषय था 'साइंस इज फॉर साइंटिस्टस, डू नॉट कन्फ्यूज अदर्स', 14 अक्टूबर 2015।
- निदेशक, नेहरू तारामण्डल द्वारा श्याम लाल आनंद कॉलेज, शाहदरा द्वारा आयोजित भौतिक विज्ञान समारोह में 'जंतर मंतर' पर वार्ता दी, 15 अक्टूबर 2015।
- डायनैमिकल एस्ट्रोनॉमी पर मौलाना आजाद राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बैठक में, निदेशक, नेहरू तारामण्डल ने 'जंतर मंतर' पर व्याख्यान दिया, 15 दिसम्बर 2015।

- एन'स कॉलेज, हैदराबाद में निदेशक, नेहरू तारामण्डल ने 'कटिंग एज एस्ट्रोनॉमी डायरेक्शंसः इंडियन फुटप्रिंट ऐण्ड स्टूडेंट् अपारचुनिटीज' विषय पर व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान विज्ञान, शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में नारी पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिया गया, 4 मार्च 2016।

- हिन्दू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के वार्षिक विज्ञान महोत्सव, 2016 में निदेशक, नेहरू तारामण्डल ने जंतर मंतर ऑब्जरवेट्रीज : टीचिंग लैब्रॉटीज ऑफ पोजीशनल एस्ट्रोनॉमी पर व्याख्यान दिया, 18 मार्च 2016।

- फिजिक्स और एस्ट्रोफिजिक्स विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में निदेशक, नेहरू तारामण्डल द्वारा 'एस्ट्रोनॉमी एज एन आउटरीच टूल' पर वार्ता प्रस्तुत की गई, 31 मार्च 2016।

बुरला, उड़ीसा में तारामण्डल के निर्माण के लिए आमंत्रित टेंडरों पर निर्णय लेने हेतु तकनीकी समिति की बैठक में निदेशक, नेहरू तारामण्डल ने भाग लिया, 16 एवं 17 अप्रैल 2015।

मध्य प्रदेश विज्ञान एवं तकनीकी परिषद् के अनुरोध पर, निदेशक, तारामण्डल ने उज्जैन के तारामण्डल में फिल्मों की खरीद के लिए गठित तकनीकी समिति की बैठक की अध्यक्षता की, 12 जनवरी 2016, 1 फरवरी 2016 तथा 1 मार्च 2016।

व्याख्यान वार्ताओं का अभिलेखीकरण

निदेशक, नेहरू तारामण्डल ने इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल यूनियन, हवाई की आम सभा में दो पर्चे प्रस्तुत किए : (1) आउटरीच थ्रू आर्कियो एस्ट्रोनॉमी फील्ड वर्क : एक्सपीरियंस फ्रॉम दि जंतर मंतर ऑब्जरवेट्रीज ऑफ इंडिया' पर मौखिक प्रस्तुति तथा (2) 'पब्लिक पार्टिसिपेशन इन फुल डोम डिजिटल विजुअलाइजेशंस ऑफ लार्ज डाटासेट इन प्लैनिटेरियम स्काई थिएटर : एन एक्सपेरिमेंट इन प्रोग्रेस' पर पोस्टर प्रस्तुति, 3–14 अगस्त 2015।

बजट और लेखा

वर्ष 2015–16 के दौरान, भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय, ने गैर–योजनागत अनुदान के रुप में अर्थात् वेतन आदि एवं सोसाइटी के सामान्य रख–रखाव के लिए 21.93 करोड़ रुपए की धनराशि तथा तात्या टोपे की 200वीं जयंती के अवसर पर विशेष व्याख्यान, सम्मेलन आदि के लिए 3.30 लाख रूपए का विशेष अनुदान दिया तथा रानी गाईदिनल्यू, लाला लाजपत राय के जयंती समारोह में विशेष व्याख्यान के आयोजन के लिए 3.00 लाख का विशेष अनुदान स्वीकृत किया।

इसके अतिरिक्त, वर्ष के दौरान गैर–योजनागत लेखा में विविध फुटकर प्राप्तियां 121.36 लाख रुपए थी।

सोसाइटी द्वारा अन्य विविध शैक्षिक/शोध संवर्धन संस्थाओं के शोध अध्येताओं को भी संबद्ध किया गया। वर्ष के दौरान, इन शोध अध्येताओं की अध्येतावृत्ति एवं आक्स्मिक व्यय की अदायगी के लिए 19. 86 करोड़ रुपए की धनराशि अलग से वर्ष 2015–16 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त हुई हैं।

हिंदी का प्रगामी प्रयोग

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन का कार्य सहायक निदेशक (हिंदी) की देख रेख में चल रहा है। संस्था की विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन निदेशक की अध्यक्षता में किया गया है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, हिंदी एकक द्वारा 'हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं में पारस्परिक संबंध', 'कार्यालय और हिंदी', 'राजभाषा हिंदी की आवश्यकता' तथा 'ऐतिहासिक संदर्भ में राजभाषा हिंदी' जैसे विषयों पर चार कार्यशालाएं आयोजित की गईं। विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार बैठकें क्रमशः 4 जून 2015, 30 सितम्बर 2015, 31 दिसम्बर 2015 व 07 मार्च 2016 को आयोजित की गईं।

राजभाषा विभाग के निदेशों के अनुसरण में 11–30 सितम्बर 2015 तक हिंदी समारोह का आयोजन नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

में किया गया। सुप्रसिद्ध लेखक एवं संस्था के सोसाइटी सदस्य, श्री टी. एन. चतुर्वेदी ने इसका शुभारम्भ किया। इस समारोह में संस्था के स्टॉफ के लिए निबंध लेखन, टिप्पण एवं प्रारुप लेखन, प्रश्नोत्तरी, अनुवाद, कविता, भाषण, स्काई शो, फिल्म प्रदर्शन तथा वृत्त चित्र, आदि जैसे कार्यक्रम रखे गए। इनका आयोजन दैनंदिन सरकारी कार्यों में राजभाषा हिंदी को प्रसारित एवं प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया। इस समारोह का समापन समारोह 14 अक्टूबर 2015 को सभागार में किया गया और संस्था के कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष, प्रो. लोकेश चन्द्र ने कुल मिलाकर 67 पुरस्कार विजेताओं को प्रदान किए।

परिशिष्ट

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय सोसाइटी के सदस्यगण :

1.	श्री नरेन्द्र मोदी	अध्यक्ष
2.	श्री राजनाथ सिंह	उपाध्यक्ष
3.	श्री अरुण जेटली	
4.	श्रीमती स्मृति जूबिन ईरानी	
5.	डॉ. महेश शर्मा	
6.	श्री टी. एन. चतुर्वेदी	
7.	डॉ. कर्ण सिंह	
8.	श्री मलिकार्जुन खड़गे	
9.	श्री एम. के. रसगोत्रा	
10.	श्री नितिन देसाई	
11.	डॉ. बी. पी. सिंह	
12.	श्री नारायणा मूर्ति	
13.	प्रो. मकरंद परांजपे	
14.	डॉ. प्रताप भानु मेहता	
15.	प्रो. नयनजोत लहिरी	
16.	प्रो. उदयोन मिश्रा	
17.	प्रो. बिबेक देबरॉय	
18.	प्रो. लोकेश चन्द्र	
19.	प्रो. कस्तूरीरंगन	
20.	प्रो. राजीव कुमार	

21. प्रो. चन्द्रशेखर दासगुप्ता
22. श्री स्वप्न दासगुप्ता
23. श्री एम. जे. अकबर
24. डॉ. विजय केलकर
25. जनरल वी. पी. मलिक
26. श्री सुदर्शन अग्रवाल
27. डॉ. ए. सूर्य प्रकाश
28. श्री ए. जी. के. मेनन
29. सचिव, वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, भारत सरकार (पदेन)
30. सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार (पदेन)
31. सचिव, शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार (पदेन)
32. श्री जयराम रमेश
33. अध्यक्ष. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
34. श्री शक्ति सिन्हा, निदेशक, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

कार्यकारिणी परिषद के सदस्यगण

1.	प्रो. लोकेश चन्द्र	अध्यक्ष
2.	श्री एम. जे. अकबर	उपाध्यक्ष
3.	श्री नितिन देसाई	
4.	श्री स्वप्न दासगुप्ता	
5.	श्री ए. सूर्य प्रकाश	
6.	वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय (पदेन)	
7.	संस्कृति मंत्रालय के प्रतिनिधि (पदेन), (संयुक्त सचिव प्रभारी)	
8.	श्री शक्ति सिन्हा, निदेशक, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय	

वित्त समिति के सदस्यगण

1.	श्री नितिन देसाई	अध्यक्ष
2.	प्रो. राजीव कुमार	
3.	डॉ. चन्द्रशेखर दासगुप्ता	
4.	वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय (पदेन)	
5.	श्री शक्ति सिन्हा, निदेशक, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय	

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

2015–16 के वार्षिक लेखे

सूची

1. लेखीकरण नीतियां तथा लेखों पर टिप्पणियां
2. तुलन पत्र
3. तुलन पत्र की अनुसूचियां
4. आय एवं व्यय
5. आय एवं व्यय की अनुसूचियां
6. प्राप्तियां एवं भुगतान लेखे
7. लेखों का अनुलग्नक 'ए' से 'एफ'
8. अंशदायी/सामान्य भविष्य निधि की प्राप्तियां एवं भुगतान
9. अंशदायी/सामान्य भविष्य निधि का तुलन पत्र

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय
तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

अनुसूची–19

लेखीकरण नीतियां तथा 31 मार्च, 2016 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लेखों पर टिप्पणियां :

नेहरु स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय की स्थापना सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत् 01/04/1966 को हुई थी। नेहरु स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय मुख्यतः एक शोध संस्थान है जो समाजविज्ञान विशेष रूप से आधुनिक भारत के इतिहास के क्षेत्र में उच्च कोटि के अनुसंधान कार्य में लगा हुआ है। यह पुस्तकालय तथा संग्रहालय की स्थापना, रख–रखाव और उसकी कार्य प्रणाली भी देखता है। यह पूर्णतया संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है और एक गैर लाभकारी व गैर विनिर्माणकारी निकाय है। इस लेखे में नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय सोसाइटी व आधुनिकीकरण परियोजनाओं, सामान्य भविष्य निधि एवं सोसाइटी की अंशदायी भविष्य निधि के लेखे शामिल हैं।

अ. लेखीकरण नीतियां

1. परंपरागत लेखीकरण विधि

नेहरु स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय की वित्तीय विवरणिका हिस्टॉरिकल कॉस्ट कंवेंशन परिपाटी पर, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखे के मानदण्डों के अनुसरण में प्रोद्भवन आधार पर तैयार किए गए हैं।

2. अनुमानित खर्च का उपयोग

वित्तीय विवरणियां अनुमानित राशि के आधार पर तैयार की जाती हैं जो परिसंपत्तियों एवं देयताओं की बताई गई राशि और वर्ष

की वित्तीय विवरणियों में राजस्व व व्यय की बतायी गई राशि में देखी जा सकती है। वास्तविक परिणाम और अनुमानित व्यय के अंतर का आकलन, उस अवधि के घोषित परिणाम के आधार पर किया जाता है।

आय अंकन

क) टिकटों व अन्य प्रदत्त सेवाओं से अर्जित आय का लेखीकरण रसीदों के आधार पर होता है तथा जहां कहीं निवल छूट निश्चित है, वह लागू है।

ख) पुस्तकालय सदस्यता शुल्क का लेखीकरण नकद आधार पर किया जाता है।

ग) रॉयल्टी के रूप में हुई आय का लेखीकरण नकदी आधार पर प्रकाशकों से प्राप्त विवरणिका तथा शर्तों या उचित करारों के आधार पर की जाती है।

घ) निवेश से हुई आय –

i. ब्याज धारित प्रतिभूतियों तथा सावधि जमा पर ब्याज का आकलन समय सीमा आधार पर, बकाया राशि को मद्देनज़र रखते हुए तथा लागू ब्याज दर के अनुकूल की जाती है।

ii. विशिष्ट/अक्षय निधियों से संबंधित ब्याज, संबंधित निधि के बहीखाते में दिखाया जाता है।

3. सहायता अनुदान

आय हेतु सरकारी अनुदान, रसीदों के आधार पर आय के रूप में चिन्हित है और उनमें से किए गए खर्चो को आय और व्यय खाते के रूप में दर्शाया जाता है। अव्ययित राशि वर्ष के अंत में देयता के रूप में मानी जाती है और अगले वर्ष में अंतरित की जाती है।

विशिष्ट अचल संपत्तियों के अर्जन के लिए सरकारी अनुदान को पूंजीगत निधि में जमा किया जाता है। मूल्यह्रास के समतुल्य राशि

को वर्ष के आय और व्यय खाते में दर्शाया जाता है।

5. निधि

i) 'निधि' शब्द का प्रयोग इस उद्देश्य को संप्रेषित करने के लिए किया जाता है कि आदि शेष को अंततः निवेशित रखा जाए।

ii) समग्र निधि से अभिप्राय उस निधि से है जो संस्थापकों के योगदान से निर्मित है और उनके द्वारा स्पष्ट निर्देश हैं कि यह नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय निधि का हिस्सा है।

iii) पूंजीगत निधि, सहायता अनुदान से बनाई गई स्थाई परिसंपत्तियों के मूल्य को दर्शाता है।

6. स्थाई परिसंपत्तियां

गैर–मूल्यह्रास वाली परिसंपत्तियों को छोड़कर स्थाई परिसंपत्तियों की मूल कीमत, ह्रास घटाकर दिखाई गई हैं।

7. मूल्यह्रास

मूल्यह्रास का निर्धारण, ह्रासित मूल्य परिपाटी के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 के तहत् निर्धारित दरों के अनुसार किया जाता है।

8. निवेश

प्रबंधन नीतियों के अनुसार निवेश को उनकी परिपक्वता अवधि पूरी होने तक रखा जाता है और इस दिन की कीमत के अनुसार उसका मूल्य नियत है।

9. संपत्ति सूची (इनवेंट्री)

प्रकाशनों और कच्ची माइक्रोफिल्मों की इनवेंट्री, कीमत के अनुसार दर्शायी जाती है।

10. कार्मिक लाभ

सेवानिवृत्त लाभों में, केन्द्रीय सरकार के नियमों के अनुसार सामान्य

भविष्य निधि, मृत्यु–सह–निवृत्ति उपदान, पेंशन तथा छुट्टी नकदीकरण एवं सेवानिवृत्त पश्चात् चिकित्सा लाभ जिसका भुगतान नकद में किया जाता है, शामिल हैं।

11. आकस्मिक देयताएं :

उचित संभावनाओं के पाए जाने पर आकस्मिक प्रकृति की देयताओं का प्रावधान किया जाता हैं। छोटे दावों को छोड़कर अन्य आकस्मिक देयताएं जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है, टिप्पणी के माध्यम से दर्शाए जाते हैं।

ब. लेखों पर टिप्पणियां

1) 31 मार्च, 2016 को सामान्य भविष्य निधि एवं अंशदायी भविष्य निधि के निवेश पर 59,27,675 रूपए (31.3.2015 की यथास्थिति के अनुसार 63,64,868 लाख रूपए) एवं उसी तिथि को सामान्य भविष्य निधि/अंशदायी भविष्य निधि के संचित शेष की तुलना में कमी पाई गई है। यह कमी वास्तव में केन्द्रीय सरकार की अधिसूचना के अनुसार स्टॉफ की जमा पूंजी पर देय न्यूनतम ब्याज के फलस्वरूप हुई है जिसमें पूर्व वर्षों में निवेश पर कम ब्याज प्राप्त हुआ हैं।

2) उपदान, पेंशन और छुट्टी नकदीकरण का प्रावधान नकद रुप में किया जाता है।

3) *समग्र निधि*

वित्त वर्ष 2013–14 के दौरान, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने 17 सितम्बर, 2013 के पत्र सं. एफ. सं. 9–1/2013–सीऐण्डएम द्वारा नेहरु स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय को अपने कार्यों के लिए 150 करोड़ रूपए (एक सौ पचास करोड़ केवल) की वित्तीय सहायता बतौर समग्र निधि प्रदान की है। उपरोक्त संस्वीकृत अनुदान संबंधित पत्र के अनुच्छेद 2 के अनुसार यह समग्र निधि निम्न शर्तों के अध्यधीन है।

i) नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय अपनी वार्षिक योजनाओं के लिए निधियों की जरूरत को इस कॉर्पस निधि पर अर्जित

ब्याज द्वारा वर्ष 2014–15 से पूरा करेगा जिसमें पूंजीगत परिसंपत्तियों के लिए अनुदान शामिल होगी।

ii) इस कॉर्पस निधि का निवेश भारत सरकार द्वारा निर्धारित दिशा निर्देशों के आधार पर किया जाएं और नेहरु स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय द्वारा इसके लिए निवेश समिति गठित की जाएं। अर्जित ब्याज का उपयोग एनएमएमएल के योजनागत व्यय पूर्ति के लिए किया जाएं जिसमें चालू और भविष्य के उद्देश्य शामिल होंगे।

iii) कॉर्पस पर अर्जित ब्याज हेतु अलग लेखे रखे जाएं और उनका प्रयोग संस्वीकृत उद्देश्य के लिए किया जाए तथा नियमित प्रशासनिक कार्यों के लिए इसमें से कोई खर्च न किया जाए।

iv) संस्कृति मंत्रालय के मंजूरी के बिना इस निधि का उपयोग किन्हीं अन्य कार्यों के लिए न किया जाए।

v) नेहरु स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय द्वारा एक समिति गठित की जाए जो कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए समय–समय पर मंत्रालय को इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

vi) इस ब्याज से निर्मित परिसंपत्तियों को बिना भारत सरकार की मंजूरी के निपटाया न जाए, न ही उसका उपयोग नियत उद्देश्य के लिए संस्वीकृत अनुदान के अतिरिक्त किसी और कार्य के लिए किया जाए।

vii) अर्जित ब्याज से पूर्णतः या आंशिक रूप से जुटाई गई परिसंपत्तियों का अलग से निर्धारित प्रक्रिया के तहत् रजिस्टर में लेखा–जोखा रखा जाए तथा अर्जित परिसंपत्तियों की अधिप्रमाणित प्रति मंत्रालय को प्रत्येक वर्ष भेजी जाए।

4) 15 मई, 2013 को कार्यकारिणी परिषद् के अध्यक्ष द्वारा निवेश समिति के गठन को मंजूरी प्रदान की गई। निवेश समिति में डॉ. विजय केलकर, अध्यक्ष और डॉ. उषा थोराट, वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय, नेहरु स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

के प्रभारी संयुक्त सचिव तथा निदेशक, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय को सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया। इस समिति की बैठकें तीन बार क्रमशः 14 अगस्त, 2013, 5 अक्टूबर, 2013 और 18 मार्च, 2014 को हुई और अंतिम बैठक में यह निर्णय लिया गया कि इस कॉर्पस निधि को तीन राष्ट्रीयकृत बैंको में निवेशित किया जाए।

5) कार्पस निधि पर हुए चर्चा के संदर्भ में 24 जून, 2014 को हुई कार्यकारिणी परिषद् की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार नीचे दर्शायी गई राशि को कार्पस निधि के अप्रयुक्त ब्याज से 31 मार्च, 2016 की कार्पस निधि के प्रयुक्त ब्याज के रूप में स्थानांतरित कर दिया गया है।

– वित्त वर्ष 2013–14 (लगभग 25 प्रतिशत)	रू. 1,30,00,000
– वित्त वर्ष 2014–15 (लगभग 50 प्रतिशत)	रू. 5,40,00,000
– वित्त वर्ष 2015–16 (लगभग 50 प्रतिशत)	रू. 7,50,00,000
	रू. 14,20,00,000/–

6) 31 मार्च, 2016 की यथास्थिति के अनुसार जो समग्र निधि के निवेश पर प्राप्त अप्रयुक्त ब्याज 23,85,651/– है (31 मार्च, 2015 को 8,87,61,357/–) की जो संचित अधिशेष है। इसका प्रयोग नेहरु स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय के योजनागत व्यय की पूर्ति के लिए किया जाएगा। इसमें चालू वर्ष और भविष्य के महत्वपूर्ण उद्देश्यों के लिए इसका प्रयोग संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के संस्वीकृत अनुदान पत्र के नियमों के अनुसार किया जाएगा।

7) पूर्व वर्ष के आकड़ो को जहां–जहां आवश्यक समझा गया पुनः वर्गीकृत/पुनः दर्शाया गया है।

अनुसूची 1 से 9 वित्तीय विवरणी का मुख्य हिस्सा है।

(निधि श्रीवास्तव)
प्रशासनिक अधिकारी

(शक्ति सिन्हा)
निदेशक

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

वर्ष 2015–2016 की प्राप्तियां एवं भुगतान का लेखा विवरण

प्राप्तियां		राशि	राशि	भुगतान	राशि	राशि
I.	आदि शेष			I. स्थापना संबंधी खर्चे		
i)	**हस्तगत रोकड़**	49,898		**क. वेतन एवं भत्ते**	**63,430,383**	
ii)	**बैंक में रोकड़**	114,227,512	**114,227,410**	**ख. समयोपरि भत्ते**	**48,123**	
आदि शेष का ब्योरा				**ग. बच्चों का शिक्षण भत्ता/शिक्षण शुल्क**	**443,927**	
i)	**गैर योजनागत अनुदान**	**3,297,233**		**घ. सेवानिवृत्ति लाभ/पेंशन**	**44,216,889**	
ii)	**योजनागत अनुदान**	**52,205,497**		**ड. यूनिफार्म एवं वर्दियां**	**125,536**	
iii)	**श्रीकांत दत्त अक्षय निधि**	**232**		**च. सी0जी0एच0एस0/चिकित्सा सुविधाएं**	**3,683,993**	
iv)	**चेलापति राव अक्षय निधि**	**652**		**छ. आकस्मिक श्रमिक**	**14,000**	
v)	**अन्य**	**14,074,779**		**ज. आकस्मिक खर्चे (स्टॉफ)**	**23,528**	
vi)	**आधुनिकीकरण परियोजना निधि**	**39,232,238**		**झ. अवकाश रियायती यात्रा सुविधा**	**227,972**	
vii)	**विशेष अनुदान**	**5,466,779**		**ञ. यात्रा भत्ता (स्टॉफ)**	**107,976**	
				त. वाहन	**25,508**	
II.	**संस्कृति मंत्रालय, भारत**			**थ. आउटसोर्स एजेंसी**	**7,326,851**	**119,674,686**
	सरकार से प्राप्त					
	सहायता अनुदान			ii) प्रशासनिक खर्चे		
i)	**गैर योजनागत**			**क. निजी सुरक्षा व्यवस्था**	**4,950,101**	
	वेतन	**166,431,358**		**ख. निजी सफाई व्यवस्था**	**3,212,117**	
	सामान्य	**52968,069**		**ग. लेखन सामग्री एवं मुद्रण**	**878,999**	
ii)	**तात्या टोपे की 200वीं जयंती**	**330,000**		**घ. डाक खर्चे**	**78,644**	
iii)	**लाला लाजपत राय**	**300,000**	**220,029,427**	**च. टेलीफोन खर्चे**	**769,433**	

III. निवेश से आय			छ. बिजली एवं पानी खर्चे	22,629,907	
i) गैर योजनागत अनुदान के			ज. गैर सरकारी व्यक्तियों को यात्रा भत्ता	964,126	
निवेश पर आय	193,493,247		झ. स्टॉफ कार	509,980	
ii) लघु सावधि जमा से आय	396,283		ञ. वातानुकूलन संयंत्र का रख–रखाव	2,610,606	
iii) जमा से होने वाली आय (समग्र)	95,113,362		ट. पुस्तकालय की पुस्तकों की जिल्दबंदी	53,261	
iv) जमा से होने वाली आय	3,372,244		ठ. विज्ञापन एवं प्रचार	1,523,766	
(विशेष अनुदान)			ड. कानूनी खर्चे	1,702,063	
v) लम्बे समय तक जमा	5,150,255	297,525,391	ढ. मानदेय	57,000	
(आधुनिकीकरण)			ण. फर्नीचर की मरम्मत	1,411,003	
IV. अन्य आय			त. विविध खर्चे	791,631	
i) ऑडिटोरियम/सेमिनार कक्ष का	1,971,700		थ. मनोरंजन	151,206	
किराया			द. उपभोग्य स्टोर	418,347	
ii) पुस्तकालय सदस्यता शुल्क	747,300		ध. लेखापरीक्षा शुल्क	268,025	
iii) माइक्रोफिल्म, जिरॉक्स आदि	592,400		न. जवाहर ज्योति का रख–रखाव	18,202	
iv) विविध प्राप्तियां	101,705		प. कंप्यूटरीकरण उपभोग्य	7,845	
v) पुस्तकों से रॉयल्टी	53,888		फ. सॉविनिअॅर शॉप	178,852	
vi) प्रकाशनों की बिक्री	43,226		ब. संगोष्ठी और व्याख्यान	664,696	
vii) लॉकर प्रभार	330		भ. लिंक बीमा	60,000	43,909,810
viii) इंटरनेट प्रभार	19,590		II) विभिन्न योजनाओं के लिए किए		
ix) अन्य प्रभार	543,441		गए भुगतान		
x) पुस्तकालय फोटो की बिक्री	107,130		i) फेलोशिप	22,361,207	
xi) समूह बीमा	459,738		ii) कार्मिकों का अंशदान	373,759	
xii) सॉविनियर शॉप	362,066	5,002,514	iii) क. संग्रहालय का विकास	2,938,832	
V. नेहरू तारामण्डल			ख. अवकाश वेतन पेंशन अंशदान	–	
i) टिकटों की बिक्री	6,926,710		iv) क. शोध उन्नयन	729,303	
ii) नेहरू तारामण्डल	5,055		ख. सेमिनार/व्याख्यान	949,347	
iii) नेहरू तारामण्डल उपकरण	5,621,890	12,553,655	ग. प्रकाशन	509,001	

VI.	ऋण/अग्रिम			घ.	मौखिक इतिहास प्रभाग का विकास	1,025,180	
क.	कार/साईकिल/स्कूटर अग्रिम	4,000		ङ.	पुस्तकालय का विकास	1,016,098	
ख.	त्यौहार अग्रिम	234,250		च.	सी0 आर0 प्रोजेक्ट	991,359	
ग.	स्टाफ अग्रिम पर ब्याज	28,875		छ.	पाण्डुलिपि प्रभाग का विकास	2,092,509	
घ.	मकान निर्माण अग्रिम	67,500	334,625	ज.	बाल संसाधन केन्द्र	228,701	33,215,296
VII.	फेलोज़ के लिए प्राप्त राशि			III)	ऋण और अग्रिम		
क.	आई0 सी0 एच0 आर0	–		क.	त्यौहार अग्रिम	261,000	261,000
ख.	आई0 सी0 एस0 एस0 आर0	–		IV)	नेहरू तारामण्डल		
ग.	यू0 जी0 सी0	1,986,428	1,986,428	क.	वेतन एवं भत्ते	6,156,246	
				ख.	अं0 भ0 निधि/ग्रेज्युटी का सोसाइटी अंश	215,898	
				ग.	तारामण्डल का रख–रखाव	905,041	
				घ.	सी.पी.एफ./ग्रेच्युटी भुगतान	614,044	7,891,229
VIII.	परियोजना एवं अक्षय निधि			V)	स्थायी परिसंपत्तियां तथा पूंजीगत कार्य पर व्यय		
a)	श्रीकांत दत्त अक्षय निधि						
	प्राप्त अक्षयनिधि			क.	पुस्तकालय की पुस्तकें (योजनागत)	4,051,231	
	अक्षय निधि सावधि जमा	133,831		ख.	उपकरण	27,394	
	पर प्राप्त ब्याज			ग.	फर्नीचर और फिक्सचर्स	545,903	
	निवेश निधि की परिपक्वता	884,005	1,017,836	घ.	कंप्यूटर	303,602	
b)	चेलापति राव अक्ष्य निधि			ङ.	पर्दे की फिक्सिंग/खरीदी	1,047,884	
	प्राप्त अक्षयनिधि			च.	एन.एम.एम.एल. का उन्नयन	–	
	अक्षय निधि सावधि जमा	393,380		छ.	पी.एन.जी. गैस पाईप	36,614	
	पर प्राप्त ब्याज			ज.	बाल संसाधन केन्द्र का निर्माण	498,740	6,511,368
	निवेश निधि की परिपक्वता	2,560,880	2,954,260	VI)	अन्य भुगतान		
IX.	एफ.डी.आर. की परिपक्वता			i)	रिप्रोग्राफी सेवाएं एवं परिरक्षण	164,784	
i)	आधुनिकीकरण	55,744,246		ii)	पुस्तकालय भवन में पीवीसी टाईल्स का प्रतिस्थापन	3,010,800	
ii)	समग्र निधि	568,000,000					

iii) **विशेष अनुदान**	**258,007,441**	881,751,687	**iii) इंटरकॉम**	**25,800**	
			iv) प्रदर्शनी	**1,212,298**	
X. नई पेंशन योजना	**167,324**	167,324	**v) स्टॉफ ट्रेनिंग**	**30,000**	
			vi) अकेजनल पेपर का प्रकाशन	**162,800**	
XI. प्रतिभूति जमा	**100,000**	100,000	**vii) अग्निशमन सिलेंडर का पुनर्भराव**	**479,502**	
			viii) एंटीवाइरस संबंधी खर्चे	**85,461**	
XI. आधुनिकीकरण परियोजना			**ix) संग्रहालय भवन का क्रमोन्ययन**	**20,769,934**	**25,941,379**
i) यू.पी.एस. सी.पी.डब्ल्यू.डी.	**34,827**		VII) आधुनिकीकरण परियोजना		
ii) सुविनिअॅर शॉप का नवीकरण	**877,877**		**(क) यू.पी.एस. सी.पी.डब्ल्यू.डी.**	**34,827**	
iii) आधुनिकीकरण परियोजना	**3,81,18,043**	**39,030,747**	**(ख) डिजिटलीकरण कार्य वेतन**	**1,178,521**	
			(ग) डिजिटलीकरण	**6,692,634**	
			(घ) अनैक्सी भवन के लिए फर्नीचर	**–**	
			(च) फर्नीचर और उपकरण	**–**	
			(छ) सुविनिअॅर शॉप का नवीकरण	**877,877**	
			(ज) बैंक प्रभार	**2,403**	
			(प) रिप्रोग्राफी विभाग	**210,685**	**8,996,947**
			VIII) संबद्ध फेलोज़ को किया गया भुगतान		
			1. फेलोज–आई0 सी0 एच0 आर0	**–**	
			2. फेलोज–आई0 सी0 एस0 एस0 आर0	**50,378**	
			3. फेलोज–यू0 जी0 सी0	**9,220,853**	
			4. नई पेंशन योजना	**118,214**	**9,389,445**
			IX) परियोजना एवं अक्षय निधि		
			क. मोतीलाल नेहरू की 125वीं जयंती	**–**	
			ख. नेहरू पोर्टल	**2,158,489**	
			ग. जवाहरलाल नेहरू के चुनिंदा कार्य	**703,653**	
			घ. तात्या टोपे की 200वीं जयंती	**135,332**	

			च. बयाना राशि	**–**	
			छ. लाला लाजपत राय	**75,933**	3,073,407
			X) स्थायी जमा में निवेश		
			एस0 के0 डी0	**1,017,836**	
			चेलापति राव	**2,954,260**	**3,972,096**
			XI) समग्र निधि का निवेश	**598,000,000**	598,000,000
			XI) विशेष निधि का निवेश	**220,000,000**	220,000,000
			XII) आधुनिकीकरण–एफ.डी. आर.	**98,063,919**	98,063,919
			XIII) लघु अवधि जमा योजना में निवेश	**229,096,494**	229,096,494
			XIV) वित्त वर्ष 2014–15 के लिए देय राशि	**3,773,838**	3,773,838
			XV) अंतशेष		
			i) हस्तगत रोकड़	**77,782**	
			iii) बैंक में रोकड	**164,882,608**	164,960,390
			अंतशेष का ब्योरा		
			i) गैर योजनागत अनुदान	**22,041,688**	
			ii) योजनागत अनुदान	**90,820,574**	
			iii) श्रीकांत दत्त अक्षय निधि	**232**	
			iv) चेलापति राव अक्षय निधि	**652**	
			v) अन्य	**7,162,255**	
			vi) आधुनिकीकरण परियोजना निधि	**40,062,820**	
			vii) विशेष अनुदान	**4,872,169**	
	कुल	1,576,731,304		कुल	1,576,731,304

(निधि श्रीवास्तव)
प्रशासनिक अधिकारी

(शक्ति सिन्हा)
निदेशक

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

31 मार्च, 2016 को समाप्त वित्त वर्ष के आय एवं व्यय का लेखा विवरण

(राशि–रूपए में)

आय	अनुसूची	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
बिक्री / सेवाओं से आय	10	7,591,523	7,239,118
अनुदान / सब्सिडी	11		
– गैर योजनागत		214,080,669	169,899,213
– योजनागत		211,265	54,758,575
शुल्क / अंशदान	12	747,300	766,877
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	13	53,888	70,911
सावधि जमा पर अर्जित ब्याज	14	158,252,068	160,841,757
अन्य आय	15	3,003,067	3,273,333
कुल (क)		**383,939780**	**396,849,784**
व्यय	**अनुसूची**	**चालू वर्ष**	**पूर्व वर्ष**
स्थापना खर्चे गैर योजनागत	**16**	127,528,162	131,470,290
अन्य प्रशासनिक खर्चे आदि	**17**	104,889,787	153,881,485
मूल्य ह्रास (वर्ष की समाप्ति पर सकल योग–अनुसूची 8 के अनुरूप)	**18**	22,336,282	29,332,521
घटाएं – पूंजीगत निधि लेखे से अंतरित	**2**	(22,336,282)	(29,332,521)
		–	–
कुल (ख)		**232,417,949**	**285,351,775**

अधिशेष/(घाटा)		*151,521,831*	*111,498,009*
घटाएं : समग्र निधि से अंतरित शेष राशि		*75,000,000*	*67,000,000*
तुलन पत्र में अग्रेषित कुल अधिशेष		*76,521,831*	*44,498,009*

(निधि श्रीवास्तव)
प्रशासनिक अधिकारी

(शक्ति सिन्हा)
निदेशक

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय
तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

31 मार्च, 2016 को समाप्त वित्त वर्ष के आय एवं व्यय का लेखा विवरण

(राशि–रूपए में)

अनुसूची–10 बिक्री/सेवाओं से आय		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1. बिक्री से आय			
पुस्तकें, फोटोग्राफ्स/मोमन्टो की बिक्री (बिक्री काउंटर)	362,066		
घटाएं: बेची गई पुस्तकों आदि की लागत	289,653	72,413	76,366
2. माइक्रोफिल्म/जिरॉक्सिंग से आय		592,400	934,602
3. बेची गई टिकटे (नेहरू तारामण्डल)		6,926,710	6,228,150
कुल		**7,591,523**	**7,239,118**

अनुसूची –11– अनुदान/सब्सिडी		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1. केन्द्रीय सरकार से प्राप्त अनुदान (गैर योजनागत)	219,399,427		
जोड़े: पूर्व वर्ष की समायोजित अनुदान	100,573		
घटाए: पूंजीगत अनुदान	–		
घटाए: लौटाया जाने वाला अव्ययित शेष (वसूली योग्य)	5,419,331	214,080,669	169,899,213
योजनागत			
2. केन्द्रीय सरकार से प्राप्त अनुदान (योजनागत)	–		
जोड़े : पूर्व वर्ष का समायोजित अनुदान	–		
1.4.2015 की यथास्थिति के अनुसार अव्ययित शेष	1,637,528		
घटाए : लौटाया जाने वाला अव्ययित शेष	1,637,528		
घटाए : पूंजीगत अनुदान	–	–	216,354

3. **गैर आवर्ती सहायता अनुदान (सामान्य) योजनागत (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार)**		–	
क) पोर्टल चुनिंदा कार्य एवं संस्था का उन्नयन			
1.4.2015 को अव्ययित शेष	145,457,779		
जोड़े : वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान–लाला लाजपत राय	300,000		
जोड़े : वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान–तात्या टोपे	330,000		
घटाए : 31 मार्च, 2016 को अव्ययित शेष	145,876,514	211,265	4,542,221
(ख) राष्ट्रीय कार्यान्वयन समिति, स्मरणीय गतिविधियों के सहायक स्टॉफ			
1.4.2015 को अव्ययित शेष	–		
घटाए : 31 मार्च, 2016 को अव्ययित शेष	–	–	50,000,000
		211,265	54,758,575
कुल		**214,291,934**	**224,657,788**
अनुसूची –12– शुल्क/अंशदान		**चालू वर्ष**	**पूर्व वर्ष**
1. पुस्तकालय सदस्यता शुल्क		747,300	766,877
कुल		**747,300**	**766,877**
अनुसूची –13– रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय			
1. पुस्तकों की रॉयल्टी (शून्य टी.डी.एस. सहित – पूर्व वर्ष शून्य)		53,888	70,911
कुल		**53,888**	**70,911**
अनुसूची –14– सावधि जमा पर अर्जित ब्याज			
1. समग्र निधि पर प्राप्त ब्याज (शून्य टी.डी.एस. सहित – पूर्व वर्ष 36,14,487)		147,146,240	148,561,846
2. अन्य निवेश से प्राप्त ब्याज (3,73,770/– टी.डी.एस. सहित – पूर्व वर्ष 95,464/–)		11,105,828	12,279,911
3. ऋण एवं अग्रिमों पर ब्याज (स्टॉफ)		–	–
कुल		**158,252,068**	**160,841,757**
अनुसूची –15– अन्य आय		**चालू वर्ष**	**पूर्व वर्ष**
1. विविध/लिंक बीमा		101,705	63,942
2. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से प्राप्त अवकाश नकदी एवं पेंशन राशि	–	–	
3. सभागार/संगोष्ठी कक्ष का किराया (2,208/– टी.डी.एस. सहित – पूर्व वर्ष शून्य)		1,971,700	2,064,459

4. लाइसेंस शुल्क		1,880	–
5. इंटरनेट प्रभार		19,590	15,006
6. लॉकर प्रभार		330	560
7. अन्य प्रभार		543,441	400,852
8. प्रकाशन की बिक्री		43,226	125,514
9. तारामण्डल आय		5,055	–
10. फोटोग्राफ्स की बिक्री		107,130	–
11. नियत खर्चों की अधिकता (बट्टा खाता)		–	–
12. अवधि के पहले की आय		209,010	603,000
कुल		**3,003,067**	**3,273,333**
अनुसूची –16– स्थापना व्यय (गैर योजनागत)		**चालू वर्ष**	**पूर्व वर्ष**
1. वेतन एवं भत्ते		63,730,142	66,150,461
2. समयोपरि भत्ता		48,123	29,753
3. बच्चों का शिक्षण भत्ता/शिक्षण शुल्क		443,927	709,257
4. सी.जी.एच.एस/ चिकित्सा सुविधाएं		3,683,993	4,095,146
5. सेवानिवृत्ति लाभ/डीसीआरजी		13,530,230	16,783,583
6. अवकाश यात्रा रियायत (स्टॉफ)		227,972	678,323
7. यात्रा भत्ता (स्टॉफ)		107,976	224,900
8. यूनीफार्म एवं वर्दी लेखा		125,536	193,226
9. आकस्मिक मजदूरी		14,000	–
10. वाहन खर्चे		25,508	159,546
11. वेतन एवं भत्ता (संविदा स्टॉफ)		7,326,851	8,249,643
12. वेतन एवं भत्ता (नेहरू तारामण्डल)		6,188,013	5,899,391
13. विविध एवं आकस्मिक खर्चे		23,528	1,283,693
14. पेंशन का भुगतान		30,993,158	25,822,011
15. स्टॉफ के सा. भ. नि. में जमा ब्याज {अर्जित ब्याज की कमी/अधिशेष (–)}		445,161	437,193

16. नेहरू स्मारक निधि को ग्रेज्युटी का भुगतान		614,044	754,164
कुल		**127,528,162**	**131,470,290**
अनुसूची –17– अन्य प्रशासनिक खर्चे आदि		**चालू वर्ष**	**पूर्व वर्ष**
1. निजी सुरक्षा व्यवस्था		4,950,101	4,445,046
2. निजी सफाई कर्मचारी व्यवस्था		3,212,117	3,096,323
4. लेखन सामग्री और मुद्रण		878,999	1,678,125
5. डाक एवं खर्चे		78,644	184,356
6. टेलीफोन पर खर्चे		769,433	773,500
7. वकील के खर्चे	1	1702,063	445,280
8. बिजली और पानी प्रभार		22,629,907	26,938,162
9. गैर सरकारी व्यक्तियों को यात्रा भत्ता		964,126	522,799
10. वातानुकूलन संयंत्र का रख–रखाव		2,610,606	3,805,678
11. पुस्तकालय की पुस्तकों की जिल्दसाजी		53,261	80,833
12. विज्ञापन एवं प्रचार		1,523,766	2,394,870
13. उपकरण, फर्नीचर, प्रोजेक्टर की मरम्मत व अनुरक्षण		1,411,003	161,221
14. विविध / लिंक बीमा		60,000	571,815
15. स्टॉफ कार का रख–रखाव		509,980	621,056
16. मनोरंजन		151,206	394,550
17. उपभोग्य भंडारण		418,347	1,550,068
18. लेखापरीक्षा शुल्क		268,025	121,382
19. जवाहर ज्योति का रख–रखाव		18,202	21,600
20. मानदेय		57,000	313,805
21. संगोष्ठी एवं व्याख्यान		664,696	140,500
22. रिप्रोग्राफी सेवाएं		147,204	404,831
23. नेहरू तारामंडल (सोसाइटी शेयर भुगतान)		215,898	241,671

24. वेतन और भत्ता एन.पी.एस.		3,559,970	–
25. परिरक्षण सामग्री		17,580	45,461
26. कंप्यूटरीकरण		7,845	643,052
27. विविध व्यय		791,631	–
28. स्टॉफ ट्रेनिंग		30,000	–
28. रिप्रोग्राफी उपकरणों का रख–रखाव		210,685	–
उप कुल योग (क)		**47,912,295**	**49,595,984**
योजनागत			
राजस्व व्यय			
1 फेलोशिप		22,347,114	36,325,277
2. कर्मचारी शेयर/एन.पी.एस./अवकाश पेंशन योगदान		373,759	595,958
3. संग्रहालय का विकास		1,015,893	1,194,899
4. मौखिक इतिहास विभाग का वेतन		1,025,180	217,764
5. पुस्तकालय का विकास		10,300	1,139,716
6. सी.आर. परियोजना		989,359	632,170
7. पांडुलिपि प्रभाग		2,064,154	2,304,487
8. शोध प्रोत्साहन		779,303	1,555,027
9. संगोष्ठी और व्याख्यान		949,347	3,485,499
10. उत्तर पूर्व–संगोष्ठी एवं व्याख्यान		–	152,472
11. प्रकाशन कार्य		414,001	1,009,109
12. एन.एल.सी.सी.वाई. (सी.आर.सी.) बाल संसाधन केन्द्र		228,701	395,696
13. टैगोर फेलोशिप		–	735,206
14. नेहरू स्मारक निधि (जवाहरलाल नेहरू के चुनिंदा कार्य)		–	50,000,000
15. 125वीं जयंती स्मरणीय गतिविधियां/समारोह		663,653	4,537,361
16. लाला लाजपत राय–प्रदर्शनी पर खर्चे		75,933	4,860

17. प्रिंटिंग ऑकेजनल पेपर		162,800	–
18. अग्निशमन यंत्र का पुनर्भराव		479,502	–
19. बैंक शुल्क		2,026	–
20. संग्रहालय विकास पर खर्च		1,827,939	–
21. डिजिटलीकरण वेतन		1,178,521	–
22. डिजिटलीकरण खर्चे		6,692,634	–
23. प्रदर्शनी खर्चे		1,212,298	–
24. नेहरू तारामण्डल खर्चे		905,041	–
25. पुस्तकालय वेतन		951,798	–
26. नेहरू पोर्टल		2,118,489	–
27. तात्या टोपे पर व्यय		135,332	–
28. पूर्व अवधि पर व्यय		10,374,415	–
उप कुल (ख)		56,977,492	104,285,501
कुल		**104,889,787**	**153,881,485**
अनुसूची –18– मूल्यह्रास		**चालू वर्ष**	**पूर्व वर्ष**
अनुलग्नक 'एफ' के अनुसार राशि		22,336,282	29,332,521
कुल		**22,336,282**	**29,332,521**

(निधि श्रीवास्तव)
प्रशासनिक अधिकारी

(शांक्त सिन्हा)
निदेशक

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष का तुलन पत्र

(राशि–रूपए में)

निधि और देयताएं	अनुसूची	31.3.2016 के अनुसार	31.3.2015 के अनुसार
समग्र निधि	1	1,642,000,000	1,567,000,000
पूंजी निधि	2	352,027,114	366,118,591
आरक्षित एवं अधिशेष	3	179,041,242	102,521,091
नियत/अक्षय निधि	4	4,034,809	3,695,582
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	5	308,578,002	264,140,458
कुल		**2,485,681,167**	**2,303,475,722**
परिसंपत्तियां			
1. स्थायी परिसंपत्तियां	6	285,204,192	282,844,462
2. समग्र निधि एवं अन्य का निवेश	7	1,930,974,560	1,798,831,552
3. नियत/अक्षय निधि निवेश से	8	4,033,925	3,694,698
4. वर्तमान परिसंपत्तियां ऋण एवं अग्रिम आदि	9	265,468,490	214,844,054
कुल		**2,485,681,167**	**2,300,214,766**
लेखा नीतियां तथा लेखों पर टिप्पणी **उपरोक्त संदर्भित अनुसूचियां, तुलन पत्र का अभिन्न हिस्सा है।**	19		

(निधि श्रीवास्तव)
प्रशासनिक अधिकारी

(शक्ति सिन्हा)
निदेशक

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय
तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

31 मार्च, 2016 की यथास्थिति के अनुसार के तुलन पत्र की अनुसूचियां

(राशि रूपए में)

अनुसूची–1–समग्र निधि		31.03.2016 के रुप में		31.03.2015 के रुप में
समग्र निधि				
आदि शेष		1,567,000,000		–
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से प्राप्त राशि		–		1,500,000,000
		1,567,000,000		**1,500,000,000**
जोड़े : आय एवं व्यय लेखे से अंतरित राशि (नोट–5 अनुसूची–19 का संदर्भ लें।)		75,000,000		67,000,000
कुल		**1,642,000,000**		**1,567,000,000**
अनुसूची –2– पूंजीगत निधि				
I पूंजीगत निधि–मूल्यह्रास संपत्ति				
आदि शेष	269,698,825		123,029,122	
जोड़े : 31.03.2014 तक सी. डब्ल्यू. आई. पी./एफ.ए. उपयोग की गई राशि के तहत् एवं पूंजीगत निधि में अंतरित राशि	–		164,514,163	
जोड़े : वित्त वर्ष 2014–15 में सी. डब्ल्यू. आई. पी./एफ.ए. के तहत् उपयोग की गई एवं पूंजीगत निधि में अंतरित राशि	–		11,205,636	
जोड़े : वर्ष के दौरान उपहार में प्राप्त पुस्तकें (अनुलग्नक 'डी')	–		282,425	
घटाएं : आय एवं व्यय लेखें में अंतरित राशि का मूल्यह्रास	22,336,282		29,332,521	
		247,362,543		**269,698,825**

II आधुनिकीकरण परियोजना पूंजीगत निधि				
आदि शेष	96,419,766		265,848,838	
घटाएं : 31.03.2014 तक सी. डब्ल्यू. आई. पी./एफ.ए. उपयोग की गई के तहत् एवं पूंजीगत निधि में अंतरित राशि	–		164,514,163	
घटाएं : वित्त वर्ष 2014–15 में सी. डब्ल्यू. आई. पी./एफ.ए. के तहत् एवं पूंजीगत निधि में अंतरित	–	96,419,766	11,205,636	90,129,039
जोड़े : अर्जित ब्याज				
बचत खाते पर प्राप्त ब्याज	52,770		51,742	
एफ.डी.आर. पर प्राप्त ब्याज	5,082,425		7,995,150	
एफ.डी.आर. पर अंतिम अर्जित ब्याज (72,440 टी.डी.एस. सहित – पूर्व वर्ष 90,246)	5,901,249		2,881,885	
घटाएं : पिछले वर्ष का उपार्जित आदि शेष	2,791,639	8,244,805	4,638,050	6,290,727
उप कुल		**104,664,571**		**96,419,766**
कुल		**352,027,114**		**366,118,591**
अनुसूची –3– आरक्षित और अधिशेष				
(क) परिसंपत्ति निधि–अमूल्यह्रास परिसंपत्तियां				
संग्रहालय परिसंपत्तियां (पिछले लेखें के अनुसार)	6,117,442	6,117,442		6,117,442
(ख) अधिशेष				
(समग्र निधि के ब्याज से उपयोग की गई)				
आदि शेष	96,403,649		51,905,640	
जोड़े : संलग्न आय एवं व्यय लेखे के अनुसार अधिशेष	76,520,151	172,923,800	44,498,009	96,403,649
कुल		**179,041,242**		**102,521,091**
अनुसूची –4– नियत/अक्षय निधियां				
क. श्रीकांत दत्त स्मृति फेलोशिप				
1.4.2015 को आदि शेष	183,982		183,982	

जोड़े : वर्ष के दौरान प्राप्त राशि	–	183,982	–	183,982
संचित ब्याज				
आदि शेष	764,323		685,556	
जोड़े : निवेश पर प्राप्त ब्याज	133,831		31,503	
घटाएं : चेलापति राव अक्षय निधि के कान्ट्रा अनुसार समायोजन	–		–	
जोड़े : वर्ष के लिए उपार्जित ब्याज	17,230		64,068	
घटाएं : पिछले वर्ष का उपार्जित ब्याज	64,069		16,804	
घटाएं : उपयोग की गई राशि	–	851,315	–	764,323
	उप कुल	**1,035,297**	**उप कुल**	**948,305**
ख. चेलापति राव स्मृति फेलोशिप				
1.4.2015 को आदि शेष	458,652		458,652	
जोड़े : वर्ष के दौरान प्राप्त राशि	–	458,652	–	458,652
संचित ब्याज				
आदि शेष	2,288,625		2,060,799	
जोड़े : चेलापति राव अक्षय निधि के कान्ट्रा अनुसार समायोजन	–		–	
जोड़े : निवेश पर प्राप्त ब्याज	393,380		86,703	
जोड़े : वर्ष के लिए उपार्जित ब्याज	44,599		185,745	
घटाएं : पिछले वर्ष का उपार्जित ब्याज	185,744		44,622	
घटाएं : उपयोग की गई राशि	–	2,540,860	–	2,288,625
	उप कुल	**2,999,512**	**उप कुल**	**2,747,277**
कुल		**4,034,809**		**3,695,582**

(निधि श्रीवास्तव)
प्रशासनिक अधिकारी

(शक्ति सिन्हा)
निदेशक

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

31 मार्च, 2016 की यथास्थिति के अनुसार तुलन पत्र की अनुसूचियां

(राशि–रूपयों में)

अनुसूची –5– वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान :		**31.03.2015 के रुप में**		**31.03.2014 के रुप में**
1. अन्य संगठनों द्वारा संबद्ध फेलोज़ हेतु उपलब्ध कराई गई निधियां		3,822,570		11,124,257
(विवरण अनुलग्नक **'बी'** अनुसार)				
2. अनुलग्नक **'सी'** के ब्योरे के अनुसार बकाया देयताएं		25,304,056		13,755,296
3. सा.भ.नि./अं.भ.नि. तुलनपत्रानुसार सा.भ.नि./अं.भ.नि.		87,627,198		88,032,987
4. प्रकाशकों के पास पुस्तकों का स्टॉक 1.4.2015 की यथास्थिति के अनुसार	451,707		451,707	
घटाएं : वर्ष के दौरान बेची गईं	–	451,707	–	451,707
5. नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय के पास पुस्तकों का स्टॉक			–	
1.4.2015 की यथास्थिति के अनुसार		774,901		774,901
घटाएं : वर्ष के दौरान बेची गई	774,901		774,901	
6. अनुदान की अव्ययित राशि				
योजनागत	1,637,528		1,637,528	
गैर योजनागत	5,419,331		100,573	1,738,101
लाला लाजपत राय अनुदान राशि	224,067			
तात्या टोपे अनुदान राशि	194,668	7,475,594		
7. मोतीलाल नेहरू के चुनिंदा कार्य	2,805,430		2,805,430	
घटाएं : वर्ष 2015–16 के दौरान उपयोग की गई राशि	–	2,805,430	–	2,805,430
8. संस्कृति मंत्रालय से प्राप्त गैर आवर्ती सहायता अनुदान (सामान्य) की अव्ययित राशि				
a) पोर्टल, चुनिंदा कार्य एवं संस्था का उन्नयन	145,457,779		145,457,779	
b) राष्ट्रीय कार्यान्वयन समिति के सहायक स्टॉफ संबंधी स्मरणीय गतिविधियों	–	145,457,779	–	145,457,779

9. आधुनिकीकरण परियोजना देनदारी				
1.04.2015 का आदि शेष	(3,260,956)			
जोड़े : पूर्व में देयधन की वापसी	38,118,043	34,857,087		
कुल		**308,576,322**		**264,140,458**
अनुसूची –6– स्थायी परिसंपत्तियां :				
अ. स्थायी परिसम्पत्तियां				
आदि शेष	141,486,870		144,324,587	
जोड़े : अनुलग्नक 'एफ' के अनुसार वर्ष के दौरान	6,511,677		26,494,804	
जोड़े : वर्ष के दौरान समायोजित	–		–	
घटाएं : बिक्री/निपटान/स्थानांतरित	5,633,013		–	
घटाएं : वर्ष के दौरान मूल्य ह्रास	22,336,282	120,029,252	29,332,521	141,486,870
ब. चालू पूंजीगत कार्य				
आदि शेष	141,357,592		146,906,791	
जोड़े : अनुलग्नक 'एफ' के अनुसार (वर्ष के दौरान)	23,817,348		12,417,887	
घटाएं : अंतरण				
(कान्ट्रा अनुलग्नक 'एफ' के अनुसार)	–	165,174,940	17,967,086	141,357,592
कुल		**285,204,192**		**282,844,462**
अनुसूची –7– समग्र निधि का निवेश				
I. समग्र निधि का निवेश				
राष्ट्रीयकृत बैंकों में सावधि जमा				
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया – रेल भवन	490,000,000		490,000,000	
इंडियन ओवरसीज़ बैंक, गोल्फलिंक शाखा, नई दिल्ली	335,000,000		555,000,000	
पंजाब नेशनल बैंक, लाजपत नगर, नई दिल्ली	–		–	
पंजाब ऐण्ड सिंध बैंक	250,000,000			
कॉरपोरेशन बैंक, पश्चिम विहार, नई दिल्ली	500,000,000	1,575,000,000	500,000,000	1,545,000,000

सावधि जमा पर संचित ब्याज				
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया – रेल भवन	1,231,585		1,255,205	
इंडियन ओवरसीज़ बैंक, गोल्फलिंक शाखा, नई दिल्ली	730,524		1,642,192	
पंजाब ऐण्ड सिंध बैंक	543,935			
पंजाब नेशनल बैंक, लाजपत नगर, नई दिल्ली	–		199,319	
कॉरपोरेशन बैंक, पश्चिम विहार, नई दिल्ली	100,394,098	102,900,142	47,770,548	50,867,264
		1,677,900,142		1,595,867,264
II. विशेष अनुदान का निवेश				
राष्ट्रीयकृत बैंकों में सावधि जमा	–		133,526,028	
लघु अवधि की जमाराशि	146,225,943		10,000,000	
सावधि जमा पर प्राप्त ब्याज	2,883,307	149,109,250	814,875	**144,340,903**
III. संग्रहालय का आधुनिकीकरण (सावधि जमा)				
एस0 बी0 आई0, रेल भवन में सावधि जमा का आदि शेष	55,831,746		87,962,022	
जोड़े : वर्ष के दौरान बढ़ोत्तरी	98,063,919		74,924,246	
घटाएं : वर्ष के दौरान परिपक्व	55,831,746	98,063,919	107,054,522	55,831,746
सावधि जमा से प्राप्त ब्याज	5,901,249	5,901,249	2,791,639	2,791,639
		103,965,168		58,623,385
कुल		**1,930,974,560**		**1,798,831,552**
अनुसूची –8 – नियत/अक्षय निधियों का निवेश				
(1) श्रीकांत दत्त अक्षय निधि				
आदि शेष	948,073		869,306	
जोड़े : नई सावधि जमा	1,017,836		–	
घटाएं : चेलापति राव अक्षय निधि से कान्ट्रा अनुसार समायोजित	884,005		–	
एस0 बी0 आई0, रेल भवन में सावधि जमा रसीदें	–		31,503	
जोड़े : वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	86,992		64,068	
घटाएं : पिछले वर्ष का अर्जित ब्याज	133,831	1,035,065	16,804	948,073

(2) चेलापति राव अक्षय निधि				
आदि शेष	2,746,625		2,518,799	
जोड़े : श्रीकांत दत्त अक्षय निधि के कान्ट्रा अनुसार समायोजन	393,380		–	
एस0 बी0 आई0, रेल भवन में सावधि जमा रसीद	–		86,703	
जोड़े : सावधि जमा पर अर्जित ब्याज	252,235		185,745	
घटाएं : पिछले वर्ष का अर्जित ब्याज	393,380	2,998,860	44,622	2,746,625
कुल		**4,033,925**		**3,694,698**
अनुसूची –9– वर्तमान परिसम्पत्तियां, ऋण तथा अग्रिम आदि				
1. संपत्ति सूची (अनुलग्नक 'ए')		8,095,426		8,206,227
2. विविध देनदारी (अनुलग्नक 'ए')		–		–
3. a) हस्तगत रोकड़				
एन0 एम0 एम0 एल0 मुख्य खाता	73,590		45,706	
आधुनिकीकरण परियोजना	4,192	77,782	4,192	49,898
b) बैंक शेष				
i. स्टेट बैंक में एन0 एम0 एम0 एल0 का शेष	124,823,980		74,999,466	
ii. आधुनिकीकरण परियोजना शेष राशि (स्टेट बैंक खाता सं0 30606198829 में)	40,058,628	164,882,608	39,228,046	114,227,512
4. स्टॉफ अग्रिम पर प्राप्त ब्याज		195,313		224,188
6. एंटी वाईरस के लिए प्रीपेड खर्चे		85,461		
7. ऋण एवं अग्रिम (अनुलग्नक 'ए')				
एन0 एम0 एम0 एल0		256,037		300,787
8. वर्ष के अंत में सा.भ.नि./अं.भ.नि. निवेश		87,627,198		88,032,987
9. टी.डी.एस. वसूलनीय		4,248,665		3,802,455
(आधुनिकीकरण 72,440/– टी.डी.एस. सहित – पूर्व वर्ष 90,246)				
कुल		**265,468,490**		**214,844,054**

(निधि श्रीवास्तव)
प्रशासनिक अधिकारी

(शक्ति सिन्हा)
निदेशक

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

अनुलग्नक – 'ए'

राशि (रुपए में)

क्र0 सं0	विवरण	1–04–2015 को आदि शेष	वर्ष के दौरान जोड़ी गई	वर्ष के दौरान समायोजित	31–03–2016 को शेष
1	सूची				
i	**प्रकाशकों के पास पुस्तकों का स्टॉक**	**680,693**	**–**	**–**	**680,693**
ii	संस्था में पुस्तकों का स्टॉक	1,754,902	–	–	1,754,902
iii	प्रकाशनों का स्टॉक (गैर योजनागत)	970	–	–	970
iv	चुनिंदा कार्यो के प्रकाशन का स्टॉक	1,698,301	–	–	1,698,301
v	एकक में उपलब्ध कच्चे माइक्रोफिल्म का स्टॉक*	559,785	–	–	559,785
vi	एकक में रखे प्रोसेस्ड माइक्रोफिल्म का स्टॉक	3,082,973	–	–	3,082,973
vii	फोटोग्राफ्स, पुस्तकें इत्यादि का स्टॉक (बिक्री काउंटर)	428,603	178,852	289,653	317,802
	उप कुल योग	**8,206,227**	**178,852**	**289,653**	**8,095,426**
2	**विविध देनदारी**				
i	विविध देनदारी	–	–	–	–
	उप कुल योग	–	–	–	–
3	**ऋण एवं अग्रिम (एन.एम.एम.एल.)**				
i	अग्रिम (अनुलग्नक 'ई' देंखे)	280,275	261,000	305,750	235,525
ii	पेट्रोल के लिए ऑटो केअॅर के पास जमा	16,500	–	–	16,500
iii	टेलीफोन विभाग के पास जमा	4,012	–		4,012
	उप कुल	**300,787**	**261,000**	**305,750**	**256,037**

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

अनुलग्नक – 'बी'

31 मार्च, 2016 की यथास्थिति के अनुसार अन्य संगठनों से उपलब्ध कराई गई निधियां

राशि (रुपए में)

क्र0 सं0	विवरण	1–04–2015 को आदि शेष	वर्ष में प्राप्त निधियां	वर्ष में व्यय	31–03–2016 को अंतशेष
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**
1	**भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् फेलोशिप**	**699,394**	**–**	**–**	**699,394**
2	**भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद् की फेलोशिप**	**97,216**	**–**	**50,378**	**46,828**
3	**विश्वविद्यालय अनुदान आयोग फेलोशिप**	**9,614,096**	**2,032,884**	**9,284,193**	**2,362,787**
4	**लोकनायक जयप्रकाश नारायण के चुनिंदा कार्यों का प्रकाशन, संस्कृति मंत्रालय**	**714,886**	**–**	**–**	**714,886**
5	**अन्य (बट्टा खाता)**	**(1,335)**			**(1,335)**
	कुल	11,124,257	2,032,884	9,334,571	3,822,570

(निधि श्रीवास्तव)
प्रशासनिक अधिकारी

(शक्ति सिन्हा)
निदेशक

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

अनुलग्नक – 'सी'

31 मार्च, 2016 की यथास्थिति के अनुसार बकाया देयताएं

राशि (रुपए में)

क्र0 सं0	विवरण	1–04–2015 को आदि शेष	वर्ष में प्राप्त	वर्ष में व्यय समायोजित	31–03–2016 को शेष
1	प्रतिभूति जमा राशि	268,976	100,000	–	368,976
2	मानदेय के चेक का रद्द किया जाना	8,346	–	–	8,346
3	फोर्ड से प्राप्त स्व0 प्रो0 रवीन्द्र कुमार की बकाया राशि	25,800	–	–	25,800
4	सा. भ. नि. में देय ब्याज – चालू वर्ष	6,364,868	445,161	–	6,810,029
5	निदेशक (स्थापना), डॉ0 ओ0 पी0 केजरीवाल के संदर्भ में जारी चैक का रद्दीकरण	2,624	–	–	2,624
6	मीनाक्षी जैन के संदर्भ में अं.भ.नि./टी.डब्ल्यू.ए.	10,010	–	–	10,010
7	उद्भव कंप्यूटर्स	102,232	–	–	102,232
8	वर्गिस	523,963	–	–	523,963
9	संस्कृति विभाग का (अव्ययित शेष)	14,923	–	–	14,923
11	आधुनिकीकरण परियोजना निधि	810,500	–	–	810,500
12	समूह बीमा	(237)	923,530	463,793	459,501
13	निष्पादन गांरटी	488,450	–	–	488,450
14	देय खर्चे	4,473,268	10,321,319	3,773,838	11,020,749
15	ग्रेच्युटी खर्चे (श्री एस. के. शुक्ल)	94,785	–	–	94,785
16	पेंशन खर्चे (श्री एस. के. शुक्ल)	566,788	–	–	566,788
17	आयकर–वेतन	–	387,300	–	387,300
18	नई पेंशन योजना	–	3,609,080	–	3,609,080
	कुल	13,755,296	15,786,390	4,237,631	25,304,056

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय
तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011.

अनुलग्नक – 'डी'

वर्ष 2015–16 के दौरान पूंजीगत परिसंपत्तियां

राशि (रुपए में)

क्र0 सं0	विवरण	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1.	पुस्तकालय की पुस्तकें	–	–
2.	उपहार में प्राप्त पुस्तकों का मूल्य	–	282,425
	कुल	**0**	**282,425**

(निधि श्रीवास्तव)
प्रशासनिक अधिकारी

(शक्ति सिन्हा)
निदेशक

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

अनुलग्नक – 'इ'

वर्ष 2015–16 के दौरान ऋण और अग्रिम

राशि (रुपए में)

क्र0 सं0	विवरण	1–04–2014 को आदि शेष	वर्ष में भुगतान की गई	वर्ष में प्राप्त की गई	31–03–2015 को शेष
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**
1.	**त्योहार अग्रिम**	**155,650**	**261,000**	**234,250**	**182,400**
2.	**कार/स्कूटर अग्रिम**	**4,000**	**–**	**4,000**	**–**
3.	**गृह निर्माण अग्रिम**	**120,625**	**–**	**67,500**	**53,125**
4.	**साइकिल/पंखा अग्रिम**	**–**	**–**	**–**	**–**
	कुल	280,275	261,000	305,750	235,525

(निधि श्रीवास्तव)
प्रशासनिक अधिकारी

(शक्ति सिन्हा)
निदेशक

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011.

वर्ष 2015–16 के दौरान ऋण और अग्रिम

अनुलग्नक – 'एफ'

क्रॅ0 सं0	विवरण	1–4–2015 के अनुसार लागत	1.4.2015 से 30.9.2015 तक बढ़ोत्तरी	1.10.2015 से 31.3.2016 तक बढ़ोत्तरी	कुल वृद्धि	समायोजन/ हस्तांतरण/ बिक्री	31/3/2016 को कुल मूल्य	मूल्यह्रास	31/3/2016 को शेष राशि
'क'	**स्थायी संपत्तियां**								
1	निधि अनुदान								
	i योजनागत/गैर योजनागत	46,682,016	1,106,368	3,312,782	4,419,150	11,123	51,090,043	8,834,104	42,255,939
	ii आधुनिकीकरण	27,237,758	1,097,448	995,079	2,092,527		29,330,285	3,082,285	26,248,000
	iii नेहरू तारामण्डल	63,530,555	–	–	–	5,621,890	57,908,665	8,067,774	49,840,891
	उप कुल योग	137,450,329	2,203,816	4,307,861	6,511,677	5,633,013	138,328,993	19,984,163	118,344,830
2	स्वयं की निधि (समग्र ब्याज)	4,036,541	–	–	–	–	4,036,541	2,352,119	1,684,422
	कुल	**141,486,870**	**2,203,816**	**4,307,861**	**6,511,677**	**5,633,013**	**142,365,534**	**22,336,282**	**120,029,252**
'ख'	**सी.डब्ल्यू.आई.पी.**								
1	निधि अनुदान– आधुनिकीकरण	140,145,341	–	–	–	–	140,145,341	–	140,145,341
2	स्वयं की निधि (समग्र ब्याज)	1,212,251	36,614	23,780734	23,817,348	–	25,029,599	–	25,029,599
	कुल	**141,357,592**	**36,614**	**23,780,734**	**23,817,348**	**–**	**165,174,940**	**–**	**165,174,940**
	कुल अनुदान (क+ख)	**282,844,462**	**2,240,430**	**28,088,595**	**30,329,025**	**5,633,013**	**307,540,474**	**22,336,282**	**285,204,192**
	पूर्व वर्ष	**279,884,440**	**33,442,236**	**18,625,177**	**53,933,986**	**12,458,792**	**321,338,078**	**30,106,700**	**291,231,378**
	अचल संपत्ति का ब्यौरा और सी. डब्ल्यू. आई. पी.								
1	निधि अनुदान	277,595,670	2,203,816	4,307,861	6,511,677	5,633,013	278,474,334	19,984,163	**258,490,171**
2	स्वयं की निधि (समग्र ब्याज)	5,248,792	36,614	23,780,734	23,817,348	–	29,066,140	2,352,119	**26,714,021**
	कुल अनुदान (क+ख)	**282,844,462**	**2,240,430**	**28,088,595**	**30,329,025**	**5,633,013**	**307,540,474**	**22,336,282**	**285,204,192**
	पूर्व वर्ष	**279,884,440**	**33,442,236**	**18,625,177**	**53,933,986**	**12,458,792**	**321,338,078**	**30,106,700**	**291,231,378**

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

अनुलग्नक – 'एफ'

वर्ष 2015–16 की स्थायी परिसंपत्तियां एवं पूंजीगत सहायता अनुदान की अनुसूची

क्र0 सं0	विवरण	1/4/2015 को मूल्य	1.4.2015 से 30.9.2015 तक बढ़ोत्तरी	1.10.2015 से 31.3.2016 तक बढ़ोत्तरी	कुल वृद्धि	समायोजन/ स्थानांतरण/ बिक्री	31.3.2016 को मूल्य	मूल्यह्रास का %	मूल्यह्रास	31.3.16 को अवशेष
	योजनागत/गैर योजनागत									
1	संग्रहालय वस्तुएं (गैर मूल्यह्रास)	6,117,442	–	–	–	–	6,117,442	–	–	6,117,442
2	पुस्तकालय भवन	10,139,179	–	–	–	–	10,139,179	10	1,013,918	9,125,261
3	i वाहन – स्टॉफ कार	599,302		–	–	–	599,302	15	89,895	509,407
	ii उपकरण	1,638,292	13,490	13,904	27,394	–	1,665,686	15	248,810	1,416,876
	iii शयन एवं अध्ययन कक्ष में वातानुकूलन संयंत्र	14,429	–	–	–	–	14,429	15	2,164	12,265
	iv अनेक्सी भवन का वातानुकूलन	5,768,651	–	–	–	–	5,768,651	15	865,298	4,903,353
	v वातानुकूलन	9,846,174	–	–	–	–	9,846,174	15	1,476,926	8,369,248
	vi संग्रहालय में फिक्सचर्स	5,221	–	–	–	–	5,221	10	522	4,699
	vii जवाहरलाल नेहरू के भाषण 'नियति से मिलन' की अंकित शिला	20,939	–	–	–	–	20,939	–	–	20,939
	viii जवाहर ज्योति फीडिंग स्ट्रक्चर	20,207	–	–	–	–	20,207	10	2,021	18,186
	ix फिल्म अभिलेखागार के फिक्सचर्स	59,515	'–	'–	'–	'–	59,515	15	8,927	50,588
	x स्कूटर शेड	3,707	–	–	–	–	3,707	10	371	3,336
	xi पुस्तकालय भवन में लिफ्ट का प्रतिस्थापन	94,360	–	–	–	–	94,360	15	14,154	80,206
	xii संग्रहालय का विकास	1,357,577	–	–	–	–	1,357,577	15	203,637	1,153,940
	xiii फाइबर ग्लास का मण्डप	114,905	–	–	–	–	114,905	15	17,236	97,669
	xiv फाइबर ग्लास का मण्डप (कम्पैक्टर्स)	614,930	–	–	–	–	614,930	15	92,240	522,690

4	इंटरकॉम सुविधा	434,432	–	25,800	25,800	–	460,232	15	67,100	393,132
5	i कंप्यूटर्स	184,219	233,725	77,752	311,477	7,875	487,821	60	269,367	218,454
	ii अमूर्त परिसंपत्तियां–सॉफ्टवेयर	4,902	–	–	–	–	4,902	33	1,618	3,284
6	i विद्युत उपकेन्द्र	125	–	–	–	–	125	80	100	25
	ii विद्युत फिटिंग्स	16	–	–	–	–	16	80	13	3
	iii जीवन रक्षक उपकरण की स्थापना	85,442	–	–	–	–	85,442	15	12,816	72,626
7	i पुस्तकालय ग्रंथ	3,479,933	859,153	3,195,326	4,054,479	3,248	7,531,164	60	3,560,101	3,971,063
	ii उपहार में प्राप्त पुस्तकों का मूल्य	488,684	–	–	–	–	488,684	15	73,303	415,381
8	पुस्तकालय में माइक्रोफिल्म का रिकार्ड	2,668,895	–	–	–	–	2,668,895	15	400,334	2,268,561
9	स्पिलिट वातानुकूलन	18,744	–	–	–	–	18,744	15	2,812	15,932
10	प्रदर्शनी स्टैंड	131,495	–	–	–	–	131,495	15	19,724	111,771
11	नेहरू तारामण्डल	1,242,411	–	–	–	–	1,242,411	अलग–2 दर	159,724	1,082,687
12	वेबसाइट का निर्माण	1,215,245	–	–	–	–	1,215,245	15	182,287	1,032,958
13	बायोमीट्रिक मशीन	2,752	–	–	–	–	2,752	80	2,202	550
14	फिल्म स्टोर के लिए वाटर कूलर	309,891	–	–	–	–	309,891	15	46,484	263,407
	उप कुल योग (क)	**46,682,016**	**1,106,368**	**3,312,782**	**4,419,150**	**11,123**	**51,090,043**		**8,834,104**	**42,255,939**
	आधुनिकीकरण									
15	i फर्नीचर (कैंटीन)	531,510	–			–	531,510	10	53,151	478,359
	ii फर्नीचर (डिजीटलीकरण)	1,310,119	–			–	1,310,119	10	130,012	1,179,107
	iii अनैक्सी भवन में आंतरिक फिटिंग (आधुनिकीकरण)	23,342	–	–	–	–	23,342	15	3,501	19,841
	iv परदे का खर्चे (के.लो.नि.वि.)	–	579,624	468,260	1,047,884	–	1,047,884	10	81,375	966,509
	v बाल संसाधन केन्द्र		498,740	–	498,740	–	498,740	10	49,874	448,866
16	i कंप्यूटर और संबंधित सामग्री (आधुनिकीकरण)	161,560	–	–	–	–	161,560	60	96,936	64,624
	ii कंप्यूटरीकरण आधुनिकीकरण	47,005	–	–	–	–	47,005	60	28,203	18,802
17	सभागार–फर्नीचर और फिक्सचर्स (आधुनिकीकरण)	6,109,396	–			–	6,109,396	10	610,940	5,498,456
18	वाटर टैंक (आधुनिकीकरण)	2,189,060	–	–	–	–	2,189,060	10	218,906	1,970,154

19	अनैक्सी भवन (आधुनिकीकरण)	5,898,516	–	–	–	–	5,898,516	10	534,197	5,364,319
20	रिप्रोग्राफी प्रभाग (आधुनिकीकरण)	2,984,305	–		–	–	2,984,305	15	447,646	2,536,659
21	i फर्नीचर और फिक्सचर्स	7,605,468	19,084	526,819	545,903	–	8,151,371	10	788,796	7,362,575
	ii अनैक्सी भवन के लिए फर्नीचर	377,477	–	–	–	–	377,477	10	37,748	339,729
	उप कुल योग (ख)	**27,237,758**	**1,097,448**	**995,079**	**2,092,527**	**–**	**29,330,285**	**240**	**3,082,285**	**26,248,000**
22	**नेहरू तारामण्डल का उन्नयन**									
	i तारामण्डल का उपकरण	47,968,342	–	–	–	5,621,890	42,346,452	15	6,351,968	35,994,484
	ii वातानुकूलन एवं जनरेटर	3,191,677	–	–	–	–	3,191,677	15	478,752	2,712,925
	iii भवन	12,370,536	–	–	–	–	12,370,536	10	1,237,054	11,133,482
	उप कुल योग (ग)	**63,530,555**	–	–	–	**5,621,890**	**57,908,665**		**8,067,774**	**49,840,891**
23	**समग्र अनुदान से ली गई संपत्तियां**									
	i आर. ओ. सिस्टम	127,663	–	–	–	–	127,663	15	19,149	108,514
	ii साइकिल रिक्शा	8,978	–	–	–	–	8,978	10	898	8,080
	iii रेफ्रीजरेटर	17,483	–	–	–	–	17,483	15	2,622	14,861
	iv कंप्यूटर्स	838,598	–	–	–	–	838,598	60	503,159	335,439
	v पुस्तकालय ग्रंथ	3,043,819	–	–	–	–	3,043,819	60	1,826,291	1,217,528
	उप कुल योग (घ)	**4,036,541**	**–**	**–**	**–**	**–**	**4,036,540**		**2,352,119**	**1,684,422**
	कुल 'क'	**141,486,870**	**2,203,816**	**4,307,861**	**6,511,677**	**5,633,013**	**142,365,534**		**22,336,282**	**120,029,252**
	कुल (वर्ष पूर्व)	**144,324,587**	**15,272,879**	**5,357,063**	**20,629,942**	**(10,778)**	**174,431,287**		**30,106,700**	**144,324,587**
	पूंजीगत – कार्य प्रगति पर **# आधुनिकीकरण परियोजना**									
1	**आदि शेष**	120,744,926	–	–	–	–	120,744,926	–	–	120,744,926
	i सभागार (आधुनिकीकरण)	17,157	–	–	–	–	17,157	–	–	17,157
	ii पुस्तकालय का उन्नयन और नवीकरण (आधुनिकीकरण)	480,000	–	–	–	–	480,000	–	–	480,000
	iii सी.आर.सी. का उन्नयन और नवीकरण (आधुनिकीकरण)	351,068	–	–	–	–	351,068	–	–	351,068
	iv कैंटीन का नवीकरण (आधुनिकीकरण)	2,387,073	–	–	–	–	2,387,073	–	–	2,387,073

	v वाटर टैंक का नवीकरण (आधुनिकीकरण)	21,526	–	–	–	–	21,526	–	–	21,526
	vi यू.पी.एस. प्रणाली (आधुनिकीकरण)	1,624,928	–	–	–	–	1,624,928	–	–	1,624,928
	vii अनैक्सी भवन में आंतरिक फिटिंग (आधुनिकीकरण)	1,657,118	–	–	–	–	1,657,118	–	–	1,657,118
	viii रिप्रोग्राफी विभाग और बी.सी.	3,642,312	–	–	–	–	3,642,312	–	–	3,642,312
	ix निर्माण कार्य (आधुनिकीकरण)	499,100	–	–	–	–	499,100	–	–	499,100
	x डिजिटलीकरण (आधुनिकीकरण)	7,842,256	–	–	–	–	7,842,256	–	–	7,842,256
	xi सॉविनिअॅर शॉप का नवीकरण	877,877	–	–	–	–	877,877	–	–	877,877
	xii फर्नीचर फिक्सचर्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–
	उप कुल योग (क)	**140,145,341**	–	–	–	–	**140,145,341**	**–**	**–**	**140,145,341**
2	**समग्र अनुदान से बनाई गई परिसंपत्तियां**									
	i पीएनजी गैस पाईप	15,111	36,614	–	36,614	–	51,725	–	–	51,725
	ii एनएमएमएल का नवीकरण	375,000	–	–	–		375,000	–	–	375,000
	संग्रहालय बिल्डिंग का नवीकरण	–	–	20,769,934	20,769,934	–	20,769,934	–	–	20,769,934
	पुस्तकालय भवन में टाइल्स का प्रतिस्थापन	–	–	3,010,800	3,010,800	–	3,010,800	–	–	3,010,800
	iii कूड़ेदान एवं मार्गदर्शिका	365,340	–	–	–	–	365,340	–	–	365,340
	iv बाल केन्द्र का सुधार	456,800	–	–	–	–	456,800	–	–	456,800
	उप कुल योग 'ख'	**1,212,251**	**36,614**	**23,780,734**	**23,817,348**	**–**	**25,029,599**	–	–	**25,029,599**
	कुल 'ख'	**141,357,592**	**36,614**	**23,780,734**	**23,817,348**	**–**	**165,174,940**	**–**	**–**	**165,174,940**
	कुल अनुदान	**282,844,462**	**2,240,430**	**28,088,595**	**30,329,025**	**5,633,013**	**307,540,474**	**–**	**22,336,282**	**285,204,192**

(निधि श्रीवास्तव)
प्रशासनिक अधिकारी

(शक्ति सिन्हा)
निदेशक

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के दौरान सामान्य भविष्य निधि तथा अंशदायी भविष्य निधि का आय एवं व्यय विवरण

व्यय			आय		
विवरण	31.3.2016 को राशि	31.3.2015 को राशि	विवरण	1.3.2016 को राशि	31.3.2015 को राशि
अंशदाताओं के निधि लेखा में जमा ब्याज			**निधि की निवेश पर बैंक से प्राप्त ब्याज**		
1) सा. भ. निधि	5,926,794	6,432,135	1) सा. भ. निधि	5,715,468	6,700,963
2) अ. भ. निधि	903,222	784,025	2) अ. भ. निधि	466,062	120,216
3) अ. भ. निधि–तारामण्डल	253,429	243,801	3) अ. भ. निधि–तारामण्डल	319,991	328,646
4) बैंक प्रभार	–	–	बचत खाते में प्राप्त ब्याज	267,210	–
5) अ. भ. निधि–तारामण्डल में सोसाइटी का अंश	130,437	127,057			
	7,213,882	**7,587,018**		**6,768,731**	**7,149,825**
तुलन पत्र में अग्रेनीत वर्ष का अधिशेष	–	–	वर्ष के दौरान कमी		
			एन.एम.एम.एल. मुख्य खाते से प्राप्त करना	445,151	437,193
कुल	**7,213,882**	**7,587,018**	**कुल**	**7,213,882**	**7,587,018**

(निधि श्रीवास्तव)
प्रशासनिक अधिकारी

(शक्ति सिन्हा)
निदेशक

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय
तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

31 मार्च, 2016 को सामान्य भविष्य निधि/अंशदायी भविष्य निधि का तुलन–पत्र

(राशि रूपए में)

देनदारियां	31.3.2016 की स्थिति के अनुसार राशि	31.3.2015 की स्थिति के अनुसार राशि	परिसंपत्तियां	31.3.2016 की स्थिति के अनुसार राशि	31.3.2015 की स्थिति के अनुसार राशि
निधियां			**वर्तमान परिसंपत्तियां**		
कर्मचारियों के अंशदायी भविष्य निधि			नकदी और बैंक जमाराशि		
(आदि शेष) – फेलोज़	10,727,286	8,823,936	स्टेट बैंक में (अ0 भ0 नि0)	**2,066,238**	**1,912,625**
– नेहरू तारामण्डल	3,393,111	2,484,139	स्टेट बैंक में (अं0 भ0 नि0–तारामण्डल)	**286,874**	**1,051,410**
जोड़े : वर्ष के दौरान			स्टेट बैंक में (सा0 भ0 नि0)	**3,098,622**	**5,421,381**
1. अंशदान फेलोज	1,098,596	1,219,325	स्टेट बैंक में सावधि जमा राशि	**74,562,373**	**70,714,138**
2. अशंदान तारामण्डल	939,098	964,171		**80,014,107**	**79,099,554**
3. जमा ब्याज – तारामण्डल	253,429	243,801			
– फेलोज़	903,222	784,025	**सावधि जमा पर अर्जित ब्याज**	**803,072**	**2,568,565**
घटाएं : आहरण – तारामण्डल	2,006,895	299,000			
– फेलोज़	1,017,922	100,000	**आय से अधिक व्यय (एन0एम0एम0एल0**		
	14,289,925	**14,120,397**	**के मुख्य खाते से लेना)**	6,364,868	5,927,675
सोसाइटी का अंश	1,751,978	1,383,250	पिछले खाते के अनुसार शेष (–)	445,151	437,193
तारामण्डल	215,898	241,671		**6,810,019**	**6,364,868**

ब्याज का अशंदान	130,437	127,057			
घटाएं : आहरण	390,854	–			
	1,707,459	**1,751,978**			
सामान्य भविष्य निधि (आदि शेष)	72,160,612	**82,535,944**			
जोड़े : वर्ष के दौरान					
1. अंशदान	14,209,100	15,312,100			
2. जमा ब्याज	5,926,794	6,432,135			
घटाएं : आहरण	20,666,692	32,119,567			
	71,629,814	**72,160,612**			
कुल	**87,627,198**	**88,032,987**	**कुल**	**87,627,198**	**88,032,987**

(निधि श्रीवास्तव)
प्रशासनिक अधिकारी

(शक्ति सिन्हा)
निदेशक

NEHRU MEMORIAL MUSEUM & LIBRARY

SUMMARY OF RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT- MODERNISATION

(In Rupees)

	Receipts	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	Sub-total	2014-15	2015-16
1	**Opening Balance**									
II.	**Modernisation project fund**	200,000,000	-	-	-	-	-	**200,000,000**		
	received from MOC									
	(by correction entry of P.Y)									
i)	**Cash in Hand**	-	-	6,751	315	4,192	4,192	**15,450**	4,192	4,192
ii)	**Balance with SBI-30606198829**	0	14,206,911	84,823,969	17,104,487	58,633,472	51,799,657	**226,568,496**	10,256,514	39,228,046
		200,000,000	**14,206,911**	**84,830,720**	**17,104,802**	**58,637,664**	**51,803,849**	**426,583,946**	**10,260,706**	**39,232,238**
III)	**Refund of temporary advance from NMML Main**	-	-	-	**20,000,000**		-	**20,000,000**	0	38,000,000
IV)	**Grant in Aid from MOC-GOI**	-	-	-	-	4,000,000	-	**4,000,000**		
V)	**Maturity of FDR's(old- FDRS wise)**	-	194,737,732	122,226,006	128,224,598	65,204,858	111,155,488	**621,548,682**	107,054,522	55,744,246
VI)	**Interest Income**									
	-Interest on FDRs	9,998,680	22,004,485	7,041,854	6,931,767	7,347,636	7,155,388	**60,479,810**	**8,046,892**	**5,150,255**
	-Miscellaneous Recipt	-	-	29,142	67,637	8,379		- **105,158**		
	Payment	**209,998,680**	**230,949,128**	**214,127,722**	**172,328,804**	**135,198,537**	**170,114,725**	**1,132,717,596**	**125,362,120**	**138,126,739**
VII)	**Expenditure/Payment**	1,054,037	21,565,724	47,916,399	47,946,865	12,151,700	31,979,497	162,614,222	11,205,636	**0**
VIII)	**Advance**	-	2,326,678	881,923	539,417	-	-	3,748,018	-	
IX)	**Closing Balance**									
	-FDR with SBI (New)	194,737,732	122,226,006	128,224,598	65,204,858	71,242,988	127,874,522	709,510,704	74,924,246	98,063,919
	-Amt Recoverable from Main	-	-	20,000,000	-	-	-	20,000,000	-	
	-Cash in hand	-	-	315	4,192	4,192	4,192	12,891	4,192	4,192
	-Balance with SBI	14,206,911	84,830,720	17,104,487	58,633,472	51,799,657	10,256,514	**236,831,761**	39,228,046	40,058,628
	Total	**209,998,680**	**230,949,128**	**214,127,722**	**172,328,804**	**135,198,537**	**170,114,725**	**1,132,717,596**	**125,362,120**	**138,126,739**

	Payment/Expenditure	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	Sub-total	2014-15	2015-16
I.)	Modernisation of NNML Library	17,143		-	-		-		- -	**17,143**
a)	Digitization of NNML Resources/work salary	482,207	5,987,839	21,502,823	23,709,749	2,340,604	5,278,223	**59,301,445**	5,512,971	0
b)	Furniture and Eqipment / renovation/interior fitting/soveniour shop	-	-	-	1,939,600	3,627,138	3,203,197	**8,769,935**	2,046,338	0
c)	Air Conditioning	-	-	-	-	-	2,540,549	**2,540,549**		
d)	Bank Charges	-	-	24,515	188	-	2,930	**27,633**	4,015	0
e)	Reprography Eqipment/Division	-	-	-	-	-	4,127,596	**4,127,596**	3,642,312	0
f)	Renovation and upgradation of toilets/CRC	-	-	-	-	-	831,068	**831,068**		
g)	Renovation of Canteen		-	-	-	-	2,973,873	**2,973,873**		
h)	Computerisation/consumables	-	-	-	713,010	-	-	**713,010**		
i)	Purchase of Computer	-	-	-	486,192	-	-	**486,192**		
j)	Project Expense/Architect	150,000	1,463,934	1,986,597	1,899,611	1,243,906	-	**6,744,048**		
k)	Auditorium	-	-	-	-	200,689	6,448,100	**6,648,789**		
l)	Website development	-	-	-	-	-	1,602,861	**1,602,861**		
m)	Museum Development	-	-	-	-	831,710	-	**831,710**		
n)	Renovation of water tank	-	-	-	-	-	2,325,800	**2,325,800**		
o)	Multimedia library	-	-	-	814,766	-	-	**814,766**		
p)	Children Resource centre	339,687	2,997,484	6,064,667	3,110,711	-	-	**12,512,549**		
q)	Civil & electrical work & water		10,463,588	17,769,820	14,457,007	3,907,653	2,645,300	**49,243,368**		
r)	Modernisation of Library	-	300,935	-	-	-	-	**300,935**		
s)	Facelift of NNML Garden & Estate	-	351,944	567,977	816,031	-	-	**1,735,952**		
	Sub Total(A)	989,037	21,565,724	47,916,399	47,946,865	12,151,700	31,979,497	**162,549,222**	**11,205,636**	**0**
	Administrative expenses (B)	65,000	-	-	-	-	-	**65,000**	0	
	(A+B)	**1,054,037**	**21,565,724**	**47,916,399**	**47,946,865**	**12,151,700**	**31,979,497**	**162,614,222**	**11,205,636**	**0**
II)	**Advances**							**0**		
	-Advance to staff	-	-	-	-	-		**0**	0	
	-Advance for project work	-	2,326,678	881,923	539,417	-		**3,748,018**	0	
		-	**2,326,678**	**881,923**	**539,417**	**-**	**-**	**3,748,018**		
III)	**Closing Balance**							**0**		
	- FDR's with SBI (New)	194,737,732	122,226,006	128,224,598	65,204,858	71,242,988	127,874,522	**709,510,704**	**74,924,246**	**98,063,919**
	-Amt Recoverable from NMML Main(temporary advance)	-	-	20,000,000	-	-		**20,000,000**		
	- Cash in Hand	-	-	315	4,192	4,192	4,192	**12,891**	4,192	4,192
	-Balance with SBI	14,206,911	84,830,720	17,104,487	58,633,472	51,799,657	10,256,514	**236,831,761**	39,228,046	40,058,628
		14,206,911	**84,830,720**	**37,104,802**	**58,637,664**	**51,803,849**	**10,260,706**	**256,844,652**	**39,232,238**	**40,062,820**
	Total	**209,998,680**	**230,949,128**	**214,127,722**	**172,328,804**	**135,198,537**	**170,114,725**	**1,132,717,596**	**125,362,120**	**138,126,739**

NEHRU MEMORIAL MUSEUM & LIBRARY
TEEN MURTI HOUSE, NEW DELHI-110011

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT - Modernisation Fund

(In Rupees)

INCOME	**2008-09**	**2009-10**	**2010-11**	**2011-12**	**2012-13**	**2013-14**	**2014-15**	**2015-16**
Interest received during the year	9,998,680	22,004,485	7,041,854	6,931,767	7,347,636	7,155,388	8,046,892	5,150,255
Interest accrued for the year	-	-	-	1,324,547	4,242,656	395,394	(1,756,165)	3,094,550
Grant in Aid from MOC-GOI	-	-	-	-	4,000,000	-	-	-
Miscellaneous Recipt	-	-	29,142	67,637	8,379	-	-	-
TOTAL	**9,998,680**	**22,004,485**	**7,070,996**	**8,323,951**	**15,598,671**	**7,550,782**	**6,290,727**	**8,244,805**
EXPENDITURE	**2008-09**	**2009-10**	**2010-11**	**2011-12**	**2012-13**	**2013-14**	**2014-15**	**2015-16**
Payments during the year	1,054,037	21,565,724	47,916,399	47,946,865	12,151,700	31,979,497	11,205,636	0
TOTAL	**1,054,037**	**21,565,724**	**47,916,399**	**47,946,865**	**12,151,700**	**31,979,497**	**11,205,636**	**0**
Surplus for the year carried to Balance Sheet	8,944,643	438,761	(40,845,403)	(39,622,914)	3,446,971	(24,428,715)	(4,914,909)	8,244,805

(Nidhi Srivastava)
Administrative Officer

(Shakti Sinha)
Director

NEHRU MEMORIAL MUSEUM & LIBRARY
TEEN MURTI HOUSE, NEW DELHI-110011

BALANCE SHEET - Modernisation Fund

(In Rupees)

Funds & Liabilities	**31.03.2009**	**31.03.2010**	**31.03.2011**	**31.03.2012**	**31.03.2013**	**31.03.2014**	**31.03.2015**	**31.03.2016**
Opening / Funds received	200,000,000	208,944,643	209,383,404	168,538,001	128,915,087	132,362,058	107,933,343	103,018,434
Add/Less: Surplus/Deficit	8,944,643	438,761	(40,845,403)	(39,622,914)	3,446,971	(24,428,715)	(4,914,909)	8,244,805
TOTAL	**208,944,643**	**209,383,404**	**168,538,001**	**128,915,087**	**132,362,058**	**107,933,343**	**103,018,434**	**111,263,239**
ASSETS								
Investment from earmarked funds	194,737,732	122,226,006	128,224,598	65,204,858	71,242,988	87,962,022	55,831,746	98,063,919
CWIP (made out of accrued interest)	-	-	-		-	1,324,547	1,324,547	1,324,547
Accrued Interest	-	-	-	1,324,547	5,567,203	4,638,050	2,791,639	5,901,249
Advance	-	2,326,678	3,208,601	3,748,018	3,748,018	3,748,018	3,748,018	(34,251,982)
Amount recoverable	-	-	20,000,000	-	-	-	-	-
TDS Recoverable	-	-	-	-	-	-	90,246	162,686
Cash Balance	-	-	315	4,192	4,192	4,192	4,192	4,192
Bank Balance with SBI	14,206,911	84,830,720	17,104,487	58,633,472	51,799,657	10,256,514	39,228,046	40,058,628
TOTAL	**208,944,643**	**209,383,404**	**168,538,001**	**128,915,087**	**132,362,058**	**107,933,343**	**103,018,434**	**111,263,239**

(Nidhi Srivastava)
Administrative Officer

(Shakti Sinha)
Director

NEHRU MEMORIAL MUSEUM & LIBRARY

SUMMARY OF RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT- MODERNISATION

Modernisation Fund (Movement) - As per Audited B/S

F.Y. ended	Opening Balance	Amt received	S/B Interest	Interest on FRD	Misc Receipt	Misc Receipt for P.Y.	Accrued Interest	Total Amount
31.3.2009	-	200,000,000	-	9,308,332	-	-	-	209,308,332
31.3.2010	209,308,332	-	-	22,004,485	-	-	-	231,312,817
31.3.2011	231,312,817	-	-	7,041,854	-	-	-	238,354,671
31.3.2012	238,354,671	-	-	6,931,767	67,637	29,142	1,324,547	246,707,764
31.3.2013	246,707,764	-	-	7,347,636	-	-	4,242,656	258,298,056
31.3.2014	258,298,056	-	523,854	6,631,534	-	-	395,394	265,848,838
Total	**1,183,981,640**	**200,000,000**	**523,854**	**59,265,608**	**67,637**	**29,142**	**5,962,597**	**1,449,830,478**

Year	Opening Balance	CWIP Addition	Capitalized through CWIP	Closing Balance
2008-09	-	-	-	-
2009-10	-	*24946439	-	24,946,439.00
2010-11	24,946,439	47,916,399	6,919,732	65,943,106.00
2011-12	65,943,106	47,946,865	2,425,792	111,464,179.00
2012-13	111,464,179	10,400,416	3,627,138	118,237,457.00
2013-14	118,237,457	33,304,044	4,634,710	146,906,791.00
Total	**320,591,181**	**164,514,163**	**17,607,372**	**467,497,972**

Previous Years	
CWIP	164,514,163
Current Year	
Opening as on 1-4-2014	265,848,838
Less: Capitalized amt of 2013-14	164,514,163
Net Amt	101,334,675
Less: Capitalized amt of 2014-15	11,205,636
Net Amt	90,129,039

* Includes Rs. 1,27,90,266 (advance for Modernisation project s. 23,26,678 and Rs. 1,04,63,588 advance to CPWD for Civil & Electrical work under Capitalisation) group under Current Assets Schedule A & Rs. 1,21,56,173 is shown on Addition to Fixed Assets under Annexure F for the year ended 31/03/2010.

(Nidhi Srivastava)
Administrative Officer

(Shakti Sinha)
Director

31 मार्च, 2016 को समाप्त वित्त वर्ष में नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, नई दिल्ली के लेखाओं पर भारत के महालेखापरीक्षक एवं नियंत्रक की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट

हमनें, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय के 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए संलग्न तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखों, प्राप्ति एवं भुगतान लेखाओं की लेखापरीक्षा महालेखापरीक्षक एवं नियंत्रक (कर्त्तव्य, शक्तियां एवं सेवा की शर्त) अधिनियम 1971 के भाग 20(1) में प्रदत्त अधिकारों के अनुसार लेखापरीक्षा कर ली है। यह लेखापरीक्षा व्यवस्था 2018–19 तक के लिए सौंपी गई है। इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने की जिम्मेदारी नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय के प्रबंधन की है। हमारी जिम्मेदारी इन वित्तीय विवरणों पर लेखापरीक्षा के आधार पर विचार व्यक्त करने की है।

2. यह पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट, भारत के महालेखापरीक्षक एवं नियंत्रक के वर्गीकरण, लेखानीतियों, उत्कृष्ट लेखा प्रथाओं, लेखा प्रचलन एवं प्रगटन विवरण पर की गई टिप्पणियां मात्र हैं। यह लेखापरीक्षा के दौरान, नियम, विधायन एवं विधिसम्मत (औचित्य एवं नियमितता) एवं दक्षता–सह–निष्पादन पक्षों पर यदि कोई मामला प्रकाश में आता है तो उसे भारत के महालेखापरीक्षक एवं नियंत्रक की ओर से लेखा परीक्षा रिपोर्ट/निरीक्षण रिपोर्ट के माध्यम से सूचित किया जाएगा।

3. हमनें अपनी लेखापरीक्षा सामान्यतः भारत में स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों के अनुरुप की है। इन मानकों में अपेक्षित है कि हम ऐसी लेखापरीक्षा करें जिसमें यह सुनिश्चित हो कि वित्तीय विवरणियां आर्थिक विसंगतियों से मुक्त हैं। लेखापरीक्षा में वित्तीय विवरणों में राशियों तथा प्रकटन, समर्थित साक्ष्य का नमूना आधार पर जांच शामिल है। लेखापरीक्षा का उद्देश्य है कि प्रबंधन द्वारा अपनाई जा रही लेखाओं की विधि एवं महत्वपूर्ण प्राक्कलनों का तरीका तथा

प्रस्तुत की गई वित्तीय विवरणों का आकलन करना। हमें विश्वास है कि मेरी लेखापरीक्षा मेरे विचारों को उचित आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर हम सूचित करते हैं कि :

(i) मेरी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार लेखापरीक्षा के उद्देश्य के लिए मैंने सभी आवश्यक सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं।

(ii) इस रिपोर्ट के साथ संलग्न तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखे तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखे वित्त मंत्रालय द्वारा अनुमोदित निर्धारित प्रारुप के अनुसार तैयार किए गए हैं।

(iii) हमारे परीक्षण एवं अनुमान के अनुसार नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय द्वारा लेखा बही एवं अन्य संगत अभिलेख ठीक ढंग से रखे जा रहे हैं।

(iv) हम, इसके अलावा सूचित करते है कि :–

(क) तुलन पत्र

(क–1) देयताएं

(क–1–1) पूंजीगत निधि (अनुसूची–2) 35.20 करोड़ रुपए

(क–1–1–1) अनुसूची–2 के अनुसार, वर्ष 2014–15 के वार्षिक लेखों में नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय के वार्षिक लेखों में पूंजीगत निधि, 31 मार्च 2014 तक 16.45 करोड़ रूपए का उपयोग सी. डब्ल्यु. आई. पी./ एफ. ए. के तहत् दिखाया गया है जो कि 'आधुनिकीकरण परियोजना पूंजीगत निधि' से 'पूंजीगत निधि–मूल्यह्रास योग्य परिसंपत्तियां' में अंतरित की गई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि 16.45 करोड़ रूपए की परिसंपत्तियां बनाई गई। वस्तुतः इसे न तो स्थाई परिसंपत्तियों में सम्मिलित किया गया और न ही इन्हें अनुसूची–6 : (अनुलग्नक

'एफ') स्थाई परिसंपत्तियों के तौर पर सी. डब्ल्यु. आई. पी. के तहत् दिखाया गया। इससे पूंजीगत निधि में 16.45 करोड़ रूपए की कमी हो गई और इतनी ही राशि पूंजीगत निधि में अधिक अंकित हो गई। इसका उल्लेख पिछले वर्ष की रिपोर्ट में भी किया गया था परंतु नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय की तरफ से इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

क–1–1–2. केन्द्रीय स्वायत्त निकायों के लिए निर्धारित वित्तीय विवरणी प्रपत्र के अनुसार, आय एवं व्यय लेखे से अंतरित शुद्ध आय (व्यय) को 'समग्र/पूंजीगत निधि' में जोड़ा/घटाया जाना चाहिए। हालांकि नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय ने 7.65 करोड़ रूपए (2015–16 से संबंधित 15.15 करोड़ रूपए अधिशेष सहित) के अधिव्यय को 'समग्र निधि' के बजाय आरक्षित एवं अधिशेष (अनुसूची–3) के तहत् दर्शाया है। इसके परिणास्वरूप आरक्षित एवं अधिशेष खाते में 7.65 करोड़ रूपए की बढ़ोत्तरी हो गई तथा इतनी ही राशि पूंजीगत निधि में घट गई।

क–1–2. वर्तमान देयताएं और प्रावधान (अनुसूची–5)–30.86 करोड़ रूपए

क–1–2–1. वर्ष 2009–10 के दौरान, कोलकाता के नेशनल काउंसिल ऑफ साइंस म्यूज़ियम को संस्कृति मंत्रालय द्वारा नेहरू तारामण्डल के अपग्रेडेशन का (नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, नई दिल्ली) कार्य सौंपा गया था। इसके लिए एन.सी.एस.एम. को वर्ष 2009–10 से 2013–14 तक 12.58 करोड़ रूपए की राशि प्रदान की गई। अक्टूबर 2010 में एन.सी.एस.एम. ने कार्य पूरा करके एन.एम.एम.एल. को सौंप दिया और साथ ही जुलाई 2015 में उसने 0.56 करोड़ रूपए की शेष राशि जो खर्च नहीं हुई थी एन.एम.एम.एल. को लौटाई। एन.एम.एम.एल. ने 2015–16

के वार्षिक लेखों में स्थाई परिसंपत्ति शीर्ष के तहत् इस (0.56 करोड़ रूपए) को घटाकर दर्शाया। वस्तुतः मंत्रालय को लौटाई जाने वाली इस राशि को देयताओं के रूप में लेखों में नही दर्शाया गया है। इससे 'आय' और 'देयताओं' को उल्लेखित राशि कम करके बताया गया है।

क–1–2–2. वर्ष 2015–16 में 'सेवानिवृत्ति लाभ' और 'पेंशनरों को पेंशन' मद में क्रमशः 1.35 करोड़ रूपए तथा 3.10 करोड़ रूपए खर्च किए गए। संस्था की महत्वपूर्ण लेखांकन नीति–10 के अनुसार सेवानिवृत्ति लाभों को नकद आधार पर लेखाकृत किया जाता है। आईसीएआई के एएस–15 में उल्लेख है कि लाभ दायित्वों को बीमांकिक मूल्यांकन पद्धति के अनुसार बुक किया जाना चाहिए। हालांकि संस्था द्वारा बीमांकिक मूल्यांकन के लिए कोई व्यवस्था नहीं बनाई गयी है जो कि लेखों के लिए निर्धारित दिशा निर्देशों के विपरीत है। इसे पूर्व में भी सूचित किया गया था परंतु नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय द्वारा इनमें कोई सुधार नही किया गया।

क–1–2–3. वार्षिक लेखों में लेखापरीक्षा कराए जाने के शुल्क का प्रावधान नहीं किया गया हैं।

क–2. परिसंपत्तियां

क–2–1. स्थायी परिसंपत्तियां (अनुसूची–6, अनुलग्नक 'एफ')–28.52 करोड़ रूपए

संस्था द्वारा 12.37 लाख रूपए की परिसंपत्तियां अनेक्स भवन (आधुनिकीकरण) (अनुलग्नक 'एफ' के अनुसूची–6) के लिए बनाई गई। लेखापरीक्षा पार्टी ने पाया है कि यह परिसंपत्तियां वर्ष के दूसरे भाग में बनाई गई है जबकि इन पर मूल्यह्रास पूरे वर्ष के लिए लगाया गया है। यह मूल्यह्रास संस्था द्वारा 10 प्रतिशत के बजाय

5 प्रतिशत की दर से लगाया जाना चाहिए। इससे मूल्यह्रास की दर बढ़ गई जबकि परिसंपत्तियों की कीमत 0.62 लाख रूपए (12.37 लाख रूपए का 5 प्रतिशत) घट गई।

क–2–2. वर्तमान परिसंपत्तियां ऋण तथा अग्रिम आदि (अनुसूची–9) : 26.55 करोड़ रूपए

तुलनपत्र की अनुसूची–9 में उपभोग्य (कनस्यूमेबल) स्टोर का क्लोजिंग स्टॉक जिसका मूल्य 0.25 लाख रूपए था, को वर्तमान परिसंपत्तियों में 'इन्वेंट्री' के तहत नहीं दर्शाया गया है। इससे वर्तमान परिसंपत्तियां घटाकर कम बताई गई है और 0.25 लाख रूपए के व्यय को ज्यादा दर्शाया गया हैं।

ख. सामान्य

ख–1. आधुनिकीकरण परियोजना से संबंधित सावधि जमा के ब्योरे के अनुसार 50,97,485 रूपए की राशि को वर्ष 2015–16 के ब्याज के रूप में दर्शाया गया था। जबकि, अनुसूची–2 पूंजीगत निधि में आधुनिकीकरण परियोजना की सावधि जमा पर 50,82,425 रूपए ब्याज की राशि दर्शाई गई है। इस अंतर का समाधान करने की आवश्यकता हैं।

ग. सहायता अनुदान

ग–1. वर्ष 2015–16 में नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय को संस्कृति मंत्रालय से 2193.99 लाख रूपए की राशि योजनागत निधि के तहत् प्राप्त हुई। पूर्व वर्ष की अव्ययित राशि में से एन.एम.एम.एल. के पास 17.38 लाख रूपए की राशि (16.37 लाख योजनागत और 1.01 गैर योजनागत के तहत्) बची हुई थीं। इसके अतिरिक्त वर्ष 2015–16 के दौरान इसके पास 121.36 लाख रूपए की आंतरिक प्राप्तियां थीं। कुल निधियों में से, एन.एम.एम.एल. द्वारा

2262.17 लाख रूपए उपयोग में लाए गए जिससे 70.56 लाख रूपए (16.37 लाख रूपए योजनागत तथा 54.19 लाख रूपए गैर योजनागत के तहत्) अव्ययित रहे।

ग–2. इसके अतिरिक्त नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय को तात्या टोपे के 200वीं जयंती और लाला लाजपत राय की जयंती मनाने के लिए वर्ष 2015–16 में क्रमशः 3.30 लाख रूपए एवं 3.00 लाख रूपए भी प्राप्त हुए थे जिसमें से तात्या टोपे के लिए 1.35 लाख रूपए खर्च किए गए और लाला लाजपत राय के लिए 0.76 लाख खर्चे गए। इससे 2.24 लाख रूपए लाला लाजपत राय तथा 1.95 लाख रूपए तात्या टोपे निधि में शेष बचे थे।

ग. 3 लेखापरीक्षा पार्टी ने पाया है कि वर्ष 2013–14 के दौरान संस्था को 2000 लाख रूपए का गैर आवर्ती अनुदान संस्कृति मंत्रालय से सिलेक्टिड वर्क्स, पोर्टल तथा संस्था के उन्नयन के लिए प्राप्त हुआ जिसमें से नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय ने वर्ष 2014–15 में केवल 545.42 लाख रूपए का ही उपयोग किया। वर्ष 2015–16 में कोई उपयोग नहीं किया गया। परिणामस्वरूप 31 मार्च, 2016 को 1454.58 लाख रूपए अव्ययित शेष बच गया।

ग. 4. संस्था को वर्ष 2012–13 के दौरान संस्कृति मंत्रालय से मोतीलाल नेहरू की 150वी जयंती संबंधी स्मरणोत्सव समारोह आयोजित करने के लिए 35.00 लाख रूपए का विशेष सहायता अनुदान प्राप्त हुआ। इसमें से संस्था ने 2014–15 तक केवल 6.95 लाख रूपए (वर्ष 2012–13 में 0.24 लाख रूपए, वर्ष 2013–14 में 6.71 लाख रूपए) का ही उपयोग किया। इससे 31 मार्च, 2016 को 28.05 लाख रूपए अव्ययित शेष बच गया।

घ. प्रबंधन पत्र

लेखा परीक्षा रिपोर्ट में पायी गई कमियों की जानकारी अलग से जारी प्रबंधन पत्र के माध्यम से नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय को समाधान/आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दी गई है।

v. उपरोक्त टिप्पणियों के प्रकाश में मेरे विचार एवं अभ्युक्तियों के अधीन मैं सूचित करता हूँ कि इस प्रतिवेदन से संबंधित तुलनपत्र, आय एवं व्यय लेखे तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखे सही प्रकार से तैयार किए गए हैं तथा लेखा बहियों के अनुरुप हैं।

vi. मेरे विचार और मेरी सर्वोत्तम जानकारी और मुझे दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार महत्वपूर्ण मामलों से संबंधित वित्तीय विवरण, संलग्न प्रपत्र सही और उचित रुप प्रस्तुत करते हैं जोकि भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों के अनुरुप हैं।

(क) जहां तक यह 31 मार्च, 2016 को नेहरु स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय के कार्यकलापों के तुलन पत्र से संबंधित है, तथा

(ख) जहां तक यह उसी तिथि को समाप्त वर्ष के आय एवं व्यय लेखे के अधिशेष से संबंधित है।

भारत के महालेखापरीक्षक एवं नियंत्रक की ओर से

स्थान : नई दिल्ली | **महानिदेशक, लेखापरीक्षा**
दिनांक : 30.03.2017 | **(केन्द्रीय राजस्व)**

अनुलग्नक

1. **पर्याप्त आंतरिक लेखापरीक्षा व्यवस्था**

   कोई आंतरिक लेखापरीक्षा व्यवस्था नहीं है। संस्कृति मंत्रालय द्वारा नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय का जनवरी/फरवरी, 2017 में केवल 2009–10 से फरवरी, 2017 की अवधि का परफारमेंस मूल्यांकन ही किया गया था जिसकी रिपोर्ट अपेक्षित है।

2. **पर्याप्त आंतरिक नियंत्रण प्रणाली**

   निम्न के संदर्भ में संस्था की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली अपर्याप्त पाई गई।

   - संस्कृति मंत्रालय द्वारा विशेष कार्य यथा (सिलेक्टिड वर्क्स, पोर्टल तथा नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय के उन्नयन तथा मोतीलाल नेहरू की 150वीं जयंती के स्मरणोत्सव) हेतु प्रदान की गई निधियों का संस्था द्वारा उपयोग नहीं किया गया।
   - निधियों का निवेश भारत सरकार द्वारा विहित परिपाटी से नहीं किया गया।
   - संस्था में आंतरिक लेखापरीक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है।
   - स्थायी परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन नियमित रूप से नहीं किया जाता।

3. **स्थाई परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन की व्यवस्था**

   स्थाई परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन केवल वर्ष 2014–15 तक किया गया है।

4. **चल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की व्यवस्था**

   वस्तुसूची जैसे लेखन सामग्री एवं अन्य उपभोग्य सामग्रियों के स्टॉक का भौतिक सत्यापन 2015–16 तक किया गया है एवं कोई कमी नहीं पाई गई।

5. **बकाया भुगतान की नियमितता**

   31 मार्च, 2016 की यथास्थिति के अनुसार पिछले 6 महीने का कोई बकाया शेष नहीं है।